नई दिल्ली
रविवार, 13 अप्रैल 2025
बैशाख मास कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा वर्ष : 28, अंक : 363
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00
मौसम
अधि. 35
न्यून. 21

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
राजस्थान बेंगलुरु
दोपहर 3.30 बजे से
दिल्ली मुंबई
शाम 7.30 बजे से

कभी भी पड़ सकती है प्रशासन को प्रूफ दिखाने की जरूरत

अब अमेरिका में 24 घंटे वैध प्रवास का प्रमाण लेकर घूमेंगे भारतीय कामगार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अगर आने वाले वक्त में किसी भारतीय को अमेरिका में रहकर पढ़ाई या नौकरी करनी है। तो उसे चौबीसों घंटे अपने साथ वैध प्रवास का दस्तावेजी प्रमाण लेकर चलना पड़ेगा। क्योंकि इसके बिना पकड़े जाने पर कब दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्क से आपको बाहर कर दिया जाएगा, पता ही नहीं चलेगा। जी हां, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने बीते शुक्रवार (11 अप्रैल) को इस संबंध में एक आदेश लागू कर दिया है। जिसमें अमेरिका में रह रहे प्रवासियों को 24 घंटे अपने साथ वैध प्रवास का प्रमाण लेकर रहना पड़ेगा।

मूल रूप से ये आदेश अमेरिका की एक अदालत द्वारा अवैध प्रवासियों के दस्तावेजों के साथ पंजीकरण कराने और दस्तावेज साथ रखने के आदेश से जुड़ा हुआ है। जिसकी ट्रंप सरकार ने अपने कार्यकारी आदेश के जरिए अनुपालना शुरू की है। इसकी मदद से अवैध प्रवासियों के साथ-साथ उन लाखों लोगों की घर वापसी सुनिश्चित की जा सकेगी जो गलत तरीके से अमेरिका में रह रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन इसे अपने नागरिकों को बाहरी लोगों से सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में उठाया गया कदम बता रहा है।

ट्रंप सरकार का तुगलकी फरमान...

नियम न मानने वालों को राहत नहीं

होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा अमेरिका में जो लोग वैध वीजा (काम, पढ़ाई) या ग्रीन कार्ड के साथ रह रहे हैं। उन्हें फार्म-जी-325 आर के साथ पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। क्योंकि वह पहले से ही अमेरिकी प्रशासन के रिकॉर्ड में पंजीकृत हैं। लेकिन उन्हें हमेशा वैध प्रवास के दस्तावेज अपने साथ लेकर रहना पड़ेगा और आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन को उन्हें दिखाना भी पड़ेगा। नियम न मानने वालों को कोई राहत प्रदान नहीं की जाएगी।

प्रभावित होंगे 54 लाख भारतीय?

जानकारों की राय में अमेरिका में भारतीय कामगारों की कुल अनुमानित संख्या 54 लाख है। इनमें 3 लाख 31 हजार 602 छात्र, 20 लाख 77 हजार 158 प्रवासी और 33 लाख 31 हजार 904 पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजन हैं। ट्रंप प्रशासन के नए आदेश से यह लोग भी प्रभावित होंगे। अमेरिका प्रवास के दौरान छात्रों और कामगारों द्वारा एच1बी वीजा और ग्रीन कार्ड का प्रयोग किया जाता है। वहीं, एलियन रजिस्ट्रेशन रिक्वायरमेंट एक्ट 1940 (एआरआर) के तहत अमेरिका में प्रवासियों का पंजीकरण अनिवार्य है। इस कानून का समय-समय पर क्रियान्वयन नहीं किया गया। लेकिन अब जारी किए गए आदेश को ट्रंप सरकार सख्ती से लागू करेगी।

पंजीकरण से पुख्ता होगी उपस्थिति

विभाग ने कहा कि पंजीकरण से अमेरिका में रहने का रास्ता साफ नहीं होगा। बल्कि इससे केवल अमुक व्यक्ति की मौजूदगी के बारे में प्रशासन को जानकारी रहेगी। अगर किसी व्यक्ति के पास वैध दस्तावेज नहीं होंगे तो उसे उसके देश में वापस भेजने के लिए कदम उठाए जाएंगे। पंजीकरण फार्म में अमुक व्यक्ति और उसके परिवार का पता और व्यक्तिगत जानकारी प्रवास की स्थिति के साथ देनी होगी। संबंधित व्यक्ति ने अगर कोई अपराध किया है तो उसके बारे में भी प्रशासन को बताना पड़ेगा। जानकारी न देने की स्थिति में व्यक्ति पर जुर्माना लगेगा और उसे छह महीने के कारावास की सजा होगी।

ऐसी होगी पंजीकरण प्रक्रिया

नए आदेश के मुताबिक, अमेरिका में 14 साल से अधिक उम्र के सभी प्रवासियों को एक महीने के अंदर फार्म-जी-325 आर भरकर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना पड़ेगा। 14 साल वालों के पंजीकरण को उनके अभिभावकों द्वारा पूरा किया जाएगा। इसके अलावा जो लोग 11 अप्रैल या उसके बाद अमेरिका पहुंचे हैं, उन्हें 30 दिनों के अंदर पंजीकरण कराना पड़ेगा। ऐसा न करने पर जुर्माना, कारावास या दोनों की सजा का प्रावधान है। अपना आवासीय पता बदलने के 10 दिन के अंदर प्रशासन को जानकारी देनी पड़ेगी। अगर ऐसा नहीं किया तो करीब 5 हजार डॉलर का जुर्माना भरना पड़ेगा। जिन प्रवासियों के बच्चे 14 साल के हो रहे हैं। उन्हें भी महीने भर अंदर ट्रंप सरकार के सामने फिंगरप्रिंट के साथ पंजीकरण कराना पड़ेगा।

देश में ऐसा पहली बार...सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के पास लंबित 10 विधेयकों को पारित करने का आदेश दिया

राष्ट्रपति को तीन महीने में विधेयकों पर फैसला करना चाहिए

तीन महीने की समयसीमा से ज्यादा की देरी होने पर उचित कारण देने होंगे और इस बारे में संबंधित राज्य को सूचित करना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने अपनी एक टिप्पणी में सलाह दी है कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर राज्यपालों द्वारा भेजे गए लंबित विधेयकों पर फैसला ले लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर दिए गए अपने फैसले में यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के पास लंबित 10 विधेयकों को पारित करने का आदेश दिया। ये विधेयक राज्यपाल ने राष्ट्रपति के पास विचारार्थ भेजने के चलते लंबित किए हुए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को यह फैसला दिया था और फैसले की कॉपी बीती रात सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड हुई है। गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 200 राज्यपाल को शक्ति देता है कि वे उनके पास मंजूरी के लिए आने वाले विधेयक को लेकर असहमति जता सकते हैं या फिर इसे राष्ट्रपति के विचार करने के लिए भेज सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या टिप्पणी की

दूसरे राउंड में विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजना अवैध

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की अध्यक्षता वाली पीठ ने 8 अप्रैल को दिए अपने फैसले में कहा कि हम गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित समय-सीमा को अपनाए जाने को उचित समझते हैं और ये सलाह देते हैं कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा उनके विचारार्थ आरक्षित विधेयकों पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना जरूरी है। पीठ ने अपने फैसले में राज्यपाल द्वारा विधेयक को दूसरे राउंड में भी राष्ट्रपति के पास विचारार्थ भेजने को अवैध बताया। पीठ ने फैसले में कहा कि अनुच्छेद 200 में विधेयक को मंजूरी देने की कोई समयसीमा तय नहीं है, लेकिन इसका मतलब ये भी नहीं है कि राज्यपाल विधेयक को लंबे समय तक रोके रखें और राज्य की कानून बनाने वाली व्यवस्था में अवरोधक बन जाएं।

10 विधेयक बिना राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के कानून बन गए

देश में पहली बार ऐसा हुआ है कि राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना कोई विधेयक कानून बन चुका है। ये ऐतिहासिक घटना सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद हुई, जिसमें तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा विधेयकों को मंजूरी न दिए जाने के मामले में सुनवाई हो रही थी। तमिलनाडु की सरकार और राज्यपाल के बीच गतिरोध लंबे समय से चला आ रहा है। तमिलनाडु की विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी नहीं मिल पा रही थी। विधेयकों को लौटाने के बाद इन्हें दोबारा पारित कर राज्यपाल के पास भेजा ▶▶ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

आज भोपाल आएंगे केंद्रीय मंत्री अमित शाह

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार 13 अप्रैल को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल आएंगे। शाह के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत भोपाल के रविंद्र भवन में राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन होगा। लोकसभा सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा विशेष अतिथि होंगे। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने तैयारियों की समीक्षा की।

विश्व बिलियर्ड्स में पंकज को रजत पदक

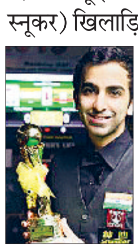

नई दिल्ली। भारत के सबसे दिग्गज क्यू (बिलियर्ड्स और स्नूकर) खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन प्रतिद्वंद्वी आयरलैंड के कार्लों ने शानदार वापसी की।

चूरू में पं. मिश्रा की कथा के दौरान पंडाल गिरा

चूरू। राजस्थान के चूरू जिले में शुक्रवार को कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा के दौरान तेज आंधी और धूलभरी हवाओं के कारण पंडाल गिर गया। उस समय वहां करीब 15 हजार लोग मौजूद थे। घटना में एक महिला, एक पुरुष और एक बच्चा घायल हो गए। तीनों को तुरंत एंबुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वहां मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

नेशनल हेराल्ड मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी का एक्शन शुरू

कब्जे में ली जाएगी 661 करोड़ रु. की संपत्ति, नोटिस हुआ जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

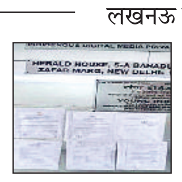

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में एक्शन शुरू कर दिया है। ईडी ने 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किए हैं। इन संपत्तियों को ईडी ने कांग्रेस के नियंत्रण वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच में कुर्क किया था। मुंबई, दिल्ली और लखनऊ में नोटिस चिपकाए गए हैं। जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने शुक्रवार को दिल्ली में आईटीओ स्थित हेराल्ड हाउस, मुंबई के बांद्रा इलाके में परिसर और लखनऊ में बिशेश्वर नाथ रोड स्थित एजेएल भवन में ये नोटिस चिपकाए हैं। नोटिस में परिसर को खाली करने या मुंबई की संपत्ति के मामले में किराए को ईडी ▶▶ शेष पेज 5 पर

दोनों देशों ने रक्षा और उच्च तकनीक के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर दी सहमति

'आईएमईईसी' के क्रियान्वयन के लिए साथ मिलकर काम करेंगे भारत-इटली

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत और इटली ने संकल्प जताते हुए यह तय किया है कि वो रक्षा, व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा और उच्च तकनीक जैसे क्षेत्रों के साथ ही भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) के क्रियान्वयन के लिए एकजुटता से काम करेंगे। दोनों देशों की इस कवायद का संबंध संयुक्त सामरिक कार्य योजना (जेएसएपी) 2025-29 से है। यह जानकारी विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी की बीते 11 अप्रैल को नई दिल्ली में हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक के निष्कर्ष के रूप में निकलकर सामने आई है। जिसके बारे में विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया। इतालवी मंत्री बीते शुक्रवार से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर थे। उनकी यह बैठक भी इसी का हिस्सा थी। उधर, जेएसएपी की घोषणा पिछले साल नवंबर में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने ▶▶ शेष पेज 5 पर

बीते दिनों में सर्वर कई बार हो चुका है ठप...हर बार बताते तकनीकी कारण

यूपीआई....फिर मुसीबत आई

एक बार फिर ठप हुआ यूपीआई का सर्वर, फोन पे... गूगल पे नहीं हुआ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शाम तक करीब 2 हजार से ज्यादा शिकायतें यूपीआई सर्विस को लेकर दर्ज

शनिवार को देशभर में यूपीआई (यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस) यूजर्स को एक बार फिर से डिजिटल पेमेंट में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। तकनीकी खराबी की वजह से यूपीआई सर्विस अस्थायी रूप से ठप हो गई, जिससे लाखों यूजर्स के ट्रांजैक्शन फेल हो गए यह लगातार तीसरी बार है जब बीते दो हफ्तों में यूपीआई में ऐसी बड़ी तकनीकी समस्या आई है। इससे पहले 26 मार्च और 2 अप्रैल को भी इसी तरह की परेशानी रिपोर्ट की गई थी। डाउन डिटेक्टर एक ऐसा प्लेटफॉर्म जो यूज़र्स की शिकायतों के आधार पर सर्विस में आई रुकावटों पर नजर रखता है, उसके मुताबिक शनिवार सुबह 11:30 बजे के बाद से यूपीआई ▶▶ शेष पेज 5 पर

हम तकनीकी दिक्कतों से जूझ रहे हैं

यूपीआई को संचालित करने वाली संस्था एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) ने इस समस्या को स्वीकार करते हुए कहा है कि एनपीसीआई इस वक्त तकनीकी दिक्कतों का सामना कर रहा है, जिसके कारण कुछ यूपीआई ट्रांजैक्शन फेल हो रहे हैं। हमारी टीम इस समस्या को जल्द सुलझाने में लगी हुई है। हुई असुविधा के लिए हम खेद प्रकट करते हैं। यह बयान एनपीसीआई ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। इससे पहले, 26 मार्च को भी यूपीआई सेवा में भारी तकनीकी गड़बड़ी आई थी, जब अलग-अलग यूपीआई ▶▶ शेष पेज 5 पर

अनाज को भंडारण में रखने से पहले सफाई कर लें किसान : पूसा

नई दिल्ली। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडारघर की सफाई करें तथा अनाज को सुखा लें। दानों में नमी 12 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) के कृषि भौतिकी संभाग में नोड़ल अधिकारी डॉ अनंता वशिष्ठ ने सलाहकार समिति के वैज्ञानिकों से परामर्श के बाद किसानों के लिए यह सलाह जारी की है। नोडल अधिकारी डॉ वशिष्ठ ने बताया कि भंडार घर को अच्छे से साफ कर लें। छत या दीवारों पर यदि दरारें है तो इन्हें भरकर ठीक कर लें। बोरियों को 5 प्रतिशत नीम तेल के घोल से उपचारित करें। बोरियों को धूप में सुखाकर रखें। जिससे कीटों के अंडे तथा लार्वा तथा अन्य बीमारियां आदि नष्ट हो जावें। किसानों को सलाह देते हुए उन्होंने बताया कि कटी हुई फसलों तथा अनाजों को सुरक्षित स्थान पर रखें। इस मौसम में तैयार गेहूं की फसल की कटाई की सलाह है। किसान कटी हुई फसलों को बाँधकर तथा ढककर रखे अन्यथा तेज हवा या आंधी से फसल एक खेत से दूसरे खेत में जा सकती है। गहाई के उपरांत भंडारण से पूर्व दानों को अच्छी तरह से सुखा दें। रबी फसल यदि कट चुकी है तो उसमें हरी खाद के लिए खेत में पलेवा करें। हरी खाद के लिए ढ़ेचा, सनई अथवा लोबिया की बुवाई की जा सकती है। बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी का होना आवश्यक है। इस सप्ताह तापमान बढ़ने की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह है कि खडी फसलों तथा सब्जियों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।

24 घंटे के भीतर आरोपी किया गिरफ्तार

यूट्यूबर से मांगी 13 करोड़ की रंगदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आउटर नॉर्थ जिले के बवाना में एक यूट्यूबर से 13 करोड़ की रंगदारी मांगने का केस सामने आया है। हालांकि पुलिस ने शिकायत के 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। आरोपी का नाम बवाना गांव निवासी विशाल उर्फ कातिया बताया गया है।

पुलिस के अनुसार 10 अप्रैल को 24 वर्षीय शिकायतकर्ता से पुलिस स्टेशन बवाना में एक शिकायत प्राप्त हुई थी। उन्होंने कहा कि वह एक यूट्यूब चैनल चलाते हैं और लगभग 11 महीने

पहले वामिका शर्मा के साथ उनका प्रेम विवाह हुआ था। उनके ससुर, जिनका छह साल पहले निधन हो गया था के पास बहुत अधिक संपत्ति थी। जिसे बाद में उनकी दो बेटियों, दो बेटों और पत्नी के बीच विभाजित किया गया था। 9 अप्रैल को शिकायतकर्ता किसी काम से सेक्टर-1, बवाना में मौजूद थे। उन्हें लगभग 08:27 बजे एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम विशाल उर्फ कातिया बताते हुये खुद को इलाके का कुख्यात अपराधी कहा विशाल ने कहा कि उसे पता है कि तुम्हारी पत्नी को विरासत में 12 किल्ले जमीन मिली है। उसने यह भी कहा कि एक किल्ले की कीमत लगभग 35 करोड़ है। इसके बाद उसने रंगदारी के तौर पर 13 करोड़ मांगे और न देने पर जान से मारने की धमकी दी। विशाल ने उससे बार-बार संपर्क करने की कोशिश की। पांचवीं कॉल में विशाल आक्रामक हो गया और शिकायतकर्ता को गंभीर धमकियां दी। पुलिस ने आरोपी को दबोचने के लिये निर्मल वाटिका, बवाना गांव के पास ट्रैप लगाया। इसके बाद आरोपी को सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया। जबरन वसूली के लिए कॉल करने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी उसके कब्जे से बरामद हो गया है। विशाल औचंदी रोड, बवाना गांव का रहने वाला है। वह पहले भी एक केस में शामिल रहा है।

लिव इन पार्टनर का हत्यारोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

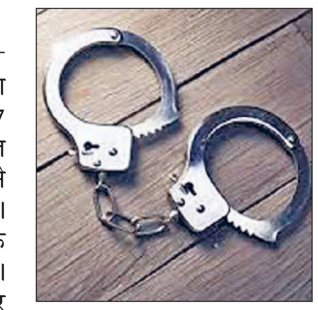

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के मुनिरका इलाके में एक व्यक्ति ने अपनी 27 वर्षीय लिव इन पार्टनर की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी जगमिनथांग मणिपुर के सेनापति जिले का रहने वाला है। वहीं महिला की पहचान मणिपुर के ही चुराचांदपुर की रहने वाली लहिंग जनेंग के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार आठ अप्रैल को दोपहर करीब 1:57 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) पर एक कॉल आई, जिसमें मुनिरका के क्रांति चौक पर एक मेडिकल स्टोर के पास शव होने की जानकारी दी गई। पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और एक इमारत की पांचवीं मंजिल पर एक कमरे के अंदर महिला का शव पड़ा हुआ पाया। पूछताछ में पता चला कि सोमवार की रात को दोनों ने एक पार्टी आयोजित की थी, जिसमें तीन अन्य लोग कपगौलाल, नेमनेथेम और किमनेथेम भी शामिल हुए थे। पार्टी आधी रात तक जारी रही। उसके बाद मेहमान चले गए। रात के समय जगमिनथांग ने पास के किशनगढ़ इलाके में किसी दूसरे व्यक्ति के साथ संबंध होने के संदेह में लहिंग पर हमला किया जिसमें उसकी मौत हो गई। पुलिस को निरीक्षण के दौरान शव पर कई चोट के निशान मिलें। अपराध और फोरेंसिक टीमों ने भी घटनास्थल की जांच की है। सफदरजंग अस्पताल में महिला के शव का पोस्टमार्टम किया गया। सोमवार को पार्टी में शामिल हुए लोगों के अनुसार, लहिंग पर दो दिन पहले भी शारीरिक हमला किया गया था। पार्टी के दौरान उसे धमकाया भी गया था। मेडिकल लीगल केस रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने शुरू में पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन लगातार पूछताछ के बाद अपराध कबूल लिया।

कुत्ते के साथ घिनौनी हरकत करने वाला किया अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

गांधी नगर इलाके में एक कुत्ते के साथ घिनौनी हरकत करने वाले शख्स को गिरफ्तार किया गया है। पीपुल फॉर एनिमल संस्था की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। आरोपी नौशाद (36) गांधी मोहल्ला, धरमपुरा, गांधी नगर, मूल रूप से सुपोल बिहार का रहने वाला है।

पुलिस के अनुसार पीपुल फॉर एनिमल की सदस्य रेणु पत्नी विनोद कुमार निवासी ए/8 एचएन नं 117, कालकाजी ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि एक व्यक्ति द्वारा स्ट्रीट डॉग के साथ संबंध बनाया है। इस संबंध में गांधी नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई और नौशाद नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि उसने 7 अप्रैल को रात करीब 10 बजे नाला, कैलाश नगर के पास गली नं 15 के पास कुत्ते के साथ नशे की हालत में उक्त अपराध किया था। वह इलाके में मोहम्मद कलीम नामक शख्स के पास पानी की आपूर्ति का काम करता है।

गांधी नगर इलाके का मामला

एयरपोर्ट पर महिला पुलिसकर्मियों के लिए बनाया गया गुलाबी बैरक

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट पर महिला पुलिसकर्मियों के लिए सुरक्षित और बेहतर स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस ने अत्याधुनिक गुलाबी बैरक बनाया है। शुक्रवार को इसका उद्घाटन स्पेशल सीपी रोबिन हिबू ने किया। पुलिस के अनुसार विशेष रूप से महिलाकर्मियों के लिए, तैयार इस बैरक को 'अक्षी दे पिंक एबोड' का नाम दिया गया है। हिबु ने कहा कि देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक दिल्ली हवाई अड्डे पर चौबीसों घंटे तैनात रहने वाली महिला पुलिसकर्मियों के आराम व निजता को ध्यान में रखते हुए इसे डिजाइन किया गया है। रोबिन हिबू स्पेशल सीपी (सार्वजनिक परिवहन और सुरक्षा) है। हिबू ने कहा कि अक्षी कर्मचारी कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल मनोबल बढ़ाने और कार्यस्थल की गरिमा में सुधार करने में बहुत मददगार साबित होती है।

अहमदाबाद महाधिवेशन के संकल्प को पूरा करने के लिए यादव ने ली बैठक, पदाधिकारियों को निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

गुजरात के अहमदाबाद में हाल ही में संपन्न हुए कांग्रेस महाधिवेशन में पार्टी द्वारा लिए गए तरन संकल्पों को पूरा करने की दिशा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को शुरुआत कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों की एक बैठक बुलाई और चर्चा के बाद कई दिया निर्देश जारी किए। इस बारे में देवेंद्र ने बताया कि कांग्रेस महाधिवेशन में पार्टी द्वारा लिए तीनों संकल्पों को प्रदेश कांग्रेस पूरा करने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी अग्रिम संगठनों, प्रकोष्ठों और विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक करके दिशा निर्देश जारी कर दिए गए है। बैठक में यादव ने साफ कहा कि युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई, सभी प्रकोष्ठ और विभागों के अध्यक्ष जिनकी कार्यकारिणी नही बनी है, अपनी कार्यकारिणी का गठन तुरंत करें। संगठन में सभी वर्गों के साथ-साथ दलित व अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को उचित प्रतिनिधित्व दें। यादव ने कहा कि अग्रिम संगठनों के अध्यक्षों, प्रकोष्ठां और विभागों के चेयरमेनों को कार्यकारिणी के साथ अपनी सक्रिय टीम, जिला व ब्लाक अध्यक्ष स्तर पर अपने विभाग को भी सक्रिय बनाना होगा। अहमदाबाद के कांग्रेस महाधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी में काम करने वाले हर कार्यकर्ताओं को आगे लाने की जो बात कही है उससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया जोश पैदा हुआ है। ऐसे में हमारा प्रयास है कि हम दिल्ली में बूथ स्तर तक कार्यकर्ता को कांग्रेस संगठन से सीधा जोड़कर अधिक मजबूत बनाएं। यादव ने कहा कि अग्रिम संगठन, प्रकोष्ठ एवं विभाग कांग्रेस संगठन की महत्वपूर्ण रीढ़ है, इनके मजबूत होने पर ही दिल्ली में कांग्रेस संगठन को अधिक मजबूती मिलेगी। कांग्रेस संगठन खड़ा करने में हमें बूथ स्तर तक के लोगों को अपने साथ जोड़ना होगा।

हनुमान जयंती पर कड़े पहरे में निकली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने हनुमान जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा के मद्देनजर जहांगीरपुरी इलाके में सुरक्षा कड़ी रखी। विश्व हिंदू परिषद समेत कई हिंदू संगठनों ने इलाके में शोभायात्रा निकालने की घोषणा पहले ही कर दी थी। हालांकि शुक्रवार तक किसी को शोभा यात्रा निकालने की अनुमति नहीं दी गई थी। शनिवार को अनुमति मिलने के बाद शोभा यात्रा निकाली गई।

पुलिस के अनुसार एहतियात के तौर पर, त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) की इकाइयों और दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त कर्मियों को जहांगीरपुरी के संवेदनशील इलाकों में तैनात किया गया था। कानून-व्यवस्था की स्थिति को भंग करने वालों से सख्ती से निपटने के आदेश जारी किये गये थे। शोभा यात्रा से पहले भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था। करीब 500 मीटर के दायरे में ही शोभा यात्रा निकालने के मंजूरी दी गई थी। सड़क के दोनों तरफ बैरिकेडिंग कर वाहनों की आवाजाही भी इस दौरान रोक दी गई थी। सड़क से जुड़ी कई गलियों भी बंद कर दिया गया था।

आने-जाने वाले लोगों पर पुलिस की रही पैनी नजर

आने-जाने वाले लोगों पर पुलिस निगरानी रखे हुये थी। कुशल सिनेमा से लेकर जहांगीरपुरी बड़ी मस्जिद तक चप्पे चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात दिखे। शोभा यात्रा रूट पर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई थी। ड्रोन कैमरों के जरिये भी यात्रा की निगरानी की गई। पुलिस द्वारा 500 से ज्यादा भक्तों की भीड़ और हथियार लाने पर पाबंदी के साथ शोभा यात्रा की इजाजत दी गई थी। गौरतलब है कि जहांगीरपुरी वहीं इलाका है जहां तीन साल पहले हनुमान जयंती पर शोभा यात्रा के दौरान दंगा भड़क गया था। भक्तों पर जमकर पत्थरबाजी की गई थी।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना सं. NER-BSB0SnT-OT-05-2025

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए "खुली ई–निविदा" आमंत्रित की जाती है। **क्र.सं.: 1: निविदा सूचना सं. एवं कार्य का नाम: NER-BSB0SnT-OT-05-2025; कार्य का नाम:** वाराणसी मंडल में पुराने सिग्नलिंग उपकरणों का बदलाव (ई.पी.एम. और ग्राउंड कनेक्शन और अन्य विविध आइटम) एवं छपरा ग्रामीण–खैरा–छपरा कचेहरी खंड में बी.पी.ए.सी. के लिए ऑटो चेंजओवर सुविधा (कुल 2 ब्लॉक खंड) और गौतमस्थान – चितबड़ागांव खंड (07 स्टेशन) में एक्सटर्नल रिंग सप्लाई व्यवस्था का कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹1,08,90,225.60; **बयाना की राशि:** ₹2,04,500/-; **निविदा प्रपत्र की कीमत:** ₹0.00/-; **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 09 माह; **निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय:** 05.05.2025 को 15:00 बजे। 1. ई–निविदा दिनांक 05.05.2025 को 15:00 बजे तक ऑनलाईन जमा किया जा सकेगा। 2. पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाईट i.e. www.ireps.gov.in देखें।

मंडल रेल प्रबंधक/सिग एवं दूरसंचार
मुजाधि/सिग्नल–01 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

छूट की घोषणा संबंधी भ्रम के कारण संपत्ति कर संग्रहण में हुई गिरावट : निगम

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की संपत्ति कर छूट की घोषणा संबंधी भ्रम के कारण संपत्ति कर संग्रहण में गिरावट दर्ज हुई है और इस छूट के प्रस्ताव पर असमंजस के कारण एमसीडी को राजस्व में हानि हुई है। एमसीडी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि निगम के लिए संपत्ति कर एक महत्वपूर्ण राजस्व स्रोत बना हुआ है, जो इसके आंतरिक राजस्व प्राप्तियों का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है। हाल ही में, 25 फरवरी, 2025 को प्रस्ताव/घोषणा के आधार पर 100 वर्ग गज से कम की संपत्तियों को 100 प्रतिशत छूट और 100-500 वर्ग गज के बीच की संपत्तियों को 50 प्रतिशत छूट के बारे में समाचार रिपोर्टें आई हैं। निगम प्रशासन ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में संपत्ति कर का संग्रह पिछले वर्ष के 2163.57 करोड़ रुपये की तुलना में 2132.89 करोड़ रुपये है। हालांकि छूट संबंधी मीडिया रिपोर्ट आने के बाद के समय में 193.28 करोड़ रुपये का कर संग्रह हुआ, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 367.16 करोड़ रुपये का कर संग्रह हुआ था।

अदालत ने दुष्कर्म के मामले में व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए डॉक्टर की याचिका की खारिज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्लकी एक अदालत ने शादी का वादा कर सहकर्मी से दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी एवं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टर की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें व्यक्तिगत पेशी से स्थायी छूट देने का अनुरोध किया गया था। अदालत ने कहा कि अर्जी को स्वीकार करने से शिकायतकर्ता का आपराधिक न्याय प्रणाली में विश्वास खत्म हो जाएगा, जबकि आरोपी की उपस्थिति से उसे कोई अनावश्यक परेशानी नहीं होगी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुगंधा अग्रवाल न्यूरोसर्जरी के प्रोफेसर डॉ. दीपक गुप्ता की याचिका पर सुनवाई कर रही थीं, जिसके खिलाफ हौज खास पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (दुष्कर्म), 377 (कुकर्म), 313 (महिला की सहमति के बिना गर्भपात कराना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया था। हाल ही में एक आदेश में, अदालत ने डॉ गुप्ता की इस दलील को खारिज कर दिया कि उन्हें अदालत की कार्यवाही में भाग लेने के लिए बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में आने वाले मरीजों को छोड़ना पड़ा और गंभीर हालत वाले रोगियों के ऑपरेशन टालने पड़े। अदालत ने कहा कि बेशक, आरोपी एक प्रोफेसर भी है, छात्रों को पढ़ाता है, संगोष्ठी और सम्मेलनों में भाग लेता है, जिससे पता चलता है कि अदालत की सुनवाई के अलावा, आरोपी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए विभिन्न जगहों की यात्रा करनी पड़ती है और उस समय भी वह अस्पताल से अनुपस्थित रहता है। उन्होंने कहा कि इसलिए, यह नहीं कहा जा सकता कि उसे अदालत की सुनवाई में उपस्थित होना है, वह अपने मरीजों के लिए उपलब्ध नहीं रहेगा। अदालत ने कहा कि सुनवाई की तारीख पहले ही बता दी गई थी और आरोपी के पास ऑपरेशन का कार्यक्रम निर्धारित करने के लिए पर्याप्त समय था और उसे अंतिम समय में कार्यक्रम में बदलाव कर या रद्द कर मरीजों को परेशान नहीं करना चाहिए था।

आरोपी के खिलाफ गंभीर आरोप हैं: अदालत

अदालत ने कहा कि मौजूदा मामले में आरोपी के खिलाफ गंभीर आरोप हैं, जिसमें शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इतना प्रतिष्ठित डॉक्टर होने के बावजूद उसने शादी का झूठा वादा करके उसके साथ बलात्कार किया। इसने कहा कि इन परिस्थितियों में, यदि अर्जीकर्ता को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से स्थायी छूट दी जाती है, तो इससे आपराधिक न्याय प्रणाली में शिकायतकर्ता का विश्वास टूट जाएगा, जबकि सुनवाई की प्रत्येक तारीख पर अदालत में आरोपी की उपस्थिति से उसे कोई अनावश्यक परेशानी नहीं होगी। इसलिए, अर्जी को खारिज किया जाता है। इस बात पर गौर करते हुए कि दिल्ली पुलिस ने एक पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है, अदालत ने आरोपों पर दलीलें पेश करने के लिए 16 अप्रैल की तारीख तय की। एक मजिस्ट्रेट अदालत ने इस साल 23 जनवरी को डॉक्टर के खिलाफ आरोपों का संज्ञान लिया था। दुष्कर्म की शिकायत जुलाई 2023 में दर्ज कराई गई थी, जिसमें डॉक्टर पर दुष्कर्म सहित कई आरोप लगाए गए थे। शिकायतकर्ता द्वारा आरोपी और उसके सहयोगियों की तरफ से धमकियां दिए जाने की शिकायत के बाद दिसंबर 2024 में एक और मामला दर्ज किया गया था। मामले के संबंध में तीसरी प्राथमिकी इस साल 14 फरवरी को दर्ज की गई, जब एम्स की 39 वर्षीय चिकित्सक ने फिर से धमकियां मिलने का आरोप लगाया। उसने आरोप लगाया कि अस्पताल जाते समय उसे धमकी भरे कॉल आए।

डीएसजीपीसी ने संगत से की सहज पाठ का हिस्सा बनने की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) ने सिख संगत से अपील की है कि वह बढ़ चढ़कर सहज पाठ का हिस्सा बने। इस बारे में डीएसजीपीसी की धर्म प्रचार के मुखी जसप्रीत सिंह करमसर ने बताया कि देश विदेश में रहने वाली संगत से सहज पाठ से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक संगत को सहज पाठ से जोड़ने के लिए कमेटी की तरफ से एक नंबर जारी किया है जिसके सहारे वह अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते है। उन्होंने बताया कि कमेटी अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, महासचिव जगदीप सिंह काहलो के मार्गदर्शन में चलते हुए धर्म प्रचार कमेटी के विशेष प्रयास से गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर 3.5 लाख सहज पाठ करने का लक्ष्य रखा है। पाठ की शुरुआत 15 अप्रैल 2025 को सुबह 11 बजे लक्खी शाह बंजारा हाल गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में की जाएगी। सहज पाठ लगातार जारी रहेगा और गुरु गोविंद साहिब के शहीदी पर्व वाले दिन 25 नवम्बर को गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में एक साथ भोग द्वारा समापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन संगत के घरों में गुरु ग्रन्थ साहिब विराजमान हैं वह घरों में बैठकर सहजपाठ से जुड़ सकते हैं। जबकि जिनके पास गुरु ग्रन्थ साहिब नहीं हैं वह कमेटी के कार्यालय में आकर गुरु ग्रन्थ साहिब की सैंचरियां ले सकते हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संजीत उर्फ काली पुत्र** कामेश्वर प्रशाद, **निवास** म. नं. ई-6/12, शाहबाद डेयरी, दिल्ली ने **FIR. No. 249/15 U/s 457/380/34 IPC. थाना: मॉडल टाउन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **संजीत उर्फ काली** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **संजीत उर्फ काली** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR. No. 249/15 U/s 457/380/34 IPC. थाना: मॉडल टाउन, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **संजीत उर्फ काली** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार हिमान्शु सेहलोथ
एलडी. जेएमएफसी-03, कमरा नं.-213
रोहणी कोर्ट, दिल्ली

DP/4399/NW/2025
(Court Matter)

सोशल मीडिया मंच एक्स पर आतिशी ने तस्वीरों को किया शेयर

आतिशी का आरोप : सारा सरकारी काम संभाल रहे हैं सीएम के पति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता के पति मनीष गुप्ता की एक बैठक की तस्वीरों को सोशल मीडिया मंच एक्स पर शेयर कर लिखा कि सारा सरकारी काम उनके पति संभाल रहे हैं। आतिशी ने सीएम के पति की तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा कि यह फोटो ध्यान से देखिए। जो व्यक्ति एमसीडी, डीजेबी, पीडब्ल्यूडी और डूसिब के अफसरों की मीटिंग ले रहे हैं, यह दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा

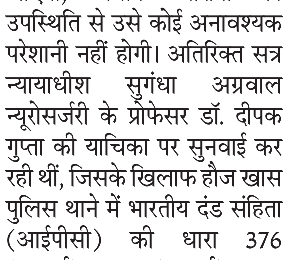

गुप्ता के पति मनीष गुप्ता हैं। हम पहले सुनते थे कि अगर गांव में एक महिला सरपंच चुन कर आती थी, तो सारा सरकारी काम उसका पति संभालता था। ऐसा कहा जाता था कि गांव की महिलाओं को सरकारी काम संभालना नहीं आता, इसलिए काम 'सरपंच-पति' संभालेंगे। लेकिन इस प्रथा का विरोध हुआ, महिला सरपंचों को ट्रेनिंग देने की शुरुआत हुई कि वे अपनी जिम्मेदारी संभाल सकें। लेकिन देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ होगा कि एक महिला मुख्यमंत्री बनी और सारा सरकारी काम उनके पति संभाल रहे हैं। क्या रेखा गुप्ता को सरकारी काम संभालना नहीं आता? क्या इसी वजह से दिल्ली में रोज लंबे-लंबे पॉवर कट हो रहे हैं? क्या रेखा गुप्ता से बिजली कंपनियां नहीं संभल रहीं? क्या इसी वजह से प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ रही है? क्या रेखा गुप्ता से शिक्षा विभाग नहीं संभल रहा? एक मुख्यमंत्री-पति का सरकार चलाना बेहद खतरनाक है।

आतिशी खुद एक असफल और कामचोर सीएम साबित हुईं : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने नेता विपक्ष आतिशी के द्वारा सोशल मीडिया मंच पर एक्स पर किए गए ट्वीट पर रिट्वीट करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कार्य और मेहनत देखकर आतिशी का बिलबिलाना जायज है क्योंकि आतिशी खुद एक असफल और कामचारे सीएम साबित हुईं। मंत्री कपिल मिश्रा ने एक्स पर लिखा कि आतिशी, आप एक ऐसी खराब सीएम थी कि सीएम की कुर्सी पर भी नहीं बैठ पा रहीं थी। शराब के घोटाले में जेल में बंद एक भ्रष्टाचारी के नाम की खाली कुर्सी आपको सीएम दफ्तर में रखनी पड़ती थी। सीएम रेखा गुप्त के कार्य और मेहनत को देखकर आपका बिलबिलाना जायज है क्योंकि आप खुद एक असफल और कामचोर सीएम साबित हुईं। बिलबिलाते रहो आपियो।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी शिव सागर, पुत्र:** मोहन लाल **पता:** एफ–ब्लॉक 3/8 डीएसआईडीसी मंगोलपुरी, **दिल्ली FIR No. 431/2022, U/s: 160 IPC, पुलिस थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शिव सागर,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शिव सागर,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **शिव सागर, FIR No. 431/2022, U/s: 160 IPC, पुलिस थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.05.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
रीतिका जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
उत्तर–पश्चिम न्यायालय संख्या नं. 105
रोहिणी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/4425/OD/2025
(Court Matter)

खबर संक्षेप

भाजपा सरकार बिजली कंपनियों को नियंत्रित करने में विफल : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रेखा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिजली कंपनियों पर नियंत्रण करने में विफल रहने का खामियाजा लोगों को बार बार बिजली कटौती के रूप में भुगतना पड़ रहा है। भीषण गर्मी से पहले ही दिल्ली में पावर कट ने परेशान करके रख दिया है। रोजाना घंटो बिजली गुल ने साबित कर दिया कि रेखा गुप्ता की सरकार भी केजरीवाल सरकार की तरह हर मोर्चे पर विफल हो रही है। वहीं इनके बिजली मंत्री विधानसभा में बिजली दर बढ़ाने के लिए बयान दे चुके है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार का बिजली कम्पनियों को 27000 करोड़ बकाया है। यादव ने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि कहीं बिजली कम्पनियों को फायदा पहुंचाने के लिए बिजली कट पर सरकार ने चुप्पी तो नही साध रखी है। यादव ने कहा कि दिल्ली की जनता जानती है कि आम आदमी पार्टी और भाजपा की कार्यशैली में कोई अंतर नही है।

युवा कांग्रेस ने बढ़े हुए डीजल, घरेलू गैस के दाम को लेकर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों के खिलाफ शनिवार को केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अगुवाई राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में किया गया। इस बारे में दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की नीति अपनों पर सितम, गैरों पर रहम करना है। क्या केंद्र सरकार टैरिफ का जवाब इस प्रकार से सरकारी लूट मचा कर देगी। उन्होंने कहा कि पूरे देश में आज उदासी का माहौल है और चारों तरफ अंधेरा छाया हुआ है। स्टॉक मार्केट, महंगाई, बेरोजगारी के हालात देखिए कि पीएम नरेंद्र मोदी से अर्थव्यवस्था संभल नहीं पा रही।

भारत सरकार के एपीएमएस मॉडल का उपयोग करेगी दिल्ली विधानसभा : गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) के ऑडिट पैराग्राफ की प्रभावी निगरानी के लिए भारत सरकार के ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग सिस्टम (एपीएमएस) सॉफ्टवेयर का उपयोग करने का निर्णय लिया है। शनिवार को यह जानकारी देते हुए दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस संबंध में शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसमें दिल्ली सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) डॉ. आशीष चंद्र वर्मा को एपीएमएस लागू करने के लिए निर्देश दिए गया। इस दिशा में डॉ. वर्मा ने भारत सरकार की अतिरिक्त सचिव (व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय) परमा सेन को पत्र लिखकर दिल्ली सरकार के लिए एपीएमएस के उपयोग की अनुमति मांगी थी। इसके उत्तर में सेन ने आश्वासन दिया कि जब तक दिल्ली सरकार अपनी स्वयं की प्रणाली विकसित नहीं कर लेती, तब तक वह भारत सरकार की एपीएमएस प्रणाली का उपयोग कर सकती है। विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि दिल्ली की महालेखाकार रोली शुक्ला मालगे के प्रयासों से इस प्रक्रिया को गति मिली है। उनके कुशल समन्वय से भारत सरकार और दिल्ली सरकार के बीच इस सॉफ्टवेयर को अपनाने की दिशा में सहमति बनी।

रेखा गुप्ता ने सड़क पर रोटी फेंकते देख व्यक्ति की कार रुकवा कर दोबारा ऐसा न करने का किया आग्रह

सीएम ने लोगों से की अपील सड़कों पर ना फेंके खाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को लोगों से सड़कों पर खाना ना फेंकने और सड़कों को सुरक्षित रखने तथा यातायात में व्यवधान से बचने के लिए जानवरों को जिम्मेदारी से खाना खिलाने का आग्रह किया। दरअसल सीएम रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली में भ्रमण के दौरान एक कार सवार व्यक्ति को सड़क पर रोटी फेंकते हुए देखा। जिस पर तुरंत मुख्यमंत्री ने उस व्यक्ति की कार रुकवाई और उससे अनुरोध किया कि वह ऐसा दोबारा न करे। इसके बाद सीएम ने इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया मंच एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि आज राजधानी में भ्रमण के दौरान, मैंने देखा कि एक व्यक्ति ने अपनी कार से रोटी सड़क पर फेंकी, संभवतः गाय को खिलाने के उद्देश्य से। मैंने गाड़ी रुकवाई और उस व्यक्ति से आग्रह किया कि कृपया ऐसा दोबारा न करें। रोटी हमारे लिए केवल भोजन नहीं है, वह हमारी संस्कृति, श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है। सड़क पर रोटी फेंकने से गाय माता और अन्य पशु वहां खाने के लिए आते हैं, जिससे न केवल उनकी जान को खतरा होता है, बल्कि सड़क पर चल रहे लोगों और वाहनों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है। अन्न का अपमान नहीं होना चाहिए। अगर आप पशुओं को भोजन कराना चाहते हैं, तो कृपया यह काम किसी गोशाला या निर्धारित स्थान पर करें। यह हमारी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और संस्कारों की पहचान है। मैं सभी दिल्लीवासियों से अपील करती हूं कि सड़क पर रोटी या कोई भी भोजन न फेंकें। पशुओं को प्यार से, पर जिम्मेदारी के साथ भोजन कराएं। अपनी संस्कृति का सम्मान करें और अपनी सड़कों को सुरक्षित बनाए रखें।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सड़क पर रोटी फेंकने से गायें दुर्घटनाग्रस्त हो सकती हैं और बीच सड़क पर आ सकती हैं। इससे लोगों को भी परेशानी होगी। उन्होंने कहा कि रोटी सिर्फ भोजन नहीं है, यह हमारी संस्कृति, आस्था और सम्मान का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि कुछ सप्ताह पहले जब गायों का एक समूह सड़क पर आ गया था तब उनका काफिला हैदरपुर फ्लाईओवर पर लगभग 15 मिनट तक रुका रहा था। इस दौरान मुख्यमंत्री अपनी कार से उतरी और जानवरों की जांच करने के लिए निर्देश दिए थे।

मानसून से पहले साफ हों सभी नाले : प्रवेश वर्मा

■ जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ किया श्रीनिवासपुरी क्षेत्र में नाले का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मानसून से पहले दिल्ली के सभी नाले साफ हो जाएं इसके लिए दिल्ली की जल मंत्री प्रवेश वर्मा लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को मंत्री प्रवेश वर्मा ने दक्षिणी दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, निगम पार्षद राजपाल सिंह और अधिकारियों साथ श्रीनिवासपुरी क्षेत्र में नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जल मंत्री ने अधिकारियों को एक सप्ताह में नाले की सफाई शुरू करने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने देखा कि श्रीनिवासपुरी क्षेत्र का यह नाला पूरी तरह भर चुका है, पिछली सरकार की लापरवाही से कोई डीसिल्टिंग नहीं हुई, जिससे यहां भारी जलभराव होता रहा हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि एक हफ्ते में वर्क ऑर्डर जारी कर सफाई शुरू की जाए और हर स्टेप की वीडियो रिकॉर्डिंग हो।

वहीं मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली के सभी नालों की मानसून से पहले सफाई हो जाए इसलिए हम रोज कहीं न कहीं जाकर निरीक्षण कर रहे हैं, चाहे वहां का विधायक आम आदमी पार्टी का हो या भाजपा का हमें इससे फर्क नहीं पड़ता, हमारा लक्ष्य अटल हैं, दिल्ली कि जनता की परेशानियों का हल करना। हमें अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि एक महीने में दिल्ली के सभी नालों की सफाई हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, 10 अप्रैल को दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मंत्री प्रवेश वर्मा के साथ दिल्ली में पूरक नाले का निरीक्षण किया था। दिल्ली सरकार ने बाढ़ एवं सिंचाई विभाग को नालों की समय पर सफाई सुनिश्चित करने की विशेष जिम्मेदारी सौंपी है।

नाला साफ न होने से श्री गुरु तेग बहादुर स्मारक के सामने भरा पानी

दया राम ⏭ नई दिल्ली

■ दो मंत्रियों ने किया था निरीक्षण

दिल्ली सरकार का कोई स्कूल, संस्थान और स्मारक आदि अपने परिसर के अंदर चाहे कितना ही खूबसूरत, आलीशान, सुविधा और सौंदर्यकरण से सम्पन्न ही क्यों ना हो लेकिन उसके प्रवेश द्वार पर यदि जलभराव है और नियमित रूप से सफाई नहीं होती है तो सरकार की उपलब्धियां व उस परिसर के अंदर की विशेषताएं, सुविधाएं आदि नागरिकों, पर्यटकों आदि तक नहीं पहुंच पाती है। ऐसा ही एक मामला शनिवार को दिल्ली सरकार के दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) के अंतर्गत आने वाले श्री गुरु तेग बहादुर स्मारक परिसर के सामने से आया है। बता दें कि शुक्रवार को कुछ ही देर हुई बारिश के बाद यहां स्मारक के मुख्य प्रवेश द्वार पर पिछले वर्ष की तरह जलभराव हो गया है और यहां आने वालों को अंदर जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं बता दें कि बीते मंगलवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने इस स्मारक का निरीक्षण किया था और इस दौरान आम आदमी पार्टी (आप) की पिछली सरकार पर इसकी उपेक्षा के आरोप लगाते हुए कहा था कि आप सरकार की अनदेखी के चलते इस स्मारक की हालत दयनीय हो गई है और सरकार की इस महत्वकांक्षी परियोजना को आप सरकार संभाल नहीं पाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर फ्लाइओवर बनने और मार्ग का विस्तार होने के बाद यहां स्मारक के साथ बड़े नाले में मिट्टी और कचरा भरा हुआ हुआ है और सफाई नहीं होने से पानी आगे नहीं जा पाता है जिसके चलते स्मारक और सिंघू गांव मोड़ पर हल्की सी बारिश में ही जलभराव हो रहा है।

कई वर्षों से बंद पड़ा है लाइट एंड साउंड शो : सिरसा

मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि एक समय यहां का लाइट एंड साउंड शो इस स्मारक की खास पहचान हुआ करता था, लेकिन अफसोस की बात है कि यह कई वर्षों से बंद पड़ा है। उन्होंने कहा कि हम इस स्मारक को इस प्रकार विकसित करना चाहते हैं, जिससे पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश जैसे नजदीकी राज्यों से आने वाले पर्यटक व दर्शनार्थी यहां रुकें और श्री गुरु तेग बहादुर के त्याग, बलिदान और सिख परंपरा के गौरव को देखें व समझें।

टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनेगा यह स्मारक : कपिल

यहां निरीक्षण के दौरान पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा था कि यह स्मारक एक कल्चरल और स्पिरिचुअल सेंटर बनना चाहिए। हम यहां लेज़र शो, कल्चरल परफॉर्मेंस, हेरिटेज टूर और विज़टिर की सुविधा को अपग्रेड करने जैसे कई पहल की शुरुआत करेंगे, ताकि यह एक प्रमुख धार्मिक और टूरिस्ट डेस्टिनेशन बने। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने आगे कहा कि इस स्मारक के रखरखाव में किसी प्रकार की कमी नहीं होगी। दिल्ली सरकार इस स्मारक को इस प्रकार विकसित करेगी की दिल्ली के लोग गौरवान्वित महसूस करेंगे।

रेखा गुप्ता ने बुनियादी ढांचे पर जानकारी के लिए निगरानी प्रकोष्ठ के गठन का दिया निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शहर में बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यों की नियमित जानकारी के लिए निगरानी प्रकोष्ठ के गठन सहित कई निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल ही में शीर्ष अधिकारियों और सरकारी विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक में उन्होंने विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं और कार्यक्रमों पर उनसे साप्ताहिक रिपोर्ट भी मांगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से सहयोग और समर्थन मांगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकार अपने लक्ष्य हासिल कर सके क्योंकि लोगों को सरकार से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नौकरशाही लोगों के लिए काम करते हुए उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेगी। अधिकारी ने बताया कि सीएम गुप्ता ने मुख्य सचिव धर्मेंद्र को निर्देश दिया कि वे अपने अधीन एक निगरानी प्रकोष्ठ स्थापित करें, ताकि बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी को मजबूत किया जा सके और मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को नियमित जानकारी दी जा सके। दिल्ली सरकार के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को लक्ष्य निर्धारित करने और समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के लिए समय सीमा तय करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी कार्य में बजटीय सीमाएं कोई समस्या नहीं होंगी, तथापि उन्होंने आवंटित धनराशि के बेहतर उपयोग पर जोर दिया।

एमसीडी ने किया कुतुब मीनार में हेरिटेज वॉक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के विरासत प्रकोष्ठ ने शनिवार शाम कुतुब मीनार पर हेरिटेज वॉक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम आयुक्त अश्वनी कुमार, अतिरिक्त आयुक्त, पंकज नरेश अग्रवाल, ज़ोन उपायुक्त, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, इतिहासकार और बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। हेरिटेज वॉक के दौरान, दिल्ली नगर निगम आयुक्त अश्विनी कुमार ने कुतुब मीनार की विभिन्न संरचनाओं की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक महत्व की सराहना की। अश्वनी कुमार ने लोगों और उनके शहर के बीच गहरा संबंध बनाने में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया। इस हेरिटेज वॉक में पचास से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस वॉक में प्रतिभागियों को दिल्ली सल्तनत के शासकों की कला व कुतुब मीनार और उसके आसपास के स्मारकों के समृद्ध इतिहास से अवगत कराया गया।

प्रतिभागियों ने मध्यकाल के दौरान स्मारक के निर्माण में इस्तेमाल की गई जटिल डिजाइन और वास्तुकला के बारे में जाना। यह पहल दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के निगम के चल रहे प्रयासों का हिस्सा थी। दिल्ली नगर निगम के विरासत प्रकोष्ठ के इन आयोजनों का उद्देश्य शहर के ऐतिहासिक स्थलों और स्मारकों के प्रति जागरुकता को बढ़ावा देना है। दिल्ली नगर निगम का कहना है कि इस तरह की पहल के माध्यम से शहर के सांस्कृतिक खजाने के लिए नागरिकों में गर्व और स्वामित्व की भावना पैदा होगी।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में भंडारे का हुआ आयोजन

विकास के लिए स्वयं में लाना होगा हनुमान जी का अंश : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रभु श्री राम के भक्त श्री हनुमान जी ऐसे सेवक थे जो हर वक्त उनके कार्य के लिए तत्पर रहते थे। इसलिए अगर दिल्ली का विकास करना है तो हम सब को हनुमान का अंश लाना पड़ेगा ताकि अपनी मातृभूमि की सेवा करने और इसका विकास करने का एक दृढ़ संकल्प मिल सके। दोपहर लगभग 2 बजे दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ कनॉट प्लेस स्थित श्री प्राचीन हनुमान मंदिर में हनुमान जी के दर्शन के बाद यह संबोधन दिया। इस दौरान उन्होंने दिल्लीवासियों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए सुख समृद्धि मांगी। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में अब लगातार हमें सेवा भाव के साथ कार्य करना पड़ेगा। भाजपा की सरकार दिल्ली वालों से किए गए हर वायदों को पूरा करेगी।

नई दिल्ली। पालम 360 खाप द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शामिल हुई। खाप अध्यक्ष सुरेंद्र सोलंकी ने इस मौके पर दिल्ली देहात की समस्याओं को दूर करने तथा विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया।

सचदेवा ने कहा कि हमें लगता है कि आने वाले समय में हम दिल्ली को एक विकसित राजधानी बनाने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में दिल्ली भी विकसित राजधानी बनेगी।

बता दें कि इससे दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा एवं संगठन महामंत्री पवन राणा ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय के बाहर हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भंडारे में प्रसाद वितरण किया और दिल्ली की जनता के उत्तम स्वास्थ्य और सुखद जीवन की कामना की।

जगह-जगह हुआ सुंदर कांड भजन कीर्तन

नई दिल्ली। भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त महावीर हनुमान के जन्मोत्सव को भक्ति भाव में डूबे दिल्ली वालों ने धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर दिल्ली के अधिकांश हनुमान मंदिरों में सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं की लंबी लंबी लाइनें लग गई। जबकि जगह जगह श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड का पाठ, संगीतमय भजन कीर्तन का आयोजन किया और कई प्रकार के व्यंजनों का प्रसाद रूप में वितरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने करोल बाग स्थित संकट मोचन धाम, सिद्ध हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। हनुमान जी से आर्शीवाद लेकर सीएम रेखा ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं दिल्ली की मुख्यमंत्री होने के नाते अनेक कार्यक्रमों में सम्मिलित होने वाली हूं। मैं दिल्लीवासियों के सुख-दुख में खड़ी हूं। हमें मिलकर दिल्ली को बेहतर बनाना है। आज मैंने यही कामना की है कि हम दिल्ली की जनता की आशाओं को पूरा करें। इस अवसर पर प्राचीन मरघट वाले हनुमान मंदिर, पांडव कालीन कनॉट प्लेस हनुमान मंदिर, शादीपुर मेट्रो स्टेशन के नजदीक सिद्धपीठ पंचमुखी हनुमान मंदिर, बालाजी बाबोसा मंदिर रोहिणी, प्राचीन हनुमान मंदिर चाणक्यपुरी के अलावा प्रसिद्ध सिद्ध पीठ श्री सीताराम संत सेवा मंदिर एवं गौशाला चन्दू पार्क पुरानी अनारकली में इस वर्ष राष्ट्र रक्षा दिवस के रूप में मनाया गया और संकट मोचन हनुमान जी का अलौकिक श्रृंगार किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महात्यागी खालसा के महंत एवं महामंडलेश्वर श्री राम गोविंद दास महात्यागी महाराज ने बताया कि हनुमान जी के जन्मोत्सव पर सिद्ध पीठ में प्रभातवेला में चोला चढ़ाने के बाद 251 किलो लड्डुओं का भोग लगाया गया। इस सुअवसर पर संगीतमय श्री सुंदरकांड जी के पाठ एवं श्री राम नाम संकीर्तन का भी भव्य आयोजन किया गया।

2 शूटरों सहित अब तक 4 को दबोचा

फायरिंग और डकैती की घटना को अंजाम देने वाले गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सूरजकुंड क्षेत्र में शराब के ठेके के पीछे बने गोदाम पर फायरिंग कर डकैती की वारदात को अंजाम देने के मामले में अपराध शाखा सेक्टर 30 ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि प्रदीप शिकायत में बताया कि 18 मार्च को सुबह मोहित व चन्द्रप्रकाश जब सूरजकुंड शराब ठेके के पीछे बने गोदाम पर कैश जमा करवाने आए थे, तभी वहां कुछ लड़के जिनके हाथ में पिस्टल व रिवाल्वर

थी, जिन्होंने आते ही फायरिंग शुरू कर दी, इस दौरान मोहित व चन्द्रप्रकाश को गोली लगी तथा ठेका पर काम करने वाले सोनू व पकंज को भी गंभीर चोटें आई। जिसके बाद बदमाश गोदाम के गल्ला से 1,60,000 नगद और एक दारू की पेटी लेकर भाग गए।

उन्होंने बताया कि अपराध शाखा सेक्टर 30 की टीम ने आरोपी मनोज गांव सीही व सूरजपाल हाथरस, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है।

वहीं आरोपी सतबीर/ अमन जिला हाथरस उत्तर प्रदेश हाल प्रहलादपुर, दिल्ली व सचिन निवासी गांव पिलुआ जिला सहजानपुर उत्तरप्रदेश को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

मामले में सामने आया है कि आरोपी सतबीर फरीदाबाद में वाई फाई लगाने का काम करता था, जिसने पहले गोदाम की रैकी की और फिर वारदात को प्लान किया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही संस्था

मंत्री ने किया कलात्मक प्रदर्शनी का शुभारंभ

यह कलात्मक प्रदर्शनी 12 से 14 अप्रैल तक चलेगी और इसमें सभी छात्राओं ने शिक्षिकाओं के उचित मार्ग द्वारा वर्ष भर में कोर्स से संबंधित कलात्मक सामग्री को विषय वस्तु के आधार पर अपने कार्यों को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

एनआईटी स्थित खजानी वीमेंस वोकेशनल इंस्टीट्यूट में तीन दिवसीय कलात्मक प्रदर्शनी का शनिवार को मुख्य अतिथि खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर संजय चौधरी और सेक्टर-21ए आरडब्लूए प्रधान गजराज नागर भी मुख्य रूप से उपस्थित थे। यह कलात्मक प्रदर्शनी 12 से 14 अप्रैल तक चलेगी और इसमें सभी छात्राओं ने शिक्षिकाओं के उचित मार्ग द्वारा वर्ष भर में कोर्स से संबंधित कलात्मक सामग्री को विषय वस्तु के आधार पर अपने कार्यों को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है।

शिक्षिकाओं के कार्य की सराहना

राजेश नागर ने संस्था के विभागों जैसे अर्लीचाईल्ड हुड एंड केयर एजुकेशन, आर्ट एंड क्राफ्ट, फैंशन डिजाईनिंग, कटिंग टेलरिंग एंड एम्ब्रॉयडर, कंप्यूटर साईंस व ब्यूटी कल्चर का अवलोकन किया तथा अनूठे अंदाज में छठा बिखेर रही कलात्मक कृतियों को देखकर वह गदगद हो गए। उन्होनें छात्राओं तथा शिक्षिकाओं के कार्य की खूब सराहना करते हुए कहा कि खजानी वाकई में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। खजानी की एनसीआर और देश के अन्य भागों की शाखाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्किल डेवेलपमेंट और मेक इन इंडिया के सपने को साकार करने में लगी है। जिससे देश की तरक्की में भागीदार बन सके।

खबर संक्षेप

राज नगर एक्सटेंशन में कमर्शियल कॉम्प्लेक्स

गाजियाबाद। राज नगर एक्सटेंशन स्थित नगर निगम की भूमि पर दो करोड़ 25 लाख की लागत से अवस्थापना निधि के

अंतर्गत नगर निगम का कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। शनिवार को महापौर ने शिलान्यास किया। 3 मंजिला इमारत में 2 हॉल, 27 दुकानें, कैफेटेरिया एवं हरियाली होगी।

आशाराम बापू आश्रम में निर्माण शिविर

फरीदाबाद। गांव भांखरी स्थित संत श्री आशाराम बापू आश्रम में विद्यार्थी उज्वल भविष्य निर्माण शिविर के

दूसरे दिन आश्रम संचालक रामा भाई के एवं अहमदाबाद आश्रम से आई वक्ता साध्वी पूनम बहन के सान्निध्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। पूनम बहन ने बच्चों को योग, प्राणायाम सिखाया, हास्य प्रयोग एवं सत्संग दिया। रामा भाई ने भी बच्चों को खान-पान के विषय बताया।

डकैती व हत्या के प्रयास के मामले में 6 गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर 30 की टीम ने 8 अप्रैल को ओल्ड क्षेत्र में हुई लूट व हत्या के प्रयास के

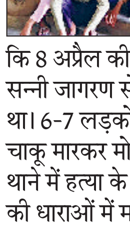

मामले में 6 को गिरफ्तार किया है। 9 अप्रैल को थाना ओल्ड में निरमा देवी ने दी शिकायत में आरोप लगाया कि 8 अप्रैल की रात उसका बेटा सन्नी जागरण से वापस घर आ रहा था। 6-7 लड़कों ने उसके बेटे को चाकू मारकर मोबाइल लूट लिया, थाने में हत्या के प्रयास व डकैती की धाराओं में मामला दर्ज है।

शादी का झांसा देकर युवती से किया रेप

गुरुग्राम। सेक्टर-40 थाना एरिया में शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने का मामला

सामने आया है। युवती ने गर्भवती होने पर उसका गर्भपात कराने का आरोप भी लगाया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। युवती ने आरोप लगाया है कि 9 नवंबर 2023 से एक मार्च 2024 के बीच बिट्टू डागर ने शादी का झांसा देकर उसे होटल बुलाया और उसकी मर्जी के बिना उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

चोरी के आरोपी को अपराध शाखा ने किया काबू

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने घर में चोरी के मामले में आरोपी अरूण को

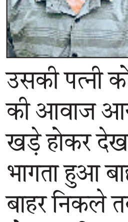

गिरफ्तार किया है। रंजित कुमार ने शिकायत में बताया कि वह परिवार सहित अपने कमरे में सोया हुआ था। उसकी पत्नी को दरवाजा खुलने की आवाज आयी और जब उसने खड़े होकर देखा तो कमरे से कोई भागता हुआ बाहर निकला। जब वो बाहर निकले तब तक चोर मोटरसाइकिल लेकर भाग गया था।

अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को पहले ही किया जा चुका है गिरफ्तार

फर्जी बिल के जरिए राशि गबन करने का मामला

आर्थिक अपराध शाखा एनआईटी ने तीन और आरोपियों को किया गिरफ्तार

अनुसंधान के दौरान वर्ष 2016 से 2019 के बीच के लगभग 200 बिल तस्दीक किए गए। जिसमें पाया गया कि ये बिल फर्जी बनाए गए थे और इन बिल के माध्यम से करीब 90 लाख रुपए का गबन किया गया

फर्जी बिल के माध्यम से 11.66 लाख रुपए से अधिक का गबन

आरोपियों को पूछताछ के लिए पुलिस ने एक दिन के रिमांड पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

आर्थिक अपराध शाखा एनआईटी द्वारा फर्जी बिल के माध्यम से राशि गबन करने के मामले में गढवाल सभा फरीदाबाद के तीन और पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मामले में जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2023 में कार्यालय जिला रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज़ फरीदाबाद से प्राप्त शिकायत पर थाना कोतवाली में फरीदाबाद की गढवाल सभा के पदाधिकारियों के विरुद्ध गबन करने के मामले में अभियोग पंजीकृत किया गया था। जिसमें आरोप लगाए गए थे कि सभा के पदाधिकारियों द्वारा पद का दुरुपयोग करते हुए गढवाल सभा की राशि का गबन किया गया है। जिसपर अभियोग का अनुसंधान आर्थिक अपराध शाखा एनआईटी द्वारा किया गया। अनुसंधान के दौरान वर्ष 2016 से 2019 के बीच के लगभग 200 बिल तस्दीक किए गए। जिसमें पाया गया कि ये बिल फर्जी बनाए गए थे और इन बिल के माध्यम से करीब 90 लाख रुपए का गबन किया गया।

आरोपी सुरेंद्र रावत 2016 से 2019 तक महासचिव के पद पर नियुक्त रहा

उन्होंने आगे बताया कि आर्थिक अपराध शाखा की टीम द्वारा सुरेंद्र रावत निवासी जवाहर कॉलोनी फरीदाबाद, गणेश नेगी निवासी एसजीएम नगर फरीदाबाद व राजेंद्र रावत निवासी बाबा सूरदास कॉलोनी तिलपत फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सुरेंद्र रावत वर्ष 2016 से 2019 तक गढ़वाल सभा में महासचिव के पद पर नियुक्त रहा, जिसके द्वारा फर्जी बिल के माध्यम से 11.66 लाख रुपए से अधिक की राशि का गबन किया गया। वहीं राजेंद्र रावत द्वारा वर्ष 2016 से 2019 तक उप कैशियर के पद पर सभा में कार्य किया गया, जिसके द्वारा साढे 5 लाख से अधिक रुपए की राशि के फर्जी बिल के माध्यम से गबन किया गया। इसी प्रकार गणेश नेगी ने वर्ष 2016 से 19 तक के बीच लगभग ढाई लाख रुपए की राशि का गबन किया। आरोपियों को अधिक पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

भारत सेवा प्रतिष्ठान की परिचर्चा में रखे विचार

चहुंमुखी विकास पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल का जोर

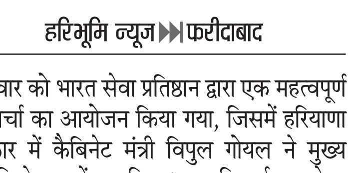

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शनिवार को भारत सेवा प्रतिष्ठान द्वारा एक महत्वपूर्ण परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस परिचर्चा का उद्देश्य फरीदाबाद के समग्र विकास को लेकर संवाद स्थापित करना था। इस दौरान शहर से जुड़े प्रमुख मुद्दों जैसे सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन, बिजली व्यवस्था, स्वच्छता, सड़क विकास, पर्यावरण संरक्षण और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

विकास में एक सकारात्मक भूमिका निभाता है संवाद

गोयल ने कहा कि भारत सेवा प्रतिष्ठान द्वारा इस प्रकार की परिचर्चा का आयोजन एक बेहद सार्थक प्रयास है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त करता है, बल्कि प्रशासन और समाज के बीच सीधा संवाद स्थापित कर फरीदाबाद के विकास में एक सकारात्मक भूमिका निभाता है।

सुझावों को विभागों तक पहुंचाया जाएगा

उन्होंने यह भी कहा कि जनता से प्राप्त सुझावों को संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाएगा और उन पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि वर्तमान में शहर में कई परियोजनाएं प्रगति पर हैं और भविष्य की योजनाओं के लिए यह संवाद मंच एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने भी बैठक में विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी साझा की और नागरिकों की समस्याओं को सुना। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निगम प्रशासन जनहित से जुड़े कार्यों में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। इस आयोजन के माध्यम से भारत सेवा प्रतिष्ठान ने न केवल शहर के विकास को लेकर गंभीरता दिखाई, बल्कि एक मजबूत नागरिक प्रशासनिक साझेदारी का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। बैठक में उत्साह और भागीदारी बताता है कि फरीदाबाद के नागरिक अपने शहर को एक विकसित और उत्कृष्ट नगर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पुलिस की गोली से दो घायल हो गए

होंडा सिटी कार से भाग रहे गो तस्कर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में शुक्रवार की रात में मुठभेड़ के दौरान चार गौ तस्करों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की तरफ से

चलाई गई गोली से दो गौ तस्कर घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। चारों ही गौ तस्कर मेरठ जिले के रहने वाले हैं और पिछले दिनों निवाड़ी थाना क्षेत्र में गौकशी की घटना को इन्होंने अंजाम देने का स्वीकार किया है। एक और खास बात यह है कि इनका एक साथी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। चारों ही होंडा सिटी कर में कहीं जा रहे थे। तभी पुलिस ने उनकी घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया ।

एक अंधेरे का फायदा उठा कर मौके से फरार

एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि शुक्रवार की रात में थाना निवाडी पुलिस द्वारा अपराध रोकथाम के लिए एमपी सिखैडा सारा रोड पर गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान गौकशी करने की फिराक में होंडा सिटी कार में मौजूद 5 अपराधियों की घेराबंदी की गई। अपने आप को घिरता देखकर इन अपराधियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। जिसमें दो बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए। जबकि दो अन्य गौ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। उनका अन्य एक साथी अंधेरे का फायदा उठा कर मौके से फरार हो गया।

आग लगने का कारण पता नहीं चल पाया

आग लगने से सचिवालय में खड़ी 15 गाड़ियां जली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

लघु सचिवालय में खड़ी गाड़ियों में आग लगने से 15 गाड़ियां जलकर राख हो गई। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया जिन्होंने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस घटना में करीब 15 गाड़ियां पूरी तरह से जलकर राख हो गई जबकि 10 गाड़ियों को दमकल विभाग द्वारा जलने से बचा लिया गया। दमकल अधिकारी अजमेर राठी के मुताबिक लघु सचिवालय में खड़ी यह ऑफ रोड गाड़ियां हैं। समय सीमा खत्म होने के बाद आरटीओ विभाग द्वारा इन गाड़ियों को मालखाने में जब्त किया हुआ था। आज दोपहर को तीन बजे अचानक इन गाड़ियों से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग की लपटे उठने लगी।

मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया गया

प्राथमिक तौर पर उन गाड़ियों को बचाया गया जो आग के नजदीक थी और उन्हें बचाया जा सकता था। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारण पता नहीं लग पाए हैं। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि आखिर आग कैसे लगी। फिलहाल आग पर पूरी तरह से काबू किया जा चुका है।

कॉलेज में एलुमनाई मीट दोस्त 4.0 का आयोजन

400 से अधिक पूर्व छात्र हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

डीपीजी डिग्री कॉलेज में एलुमनाई मीट दोस्त 4.0 का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसमें कॉलेज के कला, वाणिज्य, विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान से 400 से अधिक पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कॉलेज की कल्चरल कमिटी और डिसिप्लिन कमिटी ने अहम भूमिका निभाई। कॉलेज के चेयरमैन राजेन्द्र गहलोत, वाइस चेयरमैन दीपक गहलोत,

प्रिंसिपल डॉ. एस. एस. बोकन, रजिस्ट्रार अशोक गोगिया, डीन अकादमिक डॉ. धर्मवीर सिंह, पालीटेक्निक डीन यशपाल यादव और डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. माधवी और डॉ. पायल महाजन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

शिक्षा संस्थानों की समृद्ध विरासत को दर्शाते हैं

कॉलेज के चेयरमैन राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि पूर्व छात्रों का पुनः इस संस्थान में लौटकर आना हमारे लिए गर्व की बात है। ऐसे आयोजन हमारे शिक्षा संस्थानों की समृद्ध विरासत को दर्शाते हैं। वहीं दीपक गहलोत ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे एलुमनाई भविष्य में भी कॉलेज के साथ जुड़ें और अपने अनुभवों से वर्तमान छात्रों को मार्गदर्शन दें साथ ही कॉलेज में हो रहे बदलावों को देखते हुए अपने सुझाव भी दें। डीपीजी डिग्री एलुमनाई एसोसिएशन की अध्यक्षा निधि जैन ने सभी एलुमनाई का स्वागत किया और कहा की पूर्व छात्र छात्राओं ने कॉलेज में बड़ी संख्या में उपस्थित हो कर कॉलेज के प्रति अपने लगाव को जाहिर किया है जिसके लिए वो सभी का आभार व्यक्त करती हैं साथ ही उन्होंने सभी पूर्व विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा करने को भी कहा।

शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में एक मजबूत कदम

डॉ. एस. एस. बोकेन ने कहा कि यह दिन हमारे लिए बहुत खास है, क्योंकि यह हमारे छात्रों के कॉलेज से जुड़ाव को दर्शाता है। 'दोस्त 4.0' न केवल यादों को ताजा करता है, बल्कि एक सशक्त एलुमनाई नेटवर्क की नींव भी रखता है। कॉलेज के रजिस्ट्रार अशोक गोगिया ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पूर्व छात्रों की भागीदारी से न केवल संस्थान को ऊर्जा मिलती है, बल्कि यह शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में एक मजबूत कदम होता है।

1101 ध्वजों की विशाल निशान यात्रा रही विशेष आकर्षण

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया हनुमान जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शहर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री संकट मोचन हनुमान मंडल, कैली धाम में इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव अत्यंत भक्ति, श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। यह आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी पूरे धार्मिक विधि-विधान और जनसमूह की भागीदारी के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के संरक्षक मंडल के प्रमुख सदस्य वीएस चौधरी, अरुण बजाज, प्रेम प्रकाश गुप्ता, ओपी भरतीया एवं संस्था के अध्यक्ष पारसमल द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। संरक्षक मंडल के सदस्यों ने कहा कि कलियुग में हनुमान जी ही एकमात्र ऐसे देव हैं जो जागृत देवता के रूप में पूजे जाते हैं। जो भी भक्त सच्चे मन से उनका स्मरण और सेवा करता है, उसकी हर प्रकार की समस्या समाप्त हो जाती है। हनुमान जी का जीवन समर्पण, शक्ति, भक्ति और सेवा का प्रतीक है।

भक्तगणों ने हाथों में ध्वज लेकर जय बजरंगबली के जयकारे लगाए

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 1101 ध्वजों की विशाल निशान यात्रा रही, जो शहर के प्रमुख मार्गों से निकलते हुए मंदिर परिसर तक पहुंची। इस शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्मिलित हुए। भक्त गण हाथों में ध्वज लेकर जय बजरंगबली के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। यात्रा के दौरान मार्गों पर फूल वर्षा भी की गई, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। मंदिर पहुंचकर सभी श्रद्धालुओं ने हनुमान जी को निशान चढ़ाकर अपनी आस्था प्रकट की।इसके पश्चात भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पाठ में पवन जोशी, मुकेश वर्मा, घीसाराम खंडेलवाल, प्रफुल्ल शर्मा, देवचंद सैनी, शंभुनाथ पांडे, हनुमान प्रसाद, नरेश, रमेश, अरविंद शर्मा, ललित गर्ग, दीपक वर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और सुंदरकांड पाठ का श्रवण किया। सुंदरकांड पाठ के उपरांत हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ हुआ। कार्यक्रम की भक्ति संध्या में भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें कैलाश नाथ के सानिध्य में भजन प्रवाहक गुलाब नाथ, योगेश तिवारी और मनीषा सैनी जैसे प्रसिद्ध भजन गायकों ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। राम नाम का प्याला पी ले, बजरंगबली की जय हो, जैसे भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। पूरा वातावरण भक्तिमय और संगीतमय हो गया। मंच संचालन घनश्याम आहूजा ने किया।

गैस मूल्य वृद्धि के विरोध में यूथ कांग्रेस का कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन

गाज़ियाबाद। घरेलू गैस, पेट्रोल और डीजल की मूल्य वृद्धि के विरोध में यूथ कांग्रेस का कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री सतीश शर्मा ने केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि इस सरकार के कार्यकाल में महंगाई ने सभी रिकार्ड तोड़ दिए है। अब जनता इस सरकार को बख्शेगी नहीं। इससे पहले कांग्रेसी एकत्रित होकर जीटी रोड पर पदयात्रा कर जिला मुख्यालय तक पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने जिला अधिकारी के माध्यम से देश के राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी सौंपा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मनीश उर्फ विनय पुत्र** जसवंत सिंह **निवास** सी-1/24, बुध विहार फेज़-1, थाना मंगोलपुरी ने **FIR. No. 528/20 U/s 188 IPC. थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मनीश उर्फ विनय** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मनीश उर्फ विनय** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **FIR. No. 528/20 U/s 188 IPC. थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मनीश उर्फ विनय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.06.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार रितिका जैन
एलडी. जेएमएफसी, कमरा नं. 105
NW रोहणी कोर्ट, दिल्ली

DP/4639/OD/2025
(Court Matter)

खबर संक्षेप

गेहूं बेचने अन्नदाताओं को सत्यापन की बाध्यता नहीं

लखनऊ। योगी सरकार ने रबी सीजन के गेहूं खरीद अभियान के बीच किसानों के हित में एक और बड़ा फैसला लिया है। अब किसानों को 100 कुंतल से अधिक गेहूं बेचते समय सत्यापन की अनिवार्यता से गुजरना नहीं पड़ेगा। इससे गेहूं बेचने में हो रही दिक्कतों का समाधान हो गया है। यह निर्णय किसानों को लाभ समय पर दिलाने और खरीद प्रक्रिया को सरल बनाने की दिशा में संवेदनशील पहल है।

जीतन मांझी ने पूर्णिया की विस पर ठोंका दावा

पूर्णिया। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भले ही अभी एनडीए में सीट बंटवारा न हुआ हो। लेकिन केंद्रीय मंत्री और हम के संरक्षक जीतनराम मांझी ने सीटों को लेकर दावा ठोंक दिया। साथ ही पूर्णिया की कस्बा विधानसभा सीट पर प्रत्याशी के नाम का ऐलान भी कर दिया है। उन्होने कहा कि जब एनडीए में सीटों पर बात होगी तो पूर्णिया जिले की कस्बा सीट निश्चित तौर पर हम को ही मिलेगी। क

झारखंड में 1.44.000 बोतल विदेशी शराब जब्त

पलामू। झारखंड में पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। एक ट्रक में भरकर ले जाई जा रही अवैध विदेशी शराब बरामद की गईं। ट्रक में 1200 कार्टन रखे थे, जिनमें विदेशी शराब की 144000 बोतलें थीं। इन्हें तस्करी कर भूटान ले जाया जा रहा था। झारखंड के पलामू जिले में गोवा से तस्करी कर भूटान ले जाई जा रही अवैध विदेशी शराब जब्त की गई।

चौहान ने पटना में वरिष्ठ नेताओं और अधिकारियों के साथ की बैठक

शिवराज ने मधुबनी में होने वाले प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम को लेकर पूरे बिहार में उत्साह का माहौल है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी जब यहां पधार रहे हैं तो बिहारवासियों को आवासों की सौगात भी मिल रही है।

- प्रधानमंत्री मोदी आवास के स्वीकृति पत्र वितरित करेंगे
- नए मकानों में गृह प्रवेश का कार्यक्रम भी होगा

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को पटना में वरिष्ठ नेताओं और अधिकारियों के साथ बैठक कर 24 अप्रैल को पंचायत राज दिवस के अवसर पर मधुबनी में होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने बिहार में ग्रामीण विकास की केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा की। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम को लेकर पूरे बिहार में उत्साह का माहौल है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी जब यहां पधार रहे हैं तो बिहारवासियों को आवासों की सौगात भी मिल रही है।

स्वीकृत मकानों की लागत 8 हजार करोड़

चौहान ने बताया कि जो मकान स्वीकृत हुए हैं, उनकी लागत 8 हजार करोड़ रुपए है। ये राशि गरीब भाई-बहनों को मकान बनाने के लिए मिलेगी और भी अनेकों योजनाएं हैं, जिनमें जो अपना मकान बना चुके हैं हमारे भाई-बहन, उनका गृह प्रवेश का कार्यक्रम भी होगा और बाकी कार्यक्रम भी पंचायत राज्य सम्मेलन के साथ-साथ बनाने की रचना अभी हो रही है।

5 लाख 20 हजार मकानों की देंगे स्वीकृति

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले साल 7 लाख 90 हजार मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बिहार के पात्र भाइयों-बहनों को दिए गए थे, आवास प्लस की जो 2 सूची बनी थी, उसमें से लगभग 5 लाख 20 हजार मकान अभी बचे थे। अब 5 लाख 20 हजार मकान और बिहार के कच्चे मकानों में रहने वाले भाई-बहनों को पक्के मकान बनाने के लिए दिए जाएंगे तो कुल मिलाकर 7-8 महीने में 14 लाख मकान बिहार के हमारे भाई-बहनों को मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री के हाथों जो नए स्वीकृत मकान हैं 5 लाख 20 हजार, उनके स्वीकृति पत्र और जो पहले से स्वीकृत मकान हैं, मकान बनाने के लिए जो अलग-अलग किस्तों में राशि दी जाती है, वो किस्त सिंगल क्लिक के माध्यम से हमारे भाई-बहनों के खाते में डाली जाएगी।

करणी सेना ने लहराई तलवारें-बंदूकें, पुलिस के छूटे पसीने

पुलिस को सपा सांसद के आवास पर जाने की दी चुनौती, रामजी सुमन का घर छावनी में तब्दील

गढ़ी रामी में रक्त स्वाभिमान सम्मेलन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। भगवान टॉकीज चौराहे से एमजी रोड को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। बैरिकेडिंग कर यहां भारी वाहन खड़े कर दिए गए हैं। पुलिस फोर्स भी तैनात है, जिससे सपा सांसद के आवास की ओर कोई भी प्रदर्शनकारी नहीं जा सके।

एजेंसी ▶▶ आगरा

आगरा के एत्मादपुर में राणा सांगा जयंती पर रक्त स्वाभिमान रैली में क्षत्रियों का रैला उमड़ रहा है। हाथों में तलवार और बंदूकों के साथ बड़ी संख्या में इस रैली में हिस्सा लेने के लिए युवा भी पहुंचे हैं। हाईवे की दुकानें बंद करा दी गई हैं। बुलडोजर पुलिस ने जब्त कर लिए हैं। आयोजन स्थल पर अव्यवस्थाएं फैली हुई हैं। पुलिस ड्रोन से भी निगरानी कर रही है।

गढ़ी रामी में रक्त स्वाभिमान सम्मेलन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। भगवान टॉकीज चौराहे से एमजी रोड को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। बैरिकेडिंग कर यहां भारी वाहन खड़े कर दिए गए हैं। पुलिस फोर्स भी तैनात है, जिससे सपा सांसद के आवास की ओर कोई भी प्रदर्शनकारी नहीं जा सके।

अब माफी से काम नहीं चलने वाला

क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा भी गढ़ी रामी में आयोजित रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में शामिल हुए। मंच से उन्होंने कहा कि हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो हम कुछ भी कर सकते हैं। सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान ने क्षत्रिय ही नहीं बल्कि सनातन समाज को ठेस पहुंचाई है। अब माफी से काम नहीं चलने वाला है। उन्होंने करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, सपा सांसद की राज्यसभा सदस्यता समाप्त करने, रामजीलाल सुमन के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने, घायल कार्यकर्ताओं की ओर से मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

सपा के पदाधिकारी किए गए नजरबंद

करणी सेना सम्मेलन के चलते सपा नेताओं को नजरबंद किया गया। पिनाहट के भदरौली स्थित सपा कार्यालय पर पुलिस ने सुबह ही सपा जिला अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत दर्जनों कार्यकर्ता को अपने पहरे में ले लिया।

एमजी रोड पर सन्नाटा, वाहन खड़े कर बंद किया रास्ता- करणी सेना और क्षत्रिय संगठनों की रैली के मद्देनजर एमजी रोड पर सांसद आवास के रास्ते को पूरी तरह बंद कर दिया गया । यहां बैरिकेडिंग के साथ मार्ग को बंद करने के लिए बड़े वाहनों का भी सहारा लिया गया ।

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी भी पहुंची

करणी सेना के रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में शीला सुखदेव गोगामेड़ी भी पहुंची हैं। उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक भी सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे। वह करणी सेना के अध्यक्ष रहे सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी हैं।

कार्यक्रम स्थल पर हेलीकॉप्टर से पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष- रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का पहुंचना जारी है। करणी सेना भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर प्रताप सिंह उर्फ वीरू भैया हेलीकॉप्टर से सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे।

गोआश्रय स्थलों ने दिए रोजगार

16 लाख से ज्यादा बेसहारा गोवंश की सेवा कर रही योगी सरकार

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 में सत्ता संभालने के बाद गोवंश संरक्षण को प्राथमिकता दी है। स्वयं गोपालक योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से प्रदेश में गोवंश संरक्षण को नई दिशा मिली है। अब तक 7713 गोआश्रय स्थलों की स्थापना कर 16,09,557 बेसहारा गोवंश को संरक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत 2,37,369 गोवंश पशुपालकों और किसानों को सौंपे गए, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिला है।

पशुओं के स्वास्थ्य के लिए व्यापक अभियान

योगी सरकार ने गोवंश के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए 14 करोड़ 50 लाख पशुओं का टीकाकरण कराया. इनमें लम्पी रोग से बचाव के लिए 1 करोड़ 92 लाख पशुओं को वैक्सीन दी गई। पशु चिकित्सा सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 1962 की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जो पशुपालकों के लिए वरदान साबित हो रही है।

पशुपालकों के लिए प्रोत्साहन

गोवंश संरक्षण में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना, स्वदेशी गौवंश संवर्धन योजना, और नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत डेयरी स्थापना पर 50% तक अनुदान दिया जा रहा है। साथ ही, डीबीटी के माध्यम से गोआश्रय स्थलों को प्रति गोवंश 50 रुपये प्रतिदिन की दर से धनराशि हस्तांतरित की जा रही है।

जय हनुमान' की जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा

हनुमान जयंती पर पटना के महावीर मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, देखें श्रद्धालुओं की भीड़

एजेंसी ▶▶ पटना

आज हनुमान जयंती है। बिहार समेत पूरे देश के हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। पटना के महावीर मंदिर में भगवान हनुमान की जयंती को लेकर खास तैयारी की गई है। एक दिन पहले ही पूरे मंदिर परिसर को सजा दिया गया था। शनिवार को अहले सुबह महावीर मंदिर के गर्भ गृह का पट खुलते ही 'जय सियाराम', 'रामलला की जय' और 'जय हनुमान' की जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। अवसर पर जिले के सभी प्रमुख हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान हनुमान के दर्शन किए। दोपहर में पुरूषों की भीड़ कम हुई पर महिलाओं की कतार

लगी रही है। शाम चार बजे के बाद फिर भक्तों की काफी भीड़ बढ़ गई। पर मंदिर प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन के लिए व्यवस्था दुरूस्त रखी थी।

सायण कुणाल बोले- हर जरूरी सुविधा की व्यवस्था रखी गई

न्यास समिति के सदस्य और आचार्य कुणाल किशोर के पुत्र सायण कुणाल का कहना है कि भीड़ के बावजूद मंदिर में भक्तों को पूजा अर्चना करने में किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसका ध्यान रखा गया था। भक्तों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। भक्तों के लिए हर जरूरी सुविधा की व्यवस्था रखी गई थी। हनुमान जयंती के मौके पर रात तक करीब 70 से 75 हजार भक्तों ने पूजा की और रात तक करीब नौ हजार किलो नवैद्यम की बिक्री हुई।

स्वयंसेवकों भी तैनाती की गई

पटना में रेलवे स्टेशन के पास स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर के अंदर भीड़ न हो, इसलिए मंदिर के बाहर नैवेद्यम लड्डू के काउंटरों संख्या बढ़ा दी गई। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आस-पास के इलाके में 200 से अधिक

पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल

आंबेडकर की प्रतिमा रखने को लेकर लखनऊ में बवाल

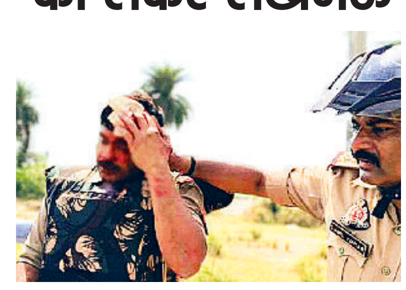

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शनिवार को बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा सरकारी जमीन पर रखने की शिकायत की गई। इसे हटाने के विरोध में लोगों ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। सैकड़ों की संख्या में महिलाएं-पुरुष एकत्र होकर नारेबाजी करने लगीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाने का प्रयास किया तो प्रदर्शनकारियों ने पथराव कर दिया। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं।

घटना बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के मवई खातरी गांव की है। बताया गया कि तीन दिन पहले गांव में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा चोरी छिपे स्थापित कर दी गई। शनिवार की दोपहर 2 बजे बीकेटी, इटौंजा, महिंगवा, मड़ियांव थाने के साथ पीएसी और महिला थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

ग्रामीणों ने प्रतिमा हटाने से मना कर दिया। विरोध पर पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। इसमें महिला थाना प्रभारी मेनका सिंह समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने पांच राउंड टियर गन का प्रयोग किया। हालात काबू करने की कोशिश की जा रही है।

नेता प्रतिपक्ष की चुप्पी कितनी उचित?

वक्फ बिल पर रार

राहुल गांधी के कुछ न बोलने पर भड़कीं पूर्व सीएम मायावती

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

शनिवार को बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस को निशाने पर लिया। वक्फ बिल पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल खड़े किए। संसद में लंबी बहस के दौरान वक्फ बिल पर कुछ न बोलने पर भी राहुल पर हमला बोला।

बसपा सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि वक्फ बिल को लेकर मुसलमानों का गुस्सा होना स्वाभाविक है। वक्फ संशोधन बिल पर लोकसभा में लंबी चर्चा हुई। इसमें नेता प्रतिपक्ष द्वारा कुछ नहीं बोलना कितना उचित है? उन्होंने सीएए की तरह संविधान उल्लंघन का मामला होने के विपक्ष के आरोप के बावजूद चुप्पी साधे रखी। इसे लेकर मुस्लिम समाज में आक्रोश एवं इंडिया गठबंधन में भी बेचैनी स्वाभाविक है।

बसपा सुप्रीमो ने आगे कहा कि वैसे भी देश में बहुजनों के हित, कल्याण एवं सरकारी नौकरी व शिक्षा आदि में इन वर्गों के आरक्षण के अधिकार को निष्प्रभावी एवं निष्क्रिय बनाकर इन्हें वंचित बनाए रखने के मामले में कांग्रेस, भाजपा आदि ये पार्टियां बराबर की दोषी हैं। धार्मिक अल्पसंख्यकों को भी इनके छलावा से बचना जरूरी है।

पेज 1 का शेष

10 विधेयक बिना....

गया था, फिर भी ये बिल मंजूरी के बिना लटके हुए थे। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। राज्य सरकार ने राज्यपाल पर जानबूझकर विधेयकों में देरी करने और विकास को बाधित करने का आरोप लगाया था। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 10 विधेयक बिना राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के कानून बन गए है। इन विधेयकों में राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति पर संशोधित नियम शामिल हैं। स्टालिन सरकार ने इसे भारतीय राज्यों के लिए एक बड़ी जीत बताते हुए अदालत का धन्यवाद दिया है।

कब्जे में ली जाएगी...

को हस्तांतरित करने की मांग की गई है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा (8) और नियम 5(1) के तहत की गई है। इन अचल संपत्तियों को ईडी ने नवंबर 2023 में कुर्क किया था।

राहुल और सोनिया के पास शेयरः धन शोधन का यह मामला एजेएल और यंग इंडियन से जुड़ा हुआ है। नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन एजेएल द्वारा किया जाता है और इसका स्वामित्व यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के पास है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी यंग इंडियन के मेजॉरिटी शेयरधारक हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 38 प्रतिशत शेयर हैं। ईडी का कहना है कि यंग इंडियन और एजेएल की संपत्तियों का इस्तेमाल 18 करोड़ रुपए के फर्जी दान, 38 करोड़ रुपए के फर्जी अग्रिम किराए और 29 करोड़ रुपए के फर्जी विज्ञापनों के रूप में अपराध की आगे की आय अर्जित करने के लिए किया गया।

'आईएमईईसी' के क्रियान्वयन...

संयुक्त रूप से की थी।

द्विपक्षीय, क्षेत्रीय-वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चाः जयशंकर-ताजानी की बातचीत में भारत और इटली के द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की गई। साथ ही दोनों ने सामरिक भागीदारी को ठोस परिणामों के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताई। सहयोग के दायरे में जेएसएपी सहित व्यापार, निवेश, रक्षा-सुरक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और लोगों के संबंध जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि दोनों विदेशों मंत्रियों ने अपनी वार्ता में सहयोग की असीम संभावनाओं वाले अन्य क्षेत्रों जैसे कृत्रिम मेधा (एआई), साइबर, टेलीकॉम, डिजिटल तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैव ईंधन, शिक्षा और युवाओं, व्यवसायियों की गतिशीलता मुख्य हैं। बातचीत में आपसी हितों से जुड़े हुए वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी चर्चा की गई। जयशंकर ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में इटली के निरंतर सहयोग की सराहना की और यूरोपीय देश द्वारा आईएमईईसी के लिए विशेष दूत की नियुक्ति की प्रशंसा की।

आर्थिक गलियारे का महत्वः दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक गलियारा आईएमईईसी एक बड़े सड़क, रेल और बंदरगाह नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। यह परियोजना सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप सहित एशिया, मध्य पूर्व और पश्चिम को आपस में जोड़ेगी। मूलरूप से इस कदम पर नई दिल्ली में पूर्व में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान सहमति बनी थी। भारत, सऊदी अरब, ईयू और यूएई के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

एक बार फिर ठप ....

ट्रांजैक्शन फेल होने की शिकायतें लगातार आने लगीं। आंकड़ों के अनुसार, शाम तक करीब 2 हजार से ज्यादा शिकायतें यूपीआई सर्विस को लेकर दर्ज की गईं। इनमें से गूगल पे पर 150 और पेटीएम पर 125 यूज़र्स ने दिक्कतों की सूचना दी। यूपीआई की तरफ से अभी तक इस समस्या पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन बीते कुछ दिनों में यह लगातार कई बार ठप हो चुका है।

देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ः यूपीआई भारत का सबसे तेज़ और आसान इंस्टेंट पेमेंट सिस्टम है, जो आईएमपीएस इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित है। इसके जरिए यूजर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के कभी भी और कहीं भी तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। यूपीआई का इस्तेमाल छोटे-बड़े दुकानों से लेकर बिल भुगतान और सब्सक्रिप्शन जैसी सुविधाओं में भी बड़ी आसानी से किया जाता है। इसमें ऑटो पे फीचर की सुविधा भी है, जिससे रिचार्ज और बिल का भुगतान खुद-ब-खुद तय समय पर हो जाता है।

हम तकनीकी दिक्कतों...

एप्स के यूजर्स लगभग 2 से 3 घंटे तक ट्रांजेक्शन नहीं कर पाए थे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने इस समस्या का कारण तकनीकी दिक्कतें बताया था, जिससे पूरे देश में आम यूजर्स और व्यापारियों की डिजिटल भुगतान प्रक्रिया प्रभावित हुई थी।

बोकारो के चंद्रपुरा में 56.2 मिमी बारिश दर्ज की

रांची समेत 10 जिलों में होगी झमाझम बारिश चलेंगी तूफानी हवा, ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड के 10 जिलों में में अगले 24 घंटे के दौरान आंधी-बारिश और कहीं-कहीं वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अगले चार दिनों तक रांची समेत राज्य के बाकी जिलों में हवा के साथ बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश हुई। कई जगह ओलावृष्टि भी हुई। सबसे अधिक बारिश बोकारो के चंद्रपुरा में 56.2 मिमी दर्ज की गई।

तापमान में चार डिग्री तक की गिरावट

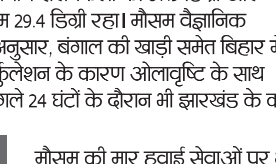

वहीं दुमका, गोड्डा, देवघर, गिरिडीह, रामगढ़, मेदनीनगर, पाकुड़ समेत राज्य के सभी जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। रांची में 9.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण रात के तापमान में चार डिग्री तक की गिरावट आई है। देखतापमान में अगले दो दिनों दो से तीन डिग्री और गिरावट की संभावना है। राज्य में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान सरायकेला का 37.9 डिग्री और धनबाद का सबसे कम 29.4 डिग्री रहा। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, बंगाल की खाड़ी समेत बिहार में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण ओलावृष्टि के साथ बारिश हो रही है। अगले 24 घंटों के दौरान भी झारखंड के कई जिलों में ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, कई जिलों में करीब 50 किमी की रफ्तार से हवा चली, जिसे कई जगहों पर पेड़ धराशायी हो गए। संताल में कुछ जगहों पर सड़क पर पेड़ गिरने से आवागमन प्रभावित हुआ। वहीं गरज के साथ ओले की बारिश से रबी की फसलों के साथ-साथ आम की फसल को नुकसान पहुंचा है। धनबाद समेत संताल के अन्य जिलों में दिन के 3.30 बजे के बाद झमाझम बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। इससे सड़कों पर पानी भर गया। सिंदरी और आसपास में बिजली के तार पर पेड़ गिरने की सूचना है। चासनाला, भौंरा, झरिया सहित कई जगहों पर बिजली के तार टूटे हैं। यहां के तापमान में आठ डिग्री तक की गिरावट आई है। वहीं कोल्हान के पश्चिमी सिंहभूम में बारिश से बिजली बाधित हुई। खास कर राज्य में बंगाल से सटे जिलों समेत आसपास के जिलों में ओलावृष्टि हुई।

मौसम की मार हवाई सेवाओं पर भी पड़ी

मौसम की मार हवाई सेवाओं पर भी पड़ी है। दिल्ली में खराब मौसम के कारण शनिवार को रांची आने वाले विमान प्रभावित हुए हैं। इंडिगो एयरलाइंस का दोपहर 2:45 बजे आने वाला विमान रद्द कर दिया गया है। सुबह में दिल्ली से आने वाले दो विमान विलंब से रांची में लैंड हुए।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

विशेषः अप्रैल-तनाव जागरूकता माह

लाइफ में न रहे टेंशन सीखें स्ट्रेस मैनेजमेंट

आज के दौर में जिस तरह की लाइफस्टाइल हम सब जी रहे हैं, उसमें टेंशन से बचना तो बहुत मुश्किल है। लेकिन हम ऐसा जरूर कर सकते हैं, जिससे टेंशन हम पर हावी न हो। इसके लिए हमें स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखना होगा। इसे सीखना बहुत कठिन नहीं है। यहां दिए जा रहे कुछ सजेशंस आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

वर्तमान समय में दुनिया के हर हिस्से में स्ट्रेस एक महामारी का रूप ले चुका है। आपा-धापी भरे आज के जीवन में हर आयुवर्ग के लोग तनाव के घेरे में हैं। तनाव की जकड़न बच्चों से लेकर बड़ों तक, बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का भी शिकार बना रही है। यही वजह है कि तनाव के कारणों, इससे बचाव और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रहीं समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तनाव के शिकार लोगों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जरूरी हो चला है कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए कुछ सहज सरल कदम हर कोई अपनाए।

तनाव को समझिए

सबसे पहले तो तनाव में घिरने की स्थिति को समझना आवश्यक है। आमतौर पर स्ट्रेस के कारण पैदा होने वाली गंभीर बीमारियों के जाल में फंसने से पहले तक स्ट्रेस को कोई परेशानी समझा ही नहीं जाता। जबकि स्ट्रेस के दुष्प्रभावों को समय रहते समझना ही इसके नेगेटिव असर से बचने की राह है। असल में स्ट्रेस को प्रबंधित करने का तरीका जानने के लिए भी इसका शिकार होने की स्थितियों को समझना आवश्यक है। यह समझ तनाव से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके ढूंढ़ना भी आसान कर देती हैं। स्ट्रेस के कारण जानकर ही निवारण का मार्ग ढूंढ़ा जा सकता है। इसीलिए सबसे पहले उन ट्रिगर्स को पहचानें, जो तनाव पैदा करते हैं। उन बातों और हालातों को ट्रैक करते रहें, जब आप तनाव महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया पर भी नजर रखें, क्योंकि कई बार अपने गलत रिएक्शन या ओवर रिएक्ट करने से भी अपराधबोध और तनाव बढ़ता है। याद रहे कि खुद अपने मन को विचलित करने वाली स्वास्थ्य समस्या के कारणों को समझना उसके इलाज की राह बहुत आसान बना देता है।

स्वस्थ-सकारात्मक जीवनचर्या

जिंदगी की जुड़ी भाग-दौड़ के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां भी तनाव के घेरे में लाने का कारण बन रही हैं। सधी हुई दिनचर्या से कमोबेश हर उम्र के लोग दूर हुए हैं। जबकि समय पर काम ना निपटाने से लेकर सोने-जागने का सही रूटीन न रखने जैसी आम सी बातें भी इंसान के मन को स्ट्रेस का शिकार बनाती हैं। अस्त-व्यस्त रहना, अनचाहा सामान जमा करना, खुद अपनी चीजों की देखभाल न करना, नींद पूरी न होना, बुरी लत या कसरत ना करना। सब कुछ मन पर एक अनचाहा सा बोझ बढ़ाने वाला परिवेश बनाकर स्ट्रेस का कारण बन जाते हैं। तनाव की जकड़न वाली गंभीर स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है। संतुलित जीवनशैली, स्ट्रेस के जाल में फंसने ही नहीं देती। साथ ही अनुशासित जीवनशैली हमारे विचारों को भी सकारात्मक दिशा देती है। पॉजिटिव सोच, तकलीफदेह परिस्थिति में भी 'सब खत्म हो गया', 'अब कुछ नहीं हो सकता' जैसे नकारात्मक विचारों से बचाती है। असल में आशावादी मन, जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक नयापन ढूंढ़ता है। यह सोच कभी तनाव के घेरे में नहीं आने देती।

जीवन से जुड़िए

आज के दौर में स्क्रीन में गुम रहना हो या चाहे-अनचाहे खुद तक सिमट जाने की प्रवृत्ति, अकेलापन और सामाजिक जीवन से दूरी तनाव के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। इंसान का जीवन भावनाओं और सामाजिक संबंधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अपनेपन से पोषण पाता है। स्नेह और साथ, मन को सुख देने वाले भाव हैं। यही वजह है कि सामाजिक गतिविधियों का सिमटना तनाव को विस्तार दे रहा है। आज के समय में जिंदगी में एक नीरसता और रूखापन भी आया है। दुनिया भर से जुड़े होने के मुगालते में इंसान खुद अपनी जिंदगी से दूर हुआ है। स्ट्रेस में घिरी मनःस्थिति को साझा करने के लिए भी अधिकतर लोगों के पास कोई विश्वसनीय साथी नहीं होता। जबकि स्ट्रेस मैनेजमेंट का सबसे अहम पहलू ही यही है कि मन-मस्तिष्क की ऊहापोह सुनने या सही सलाह देने के लिए कोई साथी जरूर हो। विश्वसनीय मित्र या परिजन ही ऐसा कर सकते हैं। अपनेपन की यह बुनियाद बनाने के लिए सामाजिक-पारिवारिक मेल-जोल आवश्यक है। *

इस वर्ष की थीम-लीड विद लव

स्ट्रेस प्रॉब्लम को लेकर जागरूकता लाने का एक अहम पहलू मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक-भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने से भी जुड़ा है। साथ ही इन दिनों तनाव के घेरे में फंसे अपनों-परायों का संबल बनने की अवेयरनेस लाने के प्रयास भी किए जाते हैं। साल 2025 के लिए तो तनाव जागरूकता माह की थीम ही 'लीड विद लव' है। यह विषय स्ट्रेस की समस्या को लेकर स्वयं अपने और दूसरों के साथ दया, करुणा और सहज स्वीकार्यता के साथ पेश आने पर केंद्रित है। 'प्यार के साथ नेतृत्व करें' का यह विचार तनाव के चलते बहुत सी चुनौतियों से जूझते हुए भी सकारात्मक बने रहने के भाव को पोसने वाला है। कठिनाई के बावजूद जीवन के प्रति सहज बने रहने का संदेश देता है। यह थीम अपने आप के लिए तनाव प्रबंधन हेतु सधी जीवनशैली, संतुलित भोजन, कसरत, योग, मेडिटेशन और खुले संवाद जैसे बदलावों को अपनाने की राह सुझाती है तो दूसरों के मन को समझने के लिए भी सजग करती है।

आधुनिकता, तकनीकी निर्भरता और स्वार्थपरता की वजह से वर्तमान समय में इंसानी समाज के सामने नैतिकता और भरोसे का संकट आ खड़ा हुआ है। बेहतर समाज के लिए जरूरी है कि इसके ग्राफ को गिरने से बचाए रखा जाए।

बेहतर समाज के लिए न गिरने दें नैतिकता-भरोसे का ग्राफ

सोशल बिहेवियर
यशोधरा भटनागर

कहते हैं, शेयर बाजार में कब कौन-सा स्टॉक ऊपर जाएगा और कौन-सा औंधे मुंह गिरेगा, यह कोई नहीं बता सकता। ठीक वैसे ही आजकल इंसानों का भी हाल हो गया है। किसी पर भरोसा करो तो हो सकता है कि वह अगले ही पल आपको ठगने का प्लान बना रहा हो। रिश्तों और भरोसे की कीमतें इस कदर अस्थिर हो गई हैं कि कौन कब नैतिकता के बाजार में दिवालिया हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं।

बदल गया है नजरियाः पहले के जमाने में इंसान अपने चरित्र और नैतिकता से पहचाना जाता था, लेकिन अब यह पहचान उसके बैंक बैलेंस, सोशल मीडिया स्टेटस और अवसरवादी सोच पर आधारित हो गई है। ईमानदारी और सच्चाई के शेयर दिन-ब-दिन गिरते जा रहे हैं, जबकि स्वार्थ, धोखाधड़ी और अवसरवाद के स्टॉक्स बुल मार्केट में है। अब रिश्ते भी शेयर बाजार की तरह हो गए हैं। अगर आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपसे जुड़ा हुआ है, तो यह मत समझिए कि वह आपके अच्छे स्वभाव और ईमानदारी की वजह से है। हो सकता है कि उसने सिर्फ इसलिए आपका साथ पकड़ा हो, क्योंकि वह आपसे कोई मुनाफा निकालना चाहता हो। जैसे ही उसे कोई बेहतर 'इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' मिलेगा, वह अपना सारा इमोशनल कैपिटल निकाल कर कहीं और लगा देगा। आजकल दोस्ती और रिश्ते भी आई.पी.ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की तरह होते हैं। पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भरोसे के लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं, और जैसे ही लोग इसमें निवेश करते हैं, धीरे-धीरे हकीकत सामने आने लगती है। कई दोस्त और रिश्तेदार सिर्फ तब तक साथ रहते हैं, जब तक उनकी 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' अच्छी बनी रहती है। जैसे ही उन्हें लगता है कि अब यहां कोई फायदा नहीं बचा, वे अपने शेयर बेचकर कहीं और चले जाते हैं।

दिखावा हुआ महत्वपूर्णः इस नए दौर में दिखावा ही असली पूंजी बन गया है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को कर्ज में डूबा हुआ शेयर मानते हैं, जबकि तड़क-भड़क और चालाकी का ग्राफ ऊपर चढ़ता जा रहा है। अगर आप सीधा-सादा जीवन जीते हैं और सच्चाई में विश्वास रखते हैं, तो आपको पुराने जमाने का 'लो वैल्यू स्टॉक' मान लिया जाएगा। लेकिन अगर आप थोड़े घमंडी, थोड़े धोखेबाज और बहुत बड़े दिखावटी हैं, तो आपको 'हाई ग्रोथ स्टॉक' माना जाएगा।

कम हुआ भरोसे का मानः आज की दुनिया में भरोसे का इंडेक्स इस कदर गिर चुका है कि आज किसी की बातों पर यकीन करना ही जोखिम भरा हो गया है। वायदा कारोबार की तरह, लोग बड़े-बड़े वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब डिलीवरी देने का समय आता है, तो 'मार्केट क्रैश' हो जाता है। कई दोस्त और रिश्तेदार इस दौर के 'इनसाइडर ट्रेडर' बन चुके हैं- बाहर से मासूम लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर आपकी कीमत गिराने की साजिशें चल रही होती हैं। आजकल जब कोई आपसे बहुत मीठा बोलता है, तो यह समझने में देर नहीं लगती कि या तो वह आपसे कुछ उधार लेना चाहता है या फिर कोई और फायदा उठाने के लिए पास आ रहा है। यह दौर वही है, जहां दोस्ती भी 'मार्केट सिचुएशन' देखकर बनाई और तोड़ी जाती है।

विश्वसनीयता का संकटः सवाल है आज की दुनिया में नैतिकता, सच्चाई और अच्छाई का मूल्य आखिर इतना कम क्यों हो गया है? ऐसा नहीं है कि यह दुनिया शुरू से ही ऐसी थी। पहले लोगों की पूंजी उनका चरित्र हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब ईमानदार इंसान को 'अनप्रॉफिटेबल इन्वेस्टमेंट' मान लिया जाता है। किसी की मदद कर दो तो लोग सोचने लगते हैं कि इसमें आपकी क्या चाल है! आज के दौर में अगर आप बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद कर दें, तो सामने वाला शक की नजरों से देखने लगता है। लोग भरोसे की डीलिंग में इतने बार ठगे जा चुके होते हैं कि अब जल्दी किसी पर विश्वास करने से डरते हैं।

बनी रहे रिश्ते-भरोसे की गरिमाः अगर इंसान इसी राह पर चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब नैतिकता और मूल्यों की बाजार में कोई खरीद-फरोख्त नहीं बचेगी। लोग केवल दिखावे और मुनाफे के स्टॉक्स में निवेश करेंगे, और इंसानियत का सेंसेक्स हमेशा के लिए क्रैश हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम सिर्फ मुनाफे और अवसर के व्यापारी न बनें, बल्कि ऐसे निवेशक बनें जो रिश्तों और भरोसे के ब्लू-चिप स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट करें। तभी समाज का शेयर बाजार स्थिर रहेगा और नैतिकता का ग्राफ फिर से ऊपर जाएगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शैलेंद्र का गीतों भरा जीवन

अपने छोटे से जीवन में ही गीतकार शैलेंद्र ने ऐसे यादगार और शानदार गीत रचे, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके फिल्मी, गैर फिल्मी गीतों के साथ ही उनके जीवन के तमाम अनछुए पहलुओं पर रोशनी डालती है किताब 'सजनवा बैरी हो गये हमार-गीतकार शैलेंद्र का जीवन और लेखन', जिसे लिखा है, चर्चित फिल्म समीक्षक और लेखक जय सिंह ने। इस किताब से गुजरते हुए हम शैलेंद्र के जीवन में आए तमाम उतार-चढ़ावों से रूबरू हो सकते हैं। परिश्रम से लिखी गई इस किताब में शैलेंद्र के जीवन से जुड़े कई रोचक और मार्मिक किस्सों को पूरी प्रामाणिकता के साथ संजोया गया है। जीवन के हर रंग और गहन दर्शन को सरल शब्दों में पिरोने वाले शैलेंद्र के बारे में इरशाद कामिल ने पुस्तक की भूमिका में सही ही लिखा है, 'शैलेंद्र शब्दों का शिल्प जानता था, कविता की कला जानता था, भावनाओं के सागर की गहराई जानता था और लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता जानता था।' *

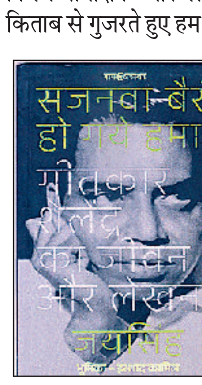

पुस्तकः सजनवा बैरी हो गये हमार, **लेखकः** जय सिंह, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** वाम प्रकाशन, नई दिल्ली

सुबह का भूला

कई बार हम किसी दंभ में जीते हुए अपनों से दूर हो जाते हैं। उम्र के एक पड़ाव पर आकर हमें अपनों की जरूरत महसूस होती है, किसी विपदा में तो और भी ज्यादा, लेकिन तब तक बहुत दूरियां बन चुकी होती हैं, रिश्ते मुरझा चुके होते हैं। जीवन की विसंगति को प्रकट करती कहानी।

कहानी / संजय मृदुल

फाइव स्टार होटल जैसा बड़ा हॉस्पिटल, लॉबी में भीड़-भाड़ के बीच कॉफी शॉप की एक टेबल पर अल्पना अकेली बैठी थी। कॉफी से उठता धुआं अल्पना की आंखों में भर रहा था। अल्पना के चेहरे पर तनाव झलक रहा था। हॉस्पिटल का माहौल ऐसा होता ही है कि अच्छे-भले इंसान का दिल बैठ जाए। वार्डों में कहीं पट्टियों में लिपटे मरीज, किसी बिस्तर पर आंख बंद कर लेटे हुए इंसान के सिर के बाजू रखी मशीन की डरावनी आवाज। आईसीयू के बाहर बैठे परिवारजनों के चेहरे पर किसी आस के भाव, तो किसी की आंखों में निराशा की झलक। अल्पना का यह पहला अवसर था, जब उसे अस्पताल में एक जगह से दूसरी जगह भाग-दौड़ करनी पड़ रही थी।

उधर अल्पना के पिता जी का ऑपरेशन चल रहा था। उन्हें दो दिन पहले सुबह-सुबह सीने में दर्द उठा। अल्पना ने नौकर की मदद से जैसे-तैसे कार से लाकर उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया। पता चला धमनियों में ब्लॉकेज है। तात्कालिक उपचार और जाने कितने टेस्ट के बाद आज ऑपरेशन हो रहा है।

अल्पना को समझ में नहीं आ रहा है, किसे कॉल करें। खुद पर उसे भरोसा नहीं हो रहा था कि वह सब संभाल पाएगी। जितने भी रिश्तेदार हैं शहर में, उनसे बस औपचारिक-सा रिश्ता है। न वो किसी के घर जाती है, न ही कोई उसके घर आता है। मन में एक ख्याल यह भी आ रहा था कि अकेले ही संभालना ठीक है, क्यों किसी का एहसान लिया जाए।

इसी ऊहापोह में अल्पना ने बैठे-बैठे कुछ लोगों को पिता जी के बारे में बताने के लिए कॉल किया। मामा जी, चाचा जी, मौसा जी जैसे निकट के रिश्तदारों को। सबने आश्चर्य जताया, सहानुभूति दिखाई और जरूरत पड़े तो बताना जैसे वाक्य बोल इतिश्री कर ली। पिता जी के चचेरे भाई को लगा, पैसे न मांग लें तो वो बिना कुछ कहे पैसों का दुखड़ा रोने लगे।

अल्पना को न पैसों की जरूरत थी न ही भीड़ की, उसे लग रहा था कि कोई होता यहां, जो उसकी हिम्मत बढ़ाता, उसका हाथ थामता, उसका अकेलापन बांटता। मुश्किल की इस घड़ी में उसे कोई ऐसा नजर नहीं आया, जो उसका साथ देता।

गलती किसकी है? अल्पना सोचती रही-हम ही तो समय, व्यस्तता के बहाने बनाकर लोगों से दूरी बना लेते हैं। न किसी के घर जाना, न किसी को बुलाना। सोशल मीडिया में भीड़ वाली लिस्ट में लोगों से जुड़े रहना और जीवन में तन्हा रहना, यही आज की कड़वी सच्चाई है।

पद-प्रतिष्ठा के रुआब में अकड़े हुए, शहर-शहर भटकते हुए जीवन बिता देने वाले उसके पिता ने न कभी रिश्ते जोड़े, न परिवार को जुड़ने दिया। मां भी अपने पति की ऐसी आज्ञाकारी थीं कि जैसा पति ने कहा, वही पत्थर की लकीर बन गया। न मायके में संबंध बनाए रखा, न ससुराल में नाता जोड़ पाईं वह। अल्पना सबको बस या तो नाम से जानती थी या पुरानी अलबम में देखी तस्वीरों से। जब पिता जी के रिटायर होने का समय आया तो उन्हें अपना शहर याद आया। आता भी क्यों नहीं, सारा जीवन अलग-अलग शहरों में घूमने के बाद कहीं तो ठिकाना बनाना था। फिर मां भी नहीं हैं, उनके साथ। भाग-दौड़ के बीच एक दिन मां दुनिया छोड़ कर चली गई थीं। हमेशा खामोश रहने वाली मां ने न अपनी बीमारी बताई, न मन में भरा हुआ बारूद खाली कर पाईं। पति के अफसर वाले व्यवहार को झेलती-सहती एक रात वह जो सोईं तो सुबह उठी ही नहीं। अल्पना भी पढ़ाई के बाद पुणे में नौकरी कर रही है। छुट्टियों में आती है तो पिता जी के ढेर काम इकट्ठा होते हैं। रिटायर होने के बाद भी उनका व्यवहार अफसर वाला ही है। पिता कम अफसर ज्यादा लगते हैं वह। तीन-चार दिन की छुट्टियों में पिता जी को केवल काम याद रहता है। ऐसा नहीं कि बैठ कर मन की बातें करें, उसके भविष्य की प्लानिंग पूछें। मां को याद कर लें। बचपन में अल्पना सोचती थी, पिता कभी और लोगों की तरह नॉर्मल क्यों नहीं रहते? उसकी सहेलियों के पिताओं की तरह क्यों उसे लाड नहीं करते?

अल्पना को आज लग रहा था, कितनी बड़ी गलती की उन्होंने। सभी इसी शहर में रहते हैं, बुआ, चाचा, उनका परिवार, लेकिन आज कोई उसके साथ नहीं है। किसे फिक्र है उसकी? किसी ने भी उससे नहीं कहा, 'तुम चिंता मत करो, हम हैं ना।'

कॉफी के मग से उठते धुएं के बीच अल्पना सोचती है कि यह पिता जी की गलती सुधारने का सही मौका है। लेकिन यह भी भय था कि सब ऐसा न समझें कि मतलब पड़ा, तो सबसे संबंध जोड़ रही है वह। बड़ी हिम्मत कर अल्पना ने परिवार के व्हाट्स एप ग्रुप में स्थिति बयान की और सबसे माफी मांगते हुए निवेदन किया कि बीती बातों को भुलाकर पिता जी और उसे मौका दें फिर से जुड़ने का। आज जब उसके ऊपर परेशानी आई है तो उसके साथ खड़े हों, उसका हाथ थाम कर उसे संभालें। अब सबकी मर्जी चाहे अवसर दें या ठुकरा दें। अल्पना को उम्मीद थी, जब सुबह का भूला शाम को घर आना चाह रहा है, कोई तो दरवाजा खोलेगा। *

विज्ञापन.......
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैराप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजनरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक | व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in
NBC@

खबर संक्षेप

पुलिस व नक्सलियों की मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे जाने की खबर

बीजापुर। जिले के इंद्रावती नेशनल पार्क इलाके में माड़ क्षेत्र के जंगल मे पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक, तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। दो नक्सलियों के शव बरामद हो गए गैं। बस्तर आईजी पी सुंदरराज ने इसकी पुष्टि की है। मारे गये नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। सभी जवान सुरक्षित बताये जा रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बीजापुर जिले के इंद्रावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र के माड़ के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना के बाद सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान सुबह 9 बजे के करीब सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। जो रुक-रुक कर अब भी जारी है। बताया गया है कि इस मुठभेड़ में नक्सलियों को भारी नुकसान होने की संभावना है। फिलहाल, सर्च अभियान चल रहा है। मारे गये नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है।

32 प्राध्यापक सहित सह प्राध्यापक

ों के हुए तबादले

भोभ ोपाल । उच्च शिक्ष पाल सहित प्रदेश के करीब 32 प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापकों के तबादले किए हैं। उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव वीरन सिंह भलावी ने इस संबंध में शुक्रवार को आदेश भी जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार, इनमें भूगोल, हिंदी, गणित, भौतिक शास्त्र, संस्कृत, समाज शास्त्र, वाणिज्य, रसायन शास्त्र सहित अन्य विषयों के

लोक निर्माण विभाग में नवीन एसओआर का हुआ विमोचन

अब केवल सरकारी रिफाइनरियों से लिया जाएगा डामर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा नई एसओआर केवल निर्माण दरों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह मप्र के विकास, पर्यावरण संतुलन और तकनीकी आधुनिकीकरण का एक विजन है। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश की हर सड़क और हर पुल न केवल टिकाऊ और सुरक्षित हो, बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी मजबूती से प्रतिबिंबित करे।

उन्होंने कहा कि यह न केवल मप्र में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रदेश को एक आधुनिक, पर्यावरण-संवेदनशील और तकनीकी रूप से उन्नत निर्माण विभाग के रूप में स्थापित करेगा।

पर्यावरण संरक्षण और नवीन तकनीकों की ओर बड़ा कदम

लोक कल्याण की भावना होगी मजबूत

मंत्री सिंह निर्माण भवन में सड़क एवं पुल कार्यों की नवीन एसओआर (शिड्यूल ऑफ रेट्स) के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में अधोसंरचना विकास को अधिक सक्षम, पारदर्शी और पर्यावरण-मित्र बनाने के उद्देश्य से लोक निर्माण विभाग ने सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों के लिए यह नवीन एसओआर जारी किया गया है। पीडब्ल्यूडी नवीन एसओआर लोक निर्माण से लोक कल्याण की भावना को और अधिक मजबूत करेगा।

तकनीकी समावेश और पर्यावरणीय संतुलन अनिवार्य

ईएनसी केपीएस राणा ने कहा कि लोक निर्माण के कार्यों में गुणवत्ता, नवीन तकनीकों का समावेश और पर्यावरणीय संतुलन को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि निर्माण कार्यों के माध्यम से नागरिकों के जीवन में वास्तविक सुधार लाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह दस्तावेज विभागीय तकनीकी प्रक्रियाओं को न केवल अद्यतन करता है, बल्कि इसमें कई ऐसी व्यवस्थाएं भी की गई हैं जो प्रदेश की जलवायु, पर्यावरणीय परिस्थितियों और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं।

नई एसओआर के लागू होने से प्रत्यक्ष लाभ

बेहतर यातायात की सुविधा से टिकाऊ और सुरक्षित सड़कों से यात्रा समय में कमी आएगी और सड़क दुर्घटनाओं की दर घटेगी। रोजगार सृजन से नई तकनीकों और निर्माण परियोजनाओं से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हरित भविष्य के लिए पेड़ों की शिफ्टिंग, रोपण और भूजल संरक्षण से पर्यावरण संतुलन में सुधार होगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण मिलेगा।

आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से निवेशकों में बढ़ेगा आकर्षण

आर्थिक विकास से आधुनिक अधोसंरचना से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे निवेशकों का आकर्षण भी बढ़ेगा। नई एसओआर के माध्यम से मप्र में सड़क और पुल निर्माण में तकनीकी उन्नयन, पर्यावरण संरक्षण और गुणवत्ता का अभूतपूर्व समन्वय देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने वास्तुकारों को मप्र में गतिविधियों के विस्तार के लिए किया आमंत्रित

भोपाल का ताल मूलतः बांध है, जो एक हजार साल पहले बनी बेमिसाल संरचना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राजा भोज स्वयं बड़े वास्तुकार थे। भोपाल ताल सहित प्राचीन स्थापत्य के कई उदाहरण भोपाल और इसके आसपास विद्यमान हैं। भोपाल का ताल मूलतः बांध है। एक हजार साल पहले बनी अद्भुत और बेमिसाल संरचना आज भी सामयिक और बड़ी आबादी के लिए उपयोगी है। मितव्ययता और तकनीकी उत्कृष्टता के साथ निर्मित यह संरचना, प्राचीन समृद्ध ज्ञान परंपरा का जीवंत उदाहरण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राष्ट्रीय सम्मेलन (ट्रांसम) के शुभारंभ सत्र में बोल थे। उन्होंने कहा कि वास्तु की दृष्टि से भोपाल ताल का वास्तु आज भी प्रासंगिक है। इस दृष्टि से भोपाल में हो रहा आर्किटेक्ट्स सम्मेलन का विशेष महत्व हो जाता है। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल से ही आर्किटेक्ट्स का विशेष महत्व रहा है। मुख्यमंत्री ने वास्तुशिल्प नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए वास्तुकला उत्कृष्टता में विरासत को समाहित करने के लिए डॉ. निधिपति सिंघानिया को भारतीय वास्तुकार संस्थान (आईआईए) फैलोशिप से सम्मानित किया।

उन्नत और समृद्ध रही है प्राचीन भारतीय वास्तुकला

मुख्यमंत्री ने द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स के राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

ऐतिहासिक महत्व

भोजपुर मंदिर तत्कालीन उत्कृष्ट वास्तु शिल्प का उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आर्किटेक्ट्स को विश्वकर्मा बंधु संबोधित करते हुए कहा कि मंदिर वास्तुकला और पूजा पद्धतियों में कई रहस्य विद्यमान हैं। भस्म आरती जन्म से लेकर मृत्यु तक की जीवन यात्रा को संक्षिप्त रूप में दिखाने का प्रकल्प है। राजा भोज की ओर से बनवाया गया भोजपुर मंदिर और उनके बड़े भाई राजा मुंज की ओर से मांडव में बनाई गई संरचनाएं तत्कालीन उत्कृष्ट वास्तु शिल्प का उदाहरण है। उत्कृष्ट तकनीक के ये प्रतीक हमारी संस्कृति पर गौरव और आत्म सम्मान का आधार हैं।

राजा भोज ने अपनी राजधानी को मांडव में किया स्थापित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भोज कई विधाओं के विशेषज्ञ थे, उन्होंने विभिन्न विषयों पर पुस्तक भी लिखी। उनकी राजधानी उज्जैन थी लेकिन उत्तर की ओर से हो रहे आक्रमणों से नागरिकों की सुरक्षा के लिए राजा भोज ने अपनी राजधानी को मांडव में स्थापित किया। उन्होंने कहा कि इस दौर में मप्र बदल रहा है, प्रदेश में औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार की अपार संभावनाएं हैं।

प्रदेश में तेजी से विकसित हो रही हैं मेट्रोपॉलिटन सिटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवसायियों और उद्योगपतियों को कार्य में परेशानी ना आए इस उद्देश्य से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ-साथ सेक्टर विशेष पर केंद्रित नीतियां लागू की गई हैं। प्रदेश में मेट्रोपॉलिटन सिटी भी तेजी से विकसित हो रही हैं, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर जैसे बड़े शहरों से आसपास के पांच जिलों को जोड़कर विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, शाजापुर को मिलाकर मेट्रोपॉलिटन विकसित करने की कल्पना है।

वास्तु कला को बढ़ावा दिया जाए

देश के वास्तुविदों को संगठित कर वास्तु कला को बढ़ावा देने में संस्था की महत्वपूर्ण भूमिका है। वास्तु कला और भवन निर्माण से जुड़े विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से यह संस्था निरंतर समन्वय और सम्पर्क में रहती है।

आईएफएस मीट में बोले सीएम

कर्नाटक से मप्र लाए गए दो किंग कोबरा, कर्नाटक को देंगे दो टाइगर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी के पंडित खुशीलाल आयुर्वेद महाविद्यालय में आयोजित आईएफएस सर्विस मीट का शुक्रवार को शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने रातापानी टाइगर रिजर्व घोषित करने में आई चुनौतियों पर चर्चा की।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि एमपी में किंग कोबरा की जरूरत बताने के बाद वन अफसरों ने एमपी में किंग कोबरा लाने का इंतजाम किया है। कर्नाटक के अफसरों से संवाद के बाद मेंगलोर से दो किंग कोबरा को पांच दिन पहले यानि सोमवार को भोपाल लाए गए हैं। जिन्हें क्वारैंटाइन किया गया है। एमपी का वन महकमा इसके बदले दो टाइगर कर्नाटक के वन महकमे को देगा । जो गर्मी के बाद यहां से शिफ्ट किए जाएंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव के द्वारा कर्नाटक के प्रधान मुख्य वन संरक्षक को वन्य जीव और मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक कर्नाटक से चर्चा की गई। साथ ही कुमार पुष्कर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव कर्नाटक के किंग कोबरा एमपी लाने को लेकर चर्चा की गई थी। इसके बाद डॉयरेक्टर पिलीकुला बायोलॉजिकल पार्क मेंगलौर कर्नाटक से दो किंग कोबरा सर्प को 2 रॉयल बंगाल टाइगर के बदले दिए जाने पर सहमति बनी। इसके बाद किंग कोबरा को लाने के लिए प्रक्रिया शुरू करने को लेकर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल को आदान प्रदान करने के संबंध में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण नई दिल्ली को प्रस्ताव भेजने के लिए निर्णय लिया गया।

कोबरा की बसाहट का किया जाएगा इंतजाम

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव और मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्य प्रदेश शुभरंजन सेन ने कहा कि किंग कोबरा को लाने के बाद उसके एमपी में बसाहट का इंतजाम अलग-अलग चरण में किया जाएगा। प्रथम चरण में एक्स सीटू संरक्षण और प्रजनन वन विहार भोपाल में कराया जाएगा। इसके बाद किंग कोबरा की पर्याप्त संख्या हो जाने और इस प्रजाति के लिए आवश्यक पारिस्थितिकीय अनुकूलता (इकोसिस्टम) की स्थिति बनने के बाद प्राकृतिक रहवास में उनके संरक्षण के संबंध में अलग से दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे।

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार कटुता के स्तर तक पहुंच गया है। यूं तो अमेरिका ने जवाबी शुल्क व आयात पर टैरिफ लगाने के प्रस्ताव को तीन महीने के लिए टाल दिया है, इसके पीछे अमेरिका में जनविरोध और टैरिफ को लेकर कई मुल्कों के साथ वार्ता कारण हो सकते हैं, लेकिन इस 90 दिनी रियायत में चीन का नाम नहीं है। मतलब अमेरिका व चीन के बीच आयात व निर्यात नए टैरिफ दर पर ही होंगे। अमेरिका ने 145 प्रतिशत टैरिफ आयद किया है तो चीन ने 125 फीसदी। इस कदम से महंगाई बढ़ेगी। अमेरिका व चीन कई तरह से वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं। ऐसे में यूएस-चीन टैरिफ वार से वैश्विक अर्थव्यस्था अनिश्चतता के भंवर की ओर बढ़ेगी, वैश्विक आपूर्ति सिस्टम प्रभावित होगा और महंगाई बढ़ने से आर्थिक मंदी और गहरी होगी। विश्व रूस व यूक्रेन जंग के चलते आपूर्ति तंत्र के मोर्चे पर संकट से पहले से जूझ रहा है और अब ट्रंप के टैरिफ वार के चलते यह संकट और बढ़ने वाला है। अभी कोई नहीं जानता है कि चीन से अमेरिका की टैरिफ अदावत क्या रुख अख्तियार करेगी, लेकिन इसका असल आर्थिक जलजला जरूर लेकर आएगा। विश्व नई आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ सकता है, इसमें भारत क्या भूमिका निभा सकता है, यह सब वक्त बताएगा। टैरिफ वार के वैश्विक असर का आकलन करता आजकल का यह अंक...

अनिश्चितता के भंवर की ओर विश्व

टैरिफ वार

प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

अमेरिका ने अधिकतर देशों को फिलहाल आयद किए गए टैरिफ रेट को आगामी 90 दिनों के लिए स्थगित करके कुछ राहत प्रदान कर दी है। यदि डोनाल्ड ट्रंप 90 दिनों के टैरिफ के स्थगन के पश्चात पूर्व प्रस्तावित अपनी टैरिफ योजनाओं पर बाकायदा अमल अंजाम देते हैं, तो फिर विगत वर्ष के मुकाबले 28 प्रतिशत टैरिफ दर से इस वर्ष अमेरिका को भारत के निर्यात में तकरीबन आठ अरब डॉलर अथवा तकरीबन सात प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। वस्तुतः विश्व पटल पर भारत पांचवीं सबसे बड़ी और तीव्र गति से विकास करती हुई अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद संरक्षणवादी व्यापार नीतियों द्वारा भारत को वैश्विक व्यापार की प्रतिस्पर्धा में पीछे धकेल दिया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने प्रथम कार्यकाल में केवल चीन के विरुद्ध व्यापार युद्ध का आगाज किया गया था। अमेरिका में चीन द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान पर पच्चीस प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया गया था। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में भी चीन से आयातित सामान पर ट्रंप सरकार द्वारा आयद किए गए टैरिफ को बाकायदा जारी रखा गया.. किंतु अपने दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत सहित समस्त विश्व के विरुद्ध व्यापार युद्ध का ऐलान कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर 145 प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया गया है। व्यापार युद्ध में चीन द्वारा अमेरिका के विरुद्ध अपनी जवाबी कार्यवाही अंजाम देते हुए, अमेरिका से आयातित सामान पर 125 प्रतिशत टैरिफ आयद करने का ऐलान कर दिया।

अमेरिकन हुकूमत द्वारा अधिकतर देशों को फिलहाल आयद किए गए टैरिफ रेट को आगामी 90 दिनों के लिए स्थगित करके कुछ राहत प्रदान कर दी गई है। यदि डोनाल्ड ट्रंप 90 दिनों के टैरिफ के स्थगन के पश्चात पूर्व प्रस्तावित अपनी टैरिफ योजनाओं पर बाकायदा अमल अंजाम देते हैं, तो फिर विगत वर्ष के मुकाबले 28 प्रतिशत टैरिफ दर से इस वर्ष अमेरिका को भारत के निर्यात में तकरीबन आठ अरब डॉलर अथवा तकरीबन सात प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। वस्तुतः विश्व पटल पर भारत पांचवीं सबसे बड़ी और तीव्र गति से विकास करती हुई अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद संरक्षणवादी व्यापार नीतियों द्वारा भारत को वैश्विक व्यापार की प्रतिस्पर्धा में पीछे धकेल दिया है। भारत में टैरिफ रेट तुलनात्मक तौर पर ऊंचे रहे हैं। वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी महज दो प्रतिशत से भी कम रही है। डोनाल्ड ट्रंप के प्रेसिडेंट निर्वाचित होने के तत्पश्चात अमेरिका की व्यापार नीतियों में बुनियादी बदलाव आ गया है।

भारत को नए अवसर तलाशने होंगे

भारत को भी इस विकट नीतिगत बदलाव से यकीनन जूझना ही होगा। वैश्विक व्यापार पर निर्भर रहने वाले मुल्कों के मुकाबले भारत इन मुश्किल हालात में किसी हद तक खुद को निश्चिंत महसूस कर सकता है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की निर्भरता वैश्विक व्यापार पर अत्यंत कमतर बनी रही है। वैश्विक व्यापार के क्षेत्र में भारत का कमतर योगदान वस्तुतः भारत के पक्ष में प्रतिबिंब हो सकता है। भारत आमतौर पर वैश्विक व्यापार से किनारा करता रहा है और यही बात संभवतः हमारे लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। लेकिन इस स्थिति से भारतवासी कदाचित संतुष्ट नहीं हो सकते, भारत को वैश्विक व्यापार में नए अवसरों को तलाशने के लिए सदैव तत्पर रहना होगा। साथ ही वैश्विक व्यापार के लिए शनैः शनैः रणनीतिक तौर पर संरक्षणवादी नीतियों का परित्याग करना होगा। उल्लेखनीय है भारत द्वारा अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के लिए कूटनीतिक वार्ता की जा रही है जिनमें अब और तेजी आने की संभावना है। ट्रंप के टैरिफ ने जहां विदेशों में माल बेचने को और अधिक चुनौतीपूर्ण बनाया है, वहीं दुनिया के देशों को नये व्यापारिक साझेदारों और मंडियां खोजने पर विवश भी किया है। भारत को इसका लाभ उठाकर यूरोपीय संघ, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, लैटिन अमेरिकी और अफ्रीकी देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते अंजाम देने चाहिए। भारत को इलेक्ट्रॉनिक और मोटर के कल-पुर्जों और दवाओं के एपीआई का सप्लाई चेन सुरक्षित बनाने के लिए भी अपने देश में निर्मित किए जाने की प्राथमिकता देनी चाहिए। इससे चीन के साथ चल रहे व्यापार घाटे और पूंजी पलायन में भी कमी आएगी।

अमेरिकी पूंजी का पलायन रोकने की कवायद

भारत के दवा उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटकी है, क्योंकि उसके एपीआई रसायन चीन से आयात किये जा रहे हैं। यह सही है कि पिछले 30-40 वर्ष से अमेरिका को निरंतर वैश्विक व्यापार में घाटा हो रहा है और उसकी तकरीबन एक लाख करोड़ डॉलर पूंजी प्रतिवर्ष लाभ कमाने वाले देशों में जा रही है। इनमें चीन, यूरोपीय संघ, आसियान, मेक्सिको, वियतनाम, जापान और कनाडा प्रमुख हैं। विगत चार दशकों के कालखंड में अमेरिका के 90 हजार कारखाने बंद हुए हैं और उन कारखानों में काम करने वाले 55 लाख कर्मचारियों की नौकरियां चली गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के इसी व्यापार घाटे को घटा कर अमेरिकी पूंजी का पलायन रोकना चाहते हैं और अमेरिका के विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। ट्रंप दुनिया के तमाम देशों पर 'रेसिप्रोकल टैरिफ़' या बराबर का टैरिफ़ लगाना चाहते हैं यानी उन देशों के सामानों पर उतना ही आयात शुल्क लगाना जितना वे अमेरिकी सामानों पर आयद करते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि अन्य देश अमेरिकी सामानों के आयात पर, अमेरिका को निर्यात होने वाले अपने सामानों की तुलना में अधिक टैरिफ़ लगाते हैं। ट्रंप का मानना है कि अमेरिका के 'व्यापारिक साझेदार अमेरिका के साथ भेदभाव करते हैं और ऐसा दोस्त और विरोधी, दोनों तरह के देश करते हैं।'

चीन ने व्यापार युद्ध को स्वीकारा

भारत के अमेरिका के साथ समझौतावादी रुख से एकदम विपरीत चीन ने अमेरिका द्वारा प्रस्तुत की गई व्यापार युद्ध की ललकार को बाकायदा स्वीकार कर लिया है। विस्तारवादी चीन ने अमेरिका के साम्राज्यवादी चेहरे से नकाब उतारने की पहल अंजाम दे दी है। अपने आर्थिक पराभव से परिपूर्ण पतनशील युग में महाशक्ति अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप अपने फरमानों से सारी दुनिया का आर्थिक एजेंडा तय करने की हैसियत में है अथवा नहीं है, इसका फैसला तो अभी शेष है तथा भविष्य में होना है। व्यापार युद्ध स्वीकार करने के चीन के संकल्प की तुलना वस्तुतः तीन वर्ष पहले रूस द्वारा अंजाम दी गई आक्रामक सैन्य पहल से भी की जा सकती है, जबकि यूक्रेन के विरुद्ध सैन्य कार्यवाही शुरू करके अमेरिका और उसके नेतृत्व में नाटो अर्थात अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन को रणनीतिक क्षेत्रों में अपनी सैन्य शर्तें थोप देने की ताकत को रूस द्वारा प्रबल आक्रामक सैन्य चुनौती पेश की गई थी। वस्तुतः विश्व पटल पर परिवर्तित होते हुए शक्ति संतुलन के परिदृश्य को समझने और स्वीकार करने की तत्परता अमेरिका द्वारा कदाचित दिखाई नहीं गई। अमेरिका यदि अपनी नव साम्राज्यवादी फितरत को तिलांजलि दे देता तो यह संभव था कि सन् 2022 में प्रारम्भ हुए यूक्रेन युद्ध और उससे भी कहीं घातक व्यापार युद्ध के भयानक दुष्प्रभावों से दुनिया संभवतः बच निकली होती। चीनी दूतावास की सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा गया कि अगर अमेरिका व्यापार युद्ध या किसी अन्य प्रकार का युद्ध चीन के विरुद्ध लड़ना चाहता है तो हम उस युद्ध को आखिर तक लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साम्राज्यवादी फितरत की घातक मानसिकता

पश्चिमी के साम्राज्यवादी देशों द्वारा तकरीबन तीन सौ साल तक बाकी दुनिया पर अपनी हुकूमत कायम रखी गईं। साम्राज्यवादी फितरत की घातक मानसिकता आज तक अमेरिका एवं पश्चिमी नाटो देशों की अवचेतना में बरकरार बनी हुई है। इसलिए अमेरिका एवं पश्चिमी जगत बाकी देशों की जटिल समस्याओं पर कदाचित तवज्जो प्रदान नहीं करते। चीन की हुकूमत ने अमेरिकन व्यापार युद्ध की चुनौती को स्वीकार करने के साथ यह स्पष्ट कर दिया कि वह व्यापार संतुलन संबंधी अमेरिकन चिंताओं पर बातचीत करने के लिए तत्पर है। मगर अमेरिका द्वारा चीन के विरुद्ध एक तरफा कार्रवाई अंजाम दिए जाने के ऐलान को चीन कदापि स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिकन अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल की एक रिपोर्ट के मुताबिक विगत ढाई महीनों में चीन ने सीधी वार्ता के लिए अमेरिकी प्रशासन से संपर्क साधने की निरंतर कोशिश जारी रखी, किंतु अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारियों ने चीन की प्रत्येक पेशकश को अस्वीकार कर दिया। अमेरिकन प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा गुमान रहा कि टैरिफ में बढ़ोतरी का ऐलान होने के तत्पश्चात चीन सहित बाकी मुल्कों की हुकूमत बातचीत के लिए गिड़गिड़ाते हुए अमेरिका के द्वार पर आ जाएंगी। अधिकांश मुल्कों के मामले में ऐसा ही हुआ भी। मगर चीन ने अमेरिका का मुकाबला करने का बड़ा जबरदस्त हौसला दिखाया। चीन इस बात को समझने का कौशल भी दिखाया कि मामला सिर्फ टैरिफ तक कदाचित सीमित नहीं है। जो देश तुरंत टैरिफ घटाने के लिए अमेरिकन शर्तों के मुताबिक बातचीत करने के लिए तैयार दिखाई दिए, उनके समक्ष अमेरिका ने कुछ अन्य सख्त शर्तों को पेश कर दिया। चीन ने प्रमुख खनिजों के अमेरिका को निर्यात करने पर प्रतिबंध आयद कर दिया। चीन के ऐसे कड़े कदमों का अंदाजा अमेरिका के प्रशासन तथा अमेरिका के कथित आर्थिक विशेषज्ञ विश्लेषकों को भी नहीं था। सन् 1991 में सोवियत संघ के पराभव के पश्चात विगत चार दशकों के काल में अमेरिका के विरुद्ध कोई देश तनकर खड़ा नहीं हुआ। विश्वव्यापी व्यापार युद्ध से अमेरिका को हो रहे निरंतर नुकसान से अमेरिका में ही गंभीर गहन असंतोष भड़क उठा है। मगर इस सारे परिदृश्य में चीन के साथ जारी व्यापार युद्ध में किसी को किसी राहत की कोई उम्मीद नहीं है। विगत 25 वर्षों में आर्थिक एवं तकनीकी महाशक्ति के रूप में चीन का उदय हो गया , जोकि आजकल विश्व पटल पर व्यापार युद्ध का मुख्य कारण बना हुआ है। इसकी वजह से अमेरिका के आर्थिक पतन की पटकथा तैयार हुई है। चीन के आर्थिक तथा सैन्य उभार को रोकना ही अमेरिका की प्रमुख राष्ट्रीय नीति है।

विश्व व्यापार संगठन के नियमों का उल्लंघन

विश्व व्यापार संगठन के नियम कायदे कानूनों का सरासर उल्लंघन करके अमेरिका के राष्ट्रपति मनमाना आचरण अंजाम दे रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से अमेरिका द्वारा सन् 1928 में आर्थिक संरक्षण की नीति अख्तियार की गई थी, इसका नतीजा सामने आया वर्ष 1929-30 के काल में जबकि अमेरिका ने भयानक आर्थिक मंदी का दीदार किया था। सन् 1971 में अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन ने आर्थिक संरक्षणवाद की नीति आयद की थी। परिणाम सामने आया वर्ष 1973-75 में फिर एक दफा अमेरिका को भयंकर आर्थिक मंदी झेलना पड़ी। अब फिर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इतिहास से गंभीर सबक लिए बिना आर्थिक संरक्षणवादी नीति के तहत दुनिया को व्यापार युद्ध में झोंक देने के लिए कटिबद्ध हैं। देखिए भविष्य में क्या परिणाम सामने आता है। ट्रंप के अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के तहत अमेरिका डूबेगा या उभरेगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल अमेरिका के टैरिफ कदमों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चतता जरूर व्याप्त हो गई है।

भारत की कूटनीतिक आर्थिक रणनीति

टैरिफ की चुनौती

डॉ. जयंतीलाल भंडारी
ख्यात अर्थशास्त्री

यकीनन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के बीच भारत जिस तरह टैरिफ में राहत की कूटनीति और अमेरिका सहित सभी प्रमुख देशों के साथ द्विपक्षीय व मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, उससे आपदा के बीच अवसर भारत की मुठ्ठियों में आने लगे हैं। यह भारत की रणनीति की ही जीत है कि जहां ट्रंप ने चीन पर 125 फीसदी टैरिफ लागू कर दिए हैं, वहीं भारत के लिए घोषित 26 फीसदी टैरिफ 90 दिनों तक के लिए स्थगित कर दी है। इन दिनों जहां टैरिफ की चिंता में दुनिया के शेयर बाजार ढहते जा रहे हैं, वहीं भारत का सेंसेक्स फिर से आगे बढ़ते हुए 75000 से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है। 11 अप्रैल को डॉलर के मुकाबले भारत का रुपया दो साल की सबसे बड़ी बढ़त पर रेखांकित हो रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से बढ़कर 676 अरब डॉलर के स्तर पर है। साथ ही टैरिफ की चुनौतियों के इस वर्ष 2025 में भी भारत की विकास दर दुनिया में सर्वाधिक 6 फीसदी से अधिक के स्तर पर रहने की वैश्विक रिपोर्ट्स प्रकाशित हो रही हैं।

नई व्यापार दुनिया का उदय

गौरतलब है कि 9 अप्रैल को अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी बातचीत करते हुए दिखाई दे रहा है। ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका का चीन के साथ व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा विभिन्न देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने के बाद नई व्यापार दुनिया ने जन्म ले लिया है। यह नई व्यापार दुनिया राष्ट्रपति ट्रंप की उस हठ पर आधारित है, जिसमें वे विश्व अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन और अमेरिका के साथ कथित आर्थिक दुर्व्यवहार को रोकने के लिए अमेरिकी अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं को होने वाले किसी भी तरह के कष्ट की अनदेखी करने को भी तैयार हैं। नई व्यापार दुनिया पहले की व्यापार दुनिया से पूरी तरह से अलग है। कल तक दुनिया में मजबूत आर्थिक विश्व व्यवस्था और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के आधार पर विकास की कहानी आगे बढ़ती रही है, वहीं अब संरक्षणवाद तथा द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों का नया सितारा उदित हो रहा है। ऐसे में भारत अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और दुनिया की बदलती आर्थिक सूरत की नई हकीकत के मद्देनजर नई रणनीति के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि भारत से निर्यात के मद्देनजर अमेरिका अत्यधिक महत्वपूर्ण देश है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से दुनिया के विभिन्न देशों को करीब 435 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का निर्यात हुआ है, उनमें से अमेरिका को करीब 18 फीसदी उत्पाद निर्यात हुए हैं।

निर्यात बढ़ने की संभावना

ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें आईटी, टेक्सटाइल और परिधान, ऑटोमोबाइल, रत्न और आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उत्पाद

शामिल हैं। भारत के दवा और सेमीकंडक्टर उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटक रही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर 26 फीसदी पारस्परिक टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले से भारत के द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में करीब 5.76 अरब डॉलर की गिरावट आ सकती है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब 0.2 फीसदी घटने की आशंका रहेगी। खास बात यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ की आपदा के बीच भारत के लिए मौके भी छिपे हैं। भारत जिस तरह से अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते के लिए तथा अन्य देशों के साथ भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के लिए रणनीतिपूर्वक कदम बढ़ा रहा है, उससे भारत के लिए अमेरिका सहित दुनियाभर के विभिन्न देशों में निर्यात और कारोबार बढ़ाने के मौके भी बढ़ सकते हैं। चूँकि एशिया के उभरते बाजारों में भारत पर टैरिफ फिलीपींस को छोड़कर सबसे कम है। ऐसे में तुलनात्मक रूप से कम टैरिफ से भारत को वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिल सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अमेरिकी बाजार में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातक देशों की तुलना में भारत पर कम टैरिफ लगा है। खास तौर पर चीन और वियतनाम के मुकाबले भारत बेहतर स्थिति में है। टेक्सटाइल के निर्यात बाजार में अभी से भी बेहतर अवसर मिल सकते हैं। अन्य देशों के सामान अमेरिका में ज्यादा महंगे होने से अमेरिका में भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी। यद्यपि भारत में सरकार ने संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत के द्वारा टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा व अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर ध्यान देना होगा। इस बात को ध्यान में रखना होगा कि वर्ष 1991 में उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ाने की जो रणनीति लागू हुई, उससे देश को उदारीकरण के लाभ मिले हैं। चूंकि टैरिफ प्रतिस्पर्धा से जुड़े हैं, अगर हम टैरिफ की आड़ में रहेंगे तो प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाएंगे। नए अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत को कारोबार करने में आसानी बढ़ानी होगी। लॉजिस्टिक्स व बुनियादी ढांचे में निवेश करना होगा और नीतिगत स्थिरता कायम रखनी होगी। हम उम्मीद करें कि अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच वैश्विक आर्थिक मौकों को मुठ्ठी में लेने के साथ-साथ भारत पर लागू किए जाने वाले 26 फीसदी टैरिफ की चुनौती का मुकाबला करने में भारत के लिए अमेरिका के साथ नया कारोबार समझौता, विभिन्न देशों के साथ नए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौते और मजबूत घरेलू आर्थिक घटक असरकारक आर्थिक हथियार के रूप में उपयोगिता देते हुए दिखाई देंगे।

कौशल विकास में निवेश हो

सरकार नई व्यापार दुनिया में भारत को रचनात्मक देश बनाने के लिए ऐसी नई आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी, जिसमें बड़े उद्योगों के साथ छोटे और मझौले उद्योगों के लिए भी अनुकूलताएं हों। चूंकि अब दुनिया में नए डिजिटल दौर की नई संपत्तियों से विकास की मंजिलें तय होंगी, अतएव ऐसी सबसे कीमती संपत्तियों के विकास पर भारत को ध्यान देना होगा। अब भारत में भारी पूंजी वाले उद्योगों को सब्सिडी देने के बजाय शिक्षा और कौशल विकास पर अधिक निवेश किया जाना अधिक लाभप्रद होगा। भारत को सेवा क्षेत्र की नई चमकीली राजधानी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। साथ ही अधिक डिजिटल महारत हासिल करने पर ध्यान देना होगा। निश्चित रूप से ऐसी नई आर्थिक और द्विपक्षीय वैश्विक व्यापार रणनीति से भारत नई व्यापार दुनिया के आकाश में एक चमकते हुए आर्थिक और प्रभावी सितारे के रूप में दिखाई दे सकेगा।

उल्टा भी पड़ सकता है ट्रंप का टैरिफ दांव

दो टूक

सुनील अमर
वरिष्ठ स्तंभकार

चीन और अमेरिका दुनिया के दो बड़े निर्यातक देश हैं जिसमें चीन नम्बर एक पर है और अमेरिका के लाख कोशिश करने के बावजूद पिछले 15 वर्षों से टॉप पर बना हुआ है। अमेरिका के नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो हालिया टैरिफ वार यानी व्यापार कर युद्ध छेड़ रखा है वह बाकी अर्थों में तो नया है लेकिन चीन के मामले में पुराना है। चीन से तो डोनाल्ड ने अपने पहले कार्यकाल यानी वर्ष 2017 से 2021 में ही टैरिफ वॉर शुरू कर दिया था।

वर्ष 2018 में चीन से आयातित स्टील और एल्यूमीनियम पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाकर मौजूदा व्यापार कर युद्ध की नींव रख दी थी। तब बदले में चीन ने भी अमेरिका से आयातित कृषि उत्पादों पर व्यापार कर बढ़ा दिया था। वर्ष 2019 में कोविड महामारी फैलने के बाद दुनियाभर में आवागमन को लेकर हुई बन्दिशों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने तभी मन बना लिया था कि विदेशों, खासकर चीन जैसे देशों पर अमेरिकी निर्भरता को कम करना है। ताजा टैरिफ वॉर को ट्रंप की उसी सोच का विस्तार कहा जा सकता है और अमेरिका के उद्योग प्रधान राज्यों ओहियो, पेनीसिल्वानिया और मिशीगन में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने सत्ता में आने पर टैरिफ लागू करने का वादा भी किया था। आज दुनिया को ग्लोबल विलेज कहा जाने लगा है। आदमियों और देशों के एक-दूसरे से सरोकार बहुत बढ़ गये हैं। उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन का किंग कहा जाने वाला चीन भी यह दावा नहीं कर सकता कि दुनिया के अन्य देशों के सहयोग के बिना उसका काम चल जाएगा। जिन देशों की अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित है उन्हें अधिकतम निर्यात चाहिए, इसी प्रकार जो देश युद्धक सामग्री उत्पादन में लगे हैं उन्हें दुनिया में कहीं न कहीं युद्ध चाहिए ताकि उनका माल बिक सके। इसे यूक्रेन के सन्दर्भ से समझा जा सकता है, पहले तो रूस के खिलाफ अमेरिका ने यूक्रेन की बिना शर्त युद्धक मदद शुरू की और अब अमेरिका का मौजूदा निजाम उस बिना शर्त की गयी मदद की कीमत मांग रहा है।

टैरिफ नीति का मुख्य निशाना चीन

अमेरिका की नई टैरिफ नीति से यद्यपि 60 से अधिक देश प्रभावित बताये जा रहे हैं लेकिन उसका मुख्य निशाना चीन ही है। अमेरिका चीन से कितना परेशान है इसका अनुमान उसके वित्त सचिव स्कॉट बेसेन्ट के आठ अप्रैल को व्हाइट हाउस में टैरिफ पर दिये इस बयान से लगाया जा सकता है कि '.....ट्रंप का असल मकसद रीयल विलेन चीन पर हथौड़ा गिराना था क्योंकि वह अमेरिकी व्यापार के लिए परेशानी पैदा करने का सबसे बड़ा स्रोत है.....।'

आर्थिक मोर्चे पर पिछड़ा अमेरिका

आर्थिक मोर्चे पर पिछड़ने के अमेरिका के अपने तमाम घरेलू कारण हो सकते हैं लेकिन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक महाशक्तियों के बीच इस तरह की तनातनी को अच्छा नहीं कहा जा सकता। अमेरिका में भी इस टैरिफ वॉर के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं। वैसे तो अमेरिकी बाजार चीनी खिलौनों तक से पटा पड़ा रहता है लेकिन चीन

जिन बड़े क्षेत्रों में दखल देता है उनमें हैं- स्टील, एल्यूमीनियम, इलेक्ट्रिक वाहन, चिप्स, सेमी कन्डक्टर, सोलर पैनल, बैटरी तथा रेअर अर्थ मिनरल आदि। अमेरिकी बाजारों में उक्त चीनी सामान काफी सस्ते हैं और इनके अमेरिकी उत्पादक चीनी कीमतों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए यद्यपि अमेरिका चिप्स एक्ट और आईआरए यानी इन्फलेशन रिडक्शन एक्ट के तहत घरेलू उत्पादकों को भारी सब्सिडी देता है ताकि वे चीनी कीमतों का मुकाबला कर सकें लेकिन फिर भी अमेरिकी उद्यमी बेहाल हैं और अमेरिका को अंततः लगता है कि चीनी सामानों को भारी टैक्स लगाकर ही महंगा किया जा सकता है। अमेरिका का यह भी आरोप है कि चीनी सरकार जानबूझकर बहुत बड़े पैमाने पर उत्पादन करवाती है और भारी मात्रा में सब्सिडी देती है ताकि अन्तरर्राष्ट्रीय बाजारों में उसके माल की कीमतों का कोई मुकाबला नहीं कर सके। यही कारण है कि अमेरिका न सिर्फ टैरिफ बल्कि निर्यात पर नियन्त्रण तथा विदेशी पूंजी निवेश पर प्रतिबंध लगाकर देसी उद्योगों को संरक्षण देना चाहता है। चीन अमेरिका के हर टैरिफ रेट का मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। ताजा हालात यह है कि अमेरिका के चीन पर 145 प्रतिशत टैक्स के जवाब में चीन ने 125 प्रतिशत टैक्स लगाने की घोषणा की है। चीन नयी रणनीति के तहत लैटिन अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया तथा मध्यपूर्व के देशों की बाजारों में अपने उत्पादों की पैठ बनाने में लगा है। साथ ही वह ब्रिक्स संगठन का और विस्तार चाहता है ताकि पश्चिमी बाजारों पर उसकी निर्भरता कम हो सके।

एक सवाल उठता है- क्या डोनाल्ड ट्रंप इस टैरिफ युद्ध को छेड़कर अमेरिकियों को लाभ पहुंचा पाएंगे? इसका जवाब हां हो सकता है, यदि वे आयातित सामानों की दर पर ही घरेलू उत्पादों को बाजार में उपलब्ध करा सकें। लेकिन यह आसान नहीं होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिकियों का खर्च बहुत बढ़ जाएगा। घरेलू उत्पादन बढ़ाये बगैर अब तक आयात हो रही वस्तुओं को महंगा कर देने का असर उल्टा हो सकता है। चीन पर प्रतिबंध का असर यह भी हो सकता है कि वहां उत्पादन कर रही कम्पनियां भारत, वियतनाम और मैक्सिको जैसे देशों का रुख करें जहां अमेरिकी टैरिफ कम है। लेकिन यह एक उथल-पुथल का दौर होगा और इस दौरान अमेरिका के अलावा वैश्विक स्तर पर भी महंगाई अनियंत्रित हो सकती है।

घरेलू स्तर पर भी लड़ना पड़ेगा

अमेरिका की बात करें तो उसे वैश्विक स्तर के अलावा घरेलू स्तर पर भी लड़ना पड़ेगा, क्योंकि आयातित कल-पुर्जे महंगे होने के कारण उत्पादन लागत बढ़ेगी और बाजार में सस्ते चीनी सामान से मुकाबला न होने के कारण घरेलू उत्पादक गुणवत्ता से समझौता कर मनमानी कीमत वसूल सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अभी चीन को छोड़कर बाकी देशों को 90 दिनों की मोहलत दी हुई है। उसके बाद देखना होगा कि वे क्या करते हैं। अगर इसके बाद भी वे अपनी जिद पर अड़े रहते हैं तो थोड़ा आगे चलकर देशों की वैश्विक गुटबाजी का परिदृश्य बदल सकता है। मसलन हो सकता है कि दो गुट बनें जिसमें एक अमेरिकी अगुवाई में भारत, यूरोपीय यूनियन, जापान और उत्तरी अमेरिका हो तथा दूसरा चीन की अगुवाई वाला हो जिसमें रूस, कुछ अफ्रीकी देश, दक्षिण अमेरिका तथा दक्षिण पूर्व एशिया शामिल हो। आज का अमेरिका बदलाव के दौर में है और किस्सा कोताह यह कि अगर अमेरिकियों को दैनिक जीवन में राहत मिली और उनका वैश्विक स्टेटस बना रहा तो ठीक है अन्यथा डोनाल्ड ट्रंप अपने इस कार्यकाल में गृहकलह का बीज ही बो देंगे। इतिहास में रूस, चीन और तुर्की जैसे अनेक देशों के आंतरिक असन्तोष व उससे उत्पन्न विद्रोह के उदाहरण तो हैं ही!

3 की मौत, भीड़ ने पिता-बेटे को पीट-पीटकर मारा, अब तक 118 गिरफ्तार, इंटरनेट बंद

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

वक्फ (संशोधन) विधेयक के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को फिर हिंसा भड़क गई। हिंसक भीड़ ने पीट-पीटकर पिता-बेटे की हत्या कर दी। इनकी पहचान हरगोविंद दास (पिता) और चंदन दास (बेटे) के रूप में हुई है। दोनों हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। वहीं, गोली लगने से एक अन्य घायल हो गया। हिंसा जिले के शमशेरगंज ब्लॉक के धुलियान में हुई। शुक्रवार को भी धुलियान में हिंसा भड़की थी। यहां एक व्यक्ति घायल हो गया था, जिसकी शनिवार को अस्पताल में मौत हो गई। लिहाजा मुर्शिदाबाद हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) जावेद शमीम ने कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि शनिवार की घटना का ब्योरा अभी उपलब्ध नहीं है। पुलिस की ओर से गोली नहीं चली है। प्रदर्शनकारियों पर सिर्फ आंसू गैस के गोले दागे गए। ये शुरुआती जानकारी है। घायल खतरे से बाहर है। अब तक 118 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार और कानून-व्यवस्था के एडीजी जावेद शमीम ने भी लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। जावेद शमीम ने कहा कि कई जगहों पर गलत जानकारी की फैक्ट्री चल रही है, जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। उन्होंने बताया कि जो भी लोग हिंसा या उकसावे में शामिल हैं, उन्हें चिन्हित कर गिरफ्तार किया जा रहा है।

राज्यपाल ने अमित शाह से की बात

पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा को लेकर राज्य के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा की। इसके अलावा बोस ने राज्य सरकार को मुर्शिदाबाद, मालदा और दक्षिण 24 परगना जिलों के संवेदनशील इलाकों में उपद्रव के लिए जिम्मेदार उपद्रवियों के खिलाफ एक्शन लेने के निर्देश दिए।

पश्चिम बंगाल में सेना उतारें: शुभेंदु

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में सेना उतारने की मांग कर दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र को राज्य में आर्टिकल 355 लगा देना चाहिए और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना और सुरक्षाबलों को उतार देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में ममता बनर्जी सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल साबित हो रही है। राज्य में लोगों की निजी संपत्तियां तोड़ी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रशासन को केंद्र से मदद मांगनी चाहिए। वहीं मुर्शिदाबाद, दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना, हुगली, मालदा और बीरभूम जिलों में आर्टिकल 355 लगा देना चाहिए।

मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) विधेयक का विरोध हिंसा में बदला

शुभेंदु बोले- केंद्र को राज्य में आर्टिकल 355 लगा देना चाहिए

राज्य में लागू नहीं होगा वक्फ कानून: सीएम ममता

सीएम ममता बेनर्जी ने शनिवार को कहा कि वक्फ कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। याद रखिए, जिस कानून के विरोध में लोग आंदोलन कर रहे हैं, वह हमने नहीं बनाया है। यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है। इसलिए जो जवाब आप चाहते हैं, वह केंद्र सरकार से मांगा जाना चाहिए। मेरी अपील है कि शांत रहें। सबकी जान कीमती है, राजनीति के लिए दंगे न भड़काएं।

हिंदू विरोधी हिंसा' को भड़का रही ममता: भाजपा प्रवक्ता भंडारी

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ पश्चिम बंगाल में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सीएम ममता बेनर्जी और उनकी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि राज्य में हिंदू विरोधी और राज्य प्रायोजित हिंसा हो रही है, जिसे सीएम बेनर्जी का संरक्षण प्राप्त है। जिन जिलों में हिंसा हुई, जैसे मालदा, मुर्शिदाबाद, नादिया आदि। वहां पुलिस पूरी तरह निष्क्रिय रही। जब एक खास समुदाय की उग्र भीड़ हिंदुओं को निशाना बना रही थी, उस वक्त पुलिस मूकदर्शक बनी रही। सीएम के निर्देशों पर ही पुलिस कार्रवाई से बच रही है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि संसद में वक्फ विधेयक पारित हो गया है, देश में इसे स्वीकार कर लिया गया है। लेकिन, बंगाल में हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। कहा कि कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है और हिंसा को रोकना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

खबर संक्षेप

कुपवाड़ा में बस पलटने से दो छात्रों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में शनिवार को कॉलेज की एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो विद्यार्थियों की मौत हो गई और 21 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिकनिक मनाने के लिए 27 छात्रों को ले जा रही सरकारी डिग्री कॉलेज सोगाम की बस हंदवाड़ा के वोदपोरा इलाके के निकट पलट गई।

ट्रेन की चपेट में आने से 13 गायों की मौत

पलक्कड़। केरल के पलक्कड़ जिले के मीनकारा बांध के पास रेल की पटरियां पार करते समय शनिवार को 13 गायों का झुंड एक ट्रेन की चपेट में आ गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गायों की मौके पर ही मौत हो गई और उनके शव रेल की पटरियों पर तथा आसपास के इलाकों में बिखरे पड़े मिले। बाद में शवों को पटरियों और आसपास से हटाया।

87 वर्षीय 'वनजीवी' पद्मश्री रामैया का निधन

हैदराबाद। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित 'वनजीवी' रामैया का शनिवार को तेलंगाना के खम्मम जिले में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। रेड्डीपल्ली गांव में अपने पैतृक घर में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। पेशे से कुम्हार रामैया को पौधरोपण के उनके अथक मिशन को लेकर 'वृक्ष पुरुष' के रूप में जाना जाता था। हरियाली में विस्तार के प्रति उनका समर्पण बहुत अधिक था।

फिर अकाली दल के प्रधान बने सुखबीर

चंडीगढ़। पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल एक बार फिर शिरोमणि अकाली दल के प्रधान चुन लिए गए हैं। किसी और नाम की अनुपस्थिति में सर्वसम्मति से सुखबीर के नाम पर मुहर लग गई। अकाली दल का दोबारा अध्यक्ष बनने पर सुखबीर बादल ने सभी से इकट्ठे होकर चलने का आह्वान किया। सुखबीर ने कहा कि अकाली दल को खत्म करने वाली पार्टियों का विरोध करें।

सूटकेस में बंद कर हॉस्टल लाया लड़की

सोनीपत। सोनीपत के राठधना रोड स्थित एक यूनिवर्सिटी से ये हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाला युवक अपनी गर्लफ्रेंड को सूटकेस के अंदर बंद कर बॉयज हॉस्टल ले जा रहा था। लड़की को सूटकेस के अंदर बंद कर ले जाते समय हॉस्टल में तैनात सुरक्षाकर्मी को शक हुआ तो शक के आधार पर सूटकेस की तलाशी ली।

लाल किला परिसर में त्रिदिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन का शुभारंभ

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा- शासकों के लिए आज भी आदर्श हैं महाराजा विक्रमादित्य

भारतीयता हमारी 'पहचान' है और राष्ट्रवाद हमारा परम धर्म

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता से भारत की पुरानी प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित और जीवंत हो रही है। भाषा हमारी सांस्कृतिक चेतना की धुरी है। हमें अपनी भाषा पर गर्व करना चाहिए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि महाराजा विक्रमादित्य ने अपने शासन से उस काल को और भारत को गौरवान्वित किया। हमारी सांस्कृतिक चेतना के विकास में सम्राट विक्रमादित्य का अतुल्य योगदान रहा। वे शासकों के लिए आज भी एक आदर्श हैं। वे बड़े प्रजा वत्सल थे। उन्होंने शासकों को सिखाया कि एक राजा को किस तरह अपनी प्रजा की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने अपने शासनकाल में कला संस्कृति, साहित्य और विज्ञान के विकास को संरक्षण और संवर्धन देकर भारत राष्ट्र को विकसित किया।

धनखड़ ने कहा कि हमारी संस्कृति एक मिसाल है कि भारतीय जीवन मूल्यों के साथ जीवन कितना सहज और सरल हो सकता है। भारतीयता हमारी पहचान है, और राष्ट्रवाद हमारा परम धर्म है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने शासनकाल में राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया। भारत में भूतल की गहराई से आकाश की ऊंचाइयों तक हर तरफ विकास ही विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता से भारत की पुरानी प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित और जीवंत हो रही है।

सम्राट विक्रमादित्य ने अपने शासनकाल में राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया

केंद्र एवं दिल्ली सरकार के साथ मिलकर यह सिलसिला आगे भी जारी रहना चाहिए

250 कलाकार एक साथ प्रस्तुति दे रहे

14 अप्रैल तक चलेगा महानाट्य का महामंचन

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन 13 एवं 14 अप्रैल को भी होगा। इसमें 250 कलाकार सम्राट विक्रमादित्य की जीवन गाथा को जीवंत कर रहे हैं। इस महानाट्य के दृश्यों को सजीव बनाने के लिए पालकी, रथ, घोड़ों और एलईडी ग्राफिक्स के स्पेशल इफेक्ट का प्रयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ की ओर से विक्रमादित्यकालीन मुद्रा और मुद्रांक की प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केंद्रित 'आर्ष भारत' प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है। इसमें 100 से अधिक ऋषियों के जीवन और योगदान को प्रदर्शित किया जा रहा है। जनसंपर्क विभाग की ओर से मप्र का विकास एवं उपलब्धियां विषय पर और पर्यटन एवं उद्योग विभाग ने भी प्रदर्शनियां भी यहां लगाई हैं।

विक्रमादित्य ने शासन को सुशासन की व्यवस्था में बदला: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति को सहेजने और संवारने में विक्रमादित्य का अमिट योगदान है। उन्होंने शासन को सुशासन की व्यवस्था में बदला। वे अदम्य साहस, धीरता वीरता और संवेदनशीलता के प्रतीक थे। उन्होंने अपनी प्रजा को कर्जमुक्त किया। वे अनेकानेक गुणों से युक्त थे। गरीबों, लाचारों, वंचितों को उनका हक दिलाने की प्रेरणा हमें सम्राट वीर विक्रमादित्य से ही मिलती है। वे अपनी प्रजा का सुख-दुख देखने के लिए भेष बदलकर प्रजा के बीच जाते थे। हमारी संस्कृति मां गंगा की अविरल धारा की तरह लगातार बहती रहेगी।

दिल्ली और मेरे लिए परम सौभाग्य की बात: रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि डॉ. यादव ने दिल्ली की जनता को विक्रमादित्य के चरित्र और शौर्य को देखने और समझने का अवसर दिया है। मेरा और दिल्ली का परम सौभाग्य है कि ये दिन दिल्ली को देखने को मिला। सौभाग्य की बात है कि शौर्य और पराक्रम के प्रतीक सम्राट विक्रमादित्य पर महानाट्य मंचन यहां हो रहा है। दिल्लीवासी आज इतिहास से रुबरू हो रहे हैं। वे सम्राट विक्रमादित्य के चरित्र को अपनी आंखों से देख रहे हैं इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बहुत-बहुत धन्यवाद।

शिवाजी की 345वीं पुण्यतिथि पर बोले शाह

'स्वधर्म और स्वराज्य' के आदर्श देश को प्रेरित करते

एजेंसी ▶▶ रायगढ़ (महाराष्ट्र)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता की प्रशंसा करते हुए कहा कि खुद को 'आलमगीर' कहने वाला मुगल बादशाह औरंगजेब जीवन भर मराठों के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहा, लेकिन पराजित हुआ और यहीं दफनाया गया। शाह ने मराठा शासक शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर रायगढ़ किले में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के 'स्वधर्म और स्वराज्य' के आदर्श देश की आजादी के शताब्दी वर्ष तक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को प्रेरित करते रहेंगे। शाह ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि वे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्य तक सीमित न रखें। उनकी जबरदस्त इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प और साहस देश को प्रेरित करते हैं क्योंकि उन्होंने रणनीतिक रूप से समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया।

शिवाजी के आदर्शों पर काम करें

शाह ने कहा कि महान मराठा योद्धा शिवाजी के आदर्श भारत को अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाने और महाशक्ति बनने की यात्रा के दौरान प्रेरित करते हैं। केंद्र की मोदी सरकार शिवाजी महाराज के आदर्शों पर काम करती है। गृह मंत्री ने रायगढ़ किले को एक पर्यटन स्थल के बजाय भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। इसी किले में शिवाजी महाराज की समाधि है। शाह ने कहा कि भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा और एक महाशक्ति बनने की आकांक्षा रखता है, ऐसे में शिवाजी महाराज एक प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी राजमुद्रा का उपयोग भारतीय नौसेना के ध्वज में किया जाता है, जो राष्ट्र पर उनके स्थायी प्रभाव का प्रतीक है। शाह ने सुशासन और न्याय पर शिवाजी महाराज की शिक्षाओं को कायम रखने के महत्व पर बल दिया।

अरब सागर में शिवाजी का स्मारक बनेगा

फडणवीस ने अरब सागर में शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि इस परियोजना से संबंधित याचिका को वापस बंबई उच्च न्यायालय को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम मामले में अपना पक्ष कुशलतापूर्वक रखेंगे। फडणवीस ने दिल्ली में शिवाजी महाराज का राष्ट्रीय स्मारक बनाने की उदयनराजे भोसले की मांग को भी स्वीकार किया और शाह के साथ इस विषय पर चर्चा करने का वादा किया। भोसले ने सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सद्भाव पर शिवाजी महाराज की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला।

भाजपा विधायक का बड़ा दावा

मणिपुर में कानून व्यवस्था सुधरी अब जल्द ही बनेगी नई सरकार

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर के भाजपा विधायक टी. रोबिन्द्रो ने शनिवार को दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है और उम्मीद जताई कि जल्द ही नई सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि मैतेई और कुकी नागरिक समूहों के बीच शांति वार्ता भी शुरू हो गई है। काकचिंग जिले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए रोबिन्द्रो ने कहा कि कानून-व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। हमें पूरा विश्वास है कि केंद्र जल्द से जल्द नई सरकार का गठन करेगा।

मैतेई और कुकी समूहों के बीच शांति वार्ता शुरू हो गई है। हमारा मानना है कि शांति लाने में सहायता के लिए निकट भविष्य में मैतेई और कुकी विधायकों के बीच बातचीत होगी। मुझे विश्वास है कि जल्द ही नई सरकार बनेगी। रोबिन्द्रो ने कहा कि हमारेबीच नेता चुनने में कोई असमर्थता या मतभेद नहीं है।

सैफ हमला केस पर पुलिस की कार्रवाई

1613 पेज की चार्जशीट दायर 35 गवाहों के लिए बयान

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने बांद्रा कोर्ट में 1613 से ज्यादा पेज की चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में कई खुलासे किए गए हैं। चार्जशीट में सैफ की पत्नी करीना कपूर का भी बयान है। उन्होंन कहा है कि घटना वाले दिन मैं अपनी दोस्त रिया कपूर से मिलकर रात 1 बजे घर लौटी।

करीब 2 बजे जहांगीर की नैनी उनके कमरे से चिल्लाते हुए बाहर आई। चार्जशीट में 35 गवाहों के स्टेटमेंट के साथ-साथ 25 सीसीटीवी

फुटेज भी शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि उन्होंने मामले की जांच में करीब 300 सीसीटीवी फुटेज फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी भेजे थे, जिनमें से 25 फुटेज में शरीफुल दिखाई दे रहा है। पुलिस ने आरोपी शरीफुल इस्लाम के मोबाइल फोन की लोकेशन को भी सबूत के तौर पर चार्जशीट में दर्ज किया है।

शिवसेना (उबाठा) ने कांग्रेस से पूछे सवाल

'इंडिया' गठबंधन का क्या हुआ, जमीन में दब गया या हवा में गायब हुआ?

एजेंसी ▶▶ मुंबई

शिवसेना (उबाठा) ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस को 'इंडिया' गठबंधन की स्थिति के बारे में बात करनी चाहिए और अहमदाबाद में पार्टी के हालिया अधिवेशन में विपक्षी गठबंधन के बारे में सवालों का जवाब देना चाहिए था। शिवसेना (उबाठा) ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय लेख में कहा कि कांग्रेस ने अहमदाबाद के पार्टी अधिवेशन में केवल अपने बारे में बात की और 'इंडिया' या भारत कहीं भी चर्चा में नहीं था। पार्टी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद 'इंडिया' गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की स्थिति क्या है, इस पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस को अपने अहमदाबाद अधिवेशन में इस पर विचार करना चाहिए था।

कांग्रेस अध्यक्ष दें जवाब

शिवसेना (उबाठा) ने सवाल करते हुए कहा कि गठबंधन का क्या हुआ? क्या यह जमीन में दब गया या हवा में गायब हो गया? इस सवाल का जवाब देने की जिम्मेदारी कांग्रेस अध्यक्ष की है। कांग्रेस ने 8-9 अप्रैल को गुजरात में अपना अधिवेशन आयोजित किया। राज्य में कांग्रेस दो दशकों से सत्ता से बाहर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने अधिवेशन में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था।

आगामी चुनावों पर अपना रूख बताएं

शिवसेना (उबाठा) ने बिहार, गुजरात और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस का रुख भी जानना चाहा। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल कांग्रेस की सहयोगी है, जबकि गुजरात और पश्चिम बंगाल में 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी दल आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस भी चुनाव मैदान में होंगे। शिवसेना (उबाठा) ने कहा कि कांग्रेस ने गुजरात में अपना अधिवेशन आयोजित किया, लेकिन लोकसभा चुनावों में पार्टी ने 2014 के बाद पश्चिमी राज्य में केवल एक सीट जीती।

बिरला ने शहीद हेमराज की पत्नी के राखी भाई रूप में विवाह की रस्मों को निभाया

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने शहीद की बेटी की शादी में भरा भात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दिवंगत सीआरपीएफ जवान हेमराज मीना और वीरांगना मधुबाला की बेटी की शादी की रस्मों में शामिल होकर सालों पहले किया वादा निभाया और दिलों को छू लिया। पुलवामा हमले में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले हेमराज मीना की शहादत के छह साल बाद शुक्रवार को पहली बार उनके घर के आंगन में जश्न का माहौल था, जब परिवार और रिश्तेदार उनकी बेटी रीना की शादी के लिए इकट्ठा हुए।

शुक्रवार को सांगोद/कोटा में बिरला ने मधुबाला के राखी भाई के रूप में विवाह की रस्मों को निभाया। लोक सभा अध्यक्ष ने सांगोद विधायक एवं राजस्थान के ऊर्जा मंत्री, हीरालाल नागर के साथ वीरांगना मधुबाला का सम्मान किया। परंपरा के अनुसार अध्यक्ष महोदय ने वीरांगना मधुबाला को चुनरी ओढ़ाई, जबकि बहन ने बिरला का तिलक एवं आरती की। बिरला ने शहीद हेमराज मीना की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। परिजन पुलवामा के शहीद हेमराज मीना को याद कर भाव विभोर हो गए।

पुलवामा शहीद जवान हेमराज की बेटी की शादी में हुए शामिल

भावनात्मक जुड़ाव देख हर व्यक्ति अभिभूत हो गया

दिवंगत सीआरपीएफ जवान हेमराज मीना की पत्नी मधुबाला सहित पूरे परिवार के लिए यह बेहद खुशी का पल था। 2019 में मीना की शहादत के बाद से लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला वीरांगना मधुबाला के 'राखी-भाई' के रूप में कठिन समय में शहीद परिवार के साथ खड़े रहे। तब से लेकर अब तक 'भाई' ने न केवल परिवार का साथ दिया, बल्कि अपना वादा भी निभाया। कल जब मधुबाला की बेटी की शादी का समय आया, तो यह 'भाई' मायरा/भात लेकर अपनी बहन के घर पहुंचा और यह अनूठी रस्म निभाई। 'बहन' मधुबाला और उसके 'भाई' के बीच इस भावनात्मक जुड़ाव को देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति अभिभूत हो गया।

लोकसभा अध्यक्ष परिवार के साथ खड़े रहे

पुलवामा हमले में शहादत के बाद शहीद हेमराज के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। हालांकि, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने समय रहते जो मदद की, उससे उनका दर्द कुछ कम हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ने वीरांगना मधुबाला के साथ भाई-बहन का अटूट रिश्ता बनाया और जीवन के हर सुख-दुख में परिवार के साथ खड़े रहने का वादा किया। पिछले छह वर्षों से राखी और भाई दूज पर वीरांगना मधुबाला उन्हें राखी बांधती हैं और तिलक करती हैं। शहीद हेमराज और वीरांगना मधुबाला की बेटी की शादी पर लोक सभा अध्यक्ष एक बार फिर शहीद के परिवार के साथ खड़े रहे।

स्टालिन के मंत्री की विवादित टिप्पणी

भाजपा ने सनातन धर्म का अपमान बताया, कहा- यह अस्वीकार्य

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तमिलनाडु के वन मंत्री के. पोनमुडी के कथित विवादित बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की आलोचना की है। भाजपा नेता और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि तमिलनाडु में डीएमके बेनकाब हो गई है। सनातन धर्म के प्रति उनका (पोनमुडी) बार-बार किया गया अनादर अस्वीकार्य है। इसमें चौंकाने वाली बात यह है कि डीएमके ने उनके अपमानजनक बयानों के बावजूद उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की है। जफर इस्लाम ने कथित तौर पर पवित्र हिंदू प्रतीकों का मजाक उड़ाने और हिंदी भाषी लोगों को 'पानी पुरी बेचने वाले' के रूप में संदर्भित करने के लिए पोनमुडी की निंदा की, और उनकी टिप्पणियों को सनातन धर्म के प्रति अपमानजनक बताया। स्टालिन के मंत्री पोनमुडी ने वैष्णवों, शैवों और हिंदी भाषी नागरिकों को निशाना बनाकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इससे पहले डीएमके ने तमिलनाडु के वन मंत्री के. पोनमुडी को हिंदू धर्म और महिलाओं पर कथित तौर पर विवादास्पद टिप्पणी करने के बाद पार्टी में उप महासचिव के पद से बर्खास्त कर दिया था।

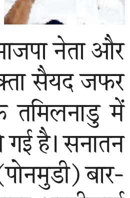

रिटायरमेंट पर तीन करोड़ चाहिए, तो ऐसे करें निवेश

सुझाव | बिजनेस डेस्क

- कुछ निवेश की स्कीम आपको बना सकती हैं धनवान
- हर कोई बना सकता है रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड
- एनपीएस और म्यूचुअल फंड निवेश के बेहतर विकल्प

क्या आप चाहते हैं कि जब आप अपनी नौकरी से रिटायर हों तो आपके पास कम से कम 3 करोड़ रुपये की रकम जरूर हो। यानी रिटायरमेंट फंड 3 करोड़ रुपये हो, ताकि आप बाकी की जिंदगी आराम से गुजार सकें और अपने खर्चों को मेंटेन कर सकें। इसके लिए आपको कई स्कीम में निवेश करना होगा। बेहतर होगा कि निवेश का प्लान जल्दी से जल्दी बना लिया जाए। अगर आपकी उम्र अभी 35 साल है तो भी अगले 25 साल में आप 3 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह की रणनीति बनाएं कि 25 साल में 3 करोड़ रुपये का फंड जुटा सकें और बुढ़ापे को आराम से काट सकें।

एक उदाहरण ऐसे समझें रणनीति

मान लिजिए एक्स की उम्र अभी 35 साल है। उसका लक्ष्य है कि वह 10 साल में 20 लाख रुपये जमा करें। साथ ही अगले 25 साल में 3 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड बनाए। एक्स ने अपने लक्ष्य को पाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। वह पहले से ही नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में योगदान कर रहे हैं। अब वह हर महीने 20,000 रुपये म्यूचुअल फंड में लगाना चाहते हैं। हालांकि एक्स जानना चाहते हैं कि वह रकम को और कहां निवेश कर सकते हैं। जिससे उसके पैसे से मोटा पैसा बनाया जा सके।

क्या है एक्सपर्ट की राय

बाजार के जानकारों का कहना हहै कि एक्स अभी एम्प्लॉयर-एम्प्लॉई स्कीम में योगदान कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वह अपनी सैलरी से 10% योगदान करते हैं और एम्प्लॉयर 14% योगदान करते हैं। अभी वह हर महीने 15,000 रुपये निवेश कर रहे हैं। अगर सैलरी में हर साल 7% की बढ़ोतरी होती है और उसी के अनुसार योगदान भी बढ़ता है। ऐसे में 10% सीएजीआर (सीएजीआर) के हिसाब से उनका एनपीएस निवेश 25 साल में करीब 3.42 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। सीएजीआर का मतलब है सालाना चक्रवृद्धि ब्याज दर। चक्रवृद्धि ब्याज ही एक ऐसा उपाय है जो आपको कम समय में अमीर बना सकता है।

एनपीएस में इस बात का रखें ध्यान

एनपीएस में निवेश के जरिए वह रिटायरमेंट पर 3 करोड़ रुपये का फंड पा सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि एनपीएस फंड का केवल 60% ही रिटायरमेंट के समय एकमुश्त निकाला जा सकता है। बाकी 40% का इस्तेमाल एन्युटी खरीदने के लिए किया जाना चाहिए। एन्युटी का मतलब है कि आपको हर महीने एक निश्चित राशि मिलती रहेगी।

म्यूचुअल फंड से कितनी मिलेगी रकम

एक्स एनपीएस के अलावा हर महीने 20,000 रुपये म्यूचुअल फंड में भी निवेश करने की योजना बना रहे हैं। अगर 12% का सालाना रिटर्न मान लें तो 10 साल में उनके पास करीब 45 लाख रुपये का फंड इकट्ठा हो जाएगा। ऐसे में वह इस रकम का इस्तेमाल अपने किसी जरूरी काम में कर सकते हैं। वहीं अगर वह इस एसआईपी को पूरे 25 साल तक जारी रखते हैं तो वह इतने समय में करीब 3.40 करोड़ रुपये का फंड इकट्ठा कर लेंगे। यानी रिटायरमेंट पर उन्हें जितनी रकम मिलेगी, करीब उतनी रकम वह एसआईपी में निवेश से भी ले सकेंगे। ऐसे में वह रिटायरमेंट पर कुल करीब 7 करोड़ रुपये का फंड तैयार कर लेंगे। अगर आप एनपीएस में निवेश नहीं करना चाहते तो एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में भी निवेश करके 3 करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकते हैं।

गोल्ड ने शेयर बाजार से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया, देश में आर्थिक मंदी के दौरान भी चमकता रहा सोना

असली रिटर्न तो सोने ने दिया 25 वर्ष में 2,027% का मुनाफा

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प, इक्विटी से बेहतर
- 25 साल में सोने ने 2,027% और निफ्टी ने 1,470% रिटर्न दिया
- एसजीबी की अनुपलब्धता में गोल्ड ईटीएफ निवेश का अच्छा तरीका

2008 की आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी के दौरान भी सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय निवेशकों के लिए सोना अच्छा विकल्प है। यह उन्हें अपने निवेश को अलग-अलग चीजों में बांटने में मदद करता है। अब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए गोल्ड ईटीएफ सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

निवेश के मामले में सोना आखिरकार खरा सोना है। यह निवेश का सबसे सुरक्षित और अच्छा मुनाफा देने वाला विकल्प है। सोने में कई तरीके से निवेश किया जा सकता है। देश में चाहे मंदी हो या शेयर बाजार में उथल-पुथल, लेकिन सोना हमेशा चमकता रहा और निवेशकों को मालामाल करता रहा। इसलिए बाजार के जानकार भी सोने में निवेश करने की कहते हैं। पिछले 25 सालों के आंकड़े को देखा जाए तो सोने ने इक्विटी (शेयर बाजार) से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, हाल के वर्षों और खासकर आर्थिक मंदी के दौरान भी सोने ने अच्छा रिटर्न दिया है। सोने में निवेश का सबसे अच्छा तरीका गोल्ड ईटीएफ माना जा रहा है, खासकर भारतीय निवेशकों के लिए। निवेशकों के लिए सोना एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। यह उन्हें भरोसा दिलाता है कि उनका पैसा भरोसेमंद चीज में लगा है। एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जेरोधा ने सोने और निफ्टी-50 के प्रदर्शन की तुलना की है। उन्होंने पाया कि वर्ष 2,000 से सोने ने 2,027% का रिटर्न दिया है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के बेंचमार्क इंडेक्स ने 1,470% का रिटर्न दिया। यह दिखाता है कि सोना मुश्किल समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता है। 2008 की आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी के दौरान भी सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय निवेशकों के लिए सोना अच्छा विकल्प है। यह उन्हें अपने निवेश को अलग-अलग चीजों में बांटने में मदद करता है। अब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए गोल्ड ईटीएफ सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

ऐसे की तुलना

जेरोधा ने एक चार्ट भी दिखाया, जिसमें सोने और निफ्टी के प्रदर्शन की तुलना की गई। चार्ट में दिखाया गया है कि निफ्टी आर्थिक मंदी के दौरान नीचे गिर गया था, लेकिन सोना स्थिर रहा। उन्होंने कहा, 'कोई नहीं बता सकता कि सोने की कीमतें क्यों बढ़ती हैं, लेकिन यह काम करता है।'

2025 में सोने की कीमत 18% बढ़ी

हाल के दिनों में सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया है। 2025 में सोने की कीमत 18% बढ़ी, जबकि निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 में 6% की गिरावट आई। 2024 में सोने ने 25% का रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी लार्जकैप 250 ने 19% का रिटर्न दिया। यह दिखाता है कि सोना बाजार में अस्थिरता के समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता है। 2005 से सोने ने हर साल औसतन 20% का रिटर्न दिया है। सिर्फ तीन बार ऐसा हुआ है जब सोने का रिटर्न नेगेटिव रहा है। 2023 में यह 18% गिरा, 2015 में 8% और 2021 में 2%। सोने ने इक्विटी से बेहतर रिटर्न दिया है। उन्होंने कहा, 'मैं तारीखों को थोड़ा बदल रहा हूं, लेकिन यह सच है कि 2000 से सोने ने निफ्टी से ज्यादा रिटर्न दिया है।'

सोने में निवेश का सबसे अच्छा तरीका

गोल्ड ईटीएफ भारतीय निवेशकों के लिए सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका है। खासकर अब जब एसजीबी उपलब्ध नहीं हैं। जेरोधा एएमसी के गोल्ड ईटीएफ गोल्डकेस के लॉन्च के बारे में भी बात की। यह सही समय पर लॉन्च हुआ है, क्योंकि सोने की कीमतें बढ़ रही हैं और एसजीबी का जारी होना बंद हो गया है। सोने को ज्यादातर निवेशक एक सुरक्षित ठिकाना मानते हैं। उन्हें लगता है कि सोना एक ऐसी संपत्ति है जिस पर वे भरोसा कर सकते हैं। पिछले कुछ सालों में सोने ने शेयर बाजार से बेहतर प्रदर्शन किया है।

सोने में निवेश के तरीके

- भौतिक सोना खरीदना
- सोने के सिक्के या बार : सोने के सिक्के या बार खरीदना एक पारंपरिक तरीका है।
- सोने के जेवर : सोने के जेवर भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- सोने के बर्तन : सोने के बर्तन भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ)

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

गोल्ड म्यूचुअल फंड्स

- गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म

- ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जैसे कि पेटीएम गोल्ड, गोल्डबाज़ार, आदि पर सोने में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर सोने में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

सोने के शेयर और फ्यूचर्स

- सोने के शेयरों में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- सोने के फ्यूचर्स में निवेश करना एक जोखिम भरा विकल्प हो सकता है।

निवेश से पहले यह करें

- सोने में निवेश करने से जोखिम जुड़ा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, जैसे कि लंबी अवधि के लिए निवेश करना या अल्पावधि में लाभ कमाना। अपने निवेश की राशि तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

कम अमाउंट से भी बढ़ता जाएगा आपका पैसा, कुछ दिनों में आपके पास अच्छी खासी रकम होगी, रिकरिंग डिपॉजिट एक सुरक्षित निवेश विकल्प

सेविंग के लिए मोटी रकम नहीं है तो आरडी की आदत डालें

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"देखा जाए तो आरडी उन लोगों के लिए बेहतर है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो बड़ी रकम एकमुश्त जमा नहीं कर सकते हैं। आरडी आपको छोटी-छोटी बचत से बड़ा फंड बनाने में मदद करता है।

भारत में निवेश के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट एक बहुत ही लोकप्रिय और सुरक्षित विकल्प है। इसमें निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहता है और रिटर्न की गारंटी भी मिलती है, लेकिन इसके लिए बड़ी रकम की जरूरत होती है। अगर आपके पास बड़ी रकम नहीं है, तो चिंता की बात नहीं! रिकरिंग डिपॉजिट भी एक ऐसा विकल्प है, जिसमें आप छोटी-छोटी रकम जमा करके बड़ा फंड बना सकते हैं.

आरडी यानी रिकरिंग डिपॉजिट क्या है

आरडी यानी रिकरिंग डिपॉजिट एक ऐसी बचत योजना है, जिसमें आप हर महीने एक निश्चित रकम जमा करते हैं। यह उन लोगों के लिए आदर्श है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। आरडी में आप कम अमाउंट से शुरुआत कर सकते हैं और समय के साथ बड़ा रिटर्न पा सकते हैं।

आरडी कैसे करता है काम

आरडी में निवेशक हर महीने एक तय अमाउंट जमा करते हैं। यह समय 6 महीने से 10 साल तक हो सकता है। बैंक या पोस्ट ऑफिस इस जमा अमाउंट पर ब्याज देते हैं। यह ब्याज आमतौर पर हर तीन महीने में जोड़ा जाता है यानी क्वॉटर्ली कम्पाउंडेड होता है। जब आरडी मैच्योर होता है, तो निवेशक को कुल जमा रकम के साथ उस पर मिला ब्याज भी मिलता है। यह एक अच्छा तरीका है अपने पैसे को बचाने और बढ़ाने की शुरूआत कर सकते हैं। इससे कुछ समय में आप अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

आरडी के फायदे

- हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम जमा कर आप बड़ी रकम जुटा सकते हैं और छोटी अवधि वाले वित्तीय लक्ष्यों जैसे बच्चों की फीस, छुट्टियों की प्लानिंग या नया मोबाइल फोन खरीद सकते हैं। पैसे को कहीं भी किसी भी काम में ला सकते हैं।
- जो लोग बचत के मामले में थोड़े आलसी हैं, उनके लिए आरडी एक बढ़िया तरीका है डिसिप्लिन लाने का। एक बार सेट कर दिया, फिर हर माह रकम अपने आप कटती रहेगी।
- स्टॉक मार्केट की तरह उतार-चढ़ाव नहीं, आरडी पूरी तरह सुरक्षित है। आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और आपको गारंटीड रिटर्न भी मिलता है। इसलिए आपको इस निवेश में घबराने की जरूरत नहीं होती।
- आरडी पर मिलने वाला ब्याज फिक्स होता है, और उस पर कंपाउंडिंग लागू होती है। यानी ब्याज पर ब्याज, जिससे आपकी कमाई और बढ़ती जाती है।
- आरडी खोलना बेहद आसान है—बैंक की ऐप या वेबसाइट से बस कुछ क्लिक में अकाउंट खुल जाता है और अगर आप पोस्ट ऑफिस स्कीम चुनते हैं, तो वहाँ भी प्रोसेस सिंपल है।

आरडी के कुछ नुकसान भी

- समय से पहले निकासी पर नुकसान होता है। अगर आप आरडी को मैच्योरिटी से पहले तोड़ते हैं तो उस पर पेनाल्टी लगती है और ब्याज भी कम मिल सकता है। यानी 'जल्दबाजी में नुकसान हो सकता है। इसलिए आरडी पूरी होने पर ही पैसा निकलवाएं।
- आप एक बार जितना अमाउंट सेट कर देते हैं, वही हर महीने जमा करना होता है। बीच में ज्यादा पैसा डालना है? तो नए आरडी खोलनी पड़ेगी। यानी इसमें कोई फ्लेक्सिबिलिटी नहीं होती।
- अगर आरडी की शुरुआत के बाद मार्केट में ब्याज दरें बढ़ जाएं, तो आपको फायदा नहीं मिलेगा। आपकी आरडी पुरानी दर पर ही चलती रहेगी।
- आरडी पर मिलने वाला ब्याज पूरी तरह टैक्सेबल है। अगर सालाना ब्याज 40,000 रुपये (या सीनियर सिटीजन के लिए 50,000) से ज्यादा होता है, तो इस पर टीडीएस भी कटता है।

किन लोगों के लिए बेहतर

देखा जाए तो आरडी उन लोगों के लिए बेहतर है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो बड़ी रकम एकमुश्त जमा नहीं कर सकते हैं।

इंडेक्स फंड का क्या है, निवेश से समझ लें नफा व नुकसान

इंडेक्स फंड एक ऐसा इनवेस्टमेंट ऑप्शन है, जिसमें निवेशक एक तय इंडेक्स जैसे निफ्टी 50 या सेंसेक्स को फॉलो करने वाली स्कीम में पैसे लगाते हैं। निवेश का यह तरीका पैसिव इन्वेस्टमेंट कहलाता है, जिसमें फंड मैनेजर खुद स्टॉक्स नहीं चुनते, बल्कि इंडेक्स में शामिल शेयरों के अनुपात के अनुसार पोर्टफोलियो तैयार करते हैं। इंडेक्स फंड में निवेश करना हमारे लिए सही है या नहीं, यह जानने के लिए इसके मायने, फायदे और नुकसान को समझना जरूरी है।

क्या होते हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड ऐसे म्यूचुअल फंड होते हैं जो किसी एक खास स्टॉक मार्केट इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करते हैं। मिसाल के तौर पर अगर कोई इंडेक्स फंड निफ्टी 50 को फॉलो करता है, तो वह उन्हीं 50 स्टॉक्स में उसी अनुपात में निवेश करेगा जैसे वो इंडेक्स में होते हैं। यह तरीका एक्टिव फंड्स से अलग होता है, जहां फंड मैनेजर बाजार से बेहतर रिटर्न हासिल करने के मकसद से स्टॉक्स का सेलेक्शन करते हैं।

इंडेक्स फंड में निवेश के फायदे

1. **डायवर्सिफिकेशन** : इंडेक्स फंड की सबसे बड़ी खूबी है। एक इंडेक्स फंड में निवेश करके आप एक ही बार में कई कंपनियों के शेयरों में पैसे लगा पाते हैं। इससे रिस्क का लेवल कम होता है।
2. **कम खर्च** : इन फंड्स का खर्च अन्य एक्टिव फंड्स की तुलना में काफी कम होता है, क्योंकि इसमें रिसर्च और स्टॉक सिलेक्शन की जरूरत नहीं होती।
3. **नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प** : जो लोग निवेश की शुरुआत कर रहे हैं, उनके लिए यह एक समझने में आसान विकल्प होता है। निवेशक बिना ज्यादा रिसर्च के भी लॉन्ग टर्म में बेहतर रिटर्न पा सकते हैं।
4. **फंड मैनेजर पर निर्भर नहीं** : चूंकि इंडेक्स फंड पैसिव तरीके से चलते हैं, इसलिए किसी मैनेजर के गलत फैसले का रिस्क नहीं होता।

इंडेक्स फंड में निवेश के नुकसान

1. इन फंड्स का उद्देश्य सिर्फ इंडेक्स को फॉलो करना होता है, न कि उसे पीछे छोड़ना। इसलिए बाजार में तेजी के दौरान भी यह सीमित रिटर्न ही देते हैं।
2. एक्टिव फंड्स की तुलना में इंडेक्स फंड्स में फंड मैनेजर के हाथ बंधे होते है, लिहाजा गिरावट के दौरान भी वो पोर्टफोलियो में बदलाव नहीं कर सकते, जबकि फ्लेक्सी कैप या मल्टी कैप जैसे फंड्स में फंड मैनेजर वक्त के हिसाब से निवेश रणनीति में बदलाव करके बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं।
3. कई बार फंड का प्रदर्शन इंडेक्स से पूरी तरह मेल नहीं खाता, जिसे ट्रैकिंग एरर कहा जाता है। मामूली ट्रैकिंग एरर तो आम बात है, लेकिन यह एरर बढ़ जाए, तो निवेशक के रिटर्न पर असर डाल सकता है।

भारत के प्रमुख स्टॉक मार्केट इंडेक्स

निफ्टी 50 : यह इंडेक्स भारत की टॉप 50 बड़ी कंपनियों के प्रदर्शन को दर्शाता है और एनएसई का सबसे पॉपुलर इंडेक्स है।

बीएसई सेंसेक्स : यह बीएसई की टॉप 30 कंपनियों पर आधारित है और निफ्टी 50 की तरह ही भारतीय शेयर बाजार के मुख्य इंडेक्स में शामिल है।

निफ्टी नेक्स्ट 50 : यह निफ्टी 50 के बाद अगली 50 बड़ी कंपनियों का इंडेक्स है और डाइवर्सिफिकेशन के लिए बेहतर माना जाता है।

निफ्टी बैंक : यह इंडेक्स भारतीय बैंकिंग सेक्टर के टॉप स्टॉक्स को ट्रैक करता है।

बीएसई मिडकैप, निफ्टी स्मॉलकैप : ये इंडेक्स मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों के प्रदर्शन को दिखाते हैं, जिनमें निवेश के साथ हाई रिटर्न और हाई रिस्क की संभावना जुड़ी हुई है। इंडेक्स फंड्स पर विचार करते समय समझने में आसान और डायवर्सिफिकेशन पर जोर देने वाले इंडेक्स को प्राथमिकता देनी चाहिए। आमतौर पर छोटे और नए निवेशकों को सेक्टोरल, थीमैटिक या एक से ज्यादा फैक्टर्स पर आधारित फैंसी नामों वाले मल्टी फैक्टर पैसिव फंड्स से दूर रहना चाहिए, क्योंकि उनमें रिस्क अधिक होता है।

सभी पुराने कर्ज मिलाकर नया लोन लेना फायदे का सौदा या मुसीबत

योजना | बिजनेस डेस्क

एक साथ कई कर्ज़ों को संभालना और समय पर सबका भुगतान करना मुश्किल हो जाता है। इससे कभी-कभार किस्त चूकने का खतरा भी होता है। ऐसे में सभी कर्जों को मिलाकर एक ही आसान किस्त में चुकाना एक समझदारी भरा कदम हो सकता है। डेट कंसोलिडेशन यानी डेट कंसोलिडेशन एक ऐसी रणनीति है, जिसमें आपके सारे पुराने कर्ज़ों को मिलाकर एक नया लोन बना दिया जाता है। इससे आपको कई किस्तों की जगह सिर्फ एक ही ईएमआई भरनी होती है। यह प्रक्रिया बैंक या फाइनेंशियल इंस्टिट्यूट के जरिए की जाती है। डेट कंसोलिडेशन से पुराने लोन चुकाने की प्रक्रिया आसान हो जाती है। साथ ही, इसमें ब्याज दर कम होने की संभावना होती है या चुकाने का समय बढ़ सकता है, जिससे आपकी जेब पर बोझ भी कम पड़ता है।

■ पैसे उधार लिए शख्स को सिर्फ एक ही ईएमआई भरनी होगी

अपने सभी मौजूदा कर्जों का आकलन करें

सबसे पहले यह समझें कि आपने कुल कितना कर्ज लिया हुआ है। हर लोन पर कितना ब्याज लग रहा है, कितने समय में चुकाना है और कहीं कोई जुर्माना या एक्स्ट्रा चार्ज तो नहीं है, ये सब बातें जांच लें। इससे आपको अपनी वित्तीय हालत का सही अंदाजा लगेगा और सही फैसला लेने में मदद मिलेगी।

लोन लेने की योग्यता समझें

आपका क्रेडिट स्कोर यह बताता है कि आपने अब तक अपने कर्ज कैसे चुकाए हैं। अगर ये स्कोर अच्छा है, तो आपको लोन पर कम ब्याज दर मिल सकती है और लोन लेना भी आसान हो जाता है। इसलिए सबसे पहले अपना क्रेडिट स्कोर चेक करें। अगर स्कोर ज्यादा है, तो आपको बेहतर शर्तों जैसे –कम ब्याज, ज्यादा लोन राशि या लोन चुकाने के लिए ज्यादा समय पर लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि, लोन को एक साथ मिलाकर नया लोन लेने से क्रेडिट स्कोर थोड़े समय के लिए थोड़ा घट सकता है, लेकिन अगर आप समय पर किस्तें भरते रहें तो आपका स्कोर फिर से अच्छा हो सकता है।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अच्छा क्रेडिट स्कोर अक्सर आपको डेट कंसोलिडेशन पर कम ब्याज दरों के लिए योग्य बनाता है। इससे कुल ब्याज खर्च कम हो जाता है और रिपेमेंट को मैनेज करना हो सकता है। अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर आपको लोन चुकाने के लिए ज्यादा समय मिल सकता है या जरूरत से ज्यादा पैसा भी मिल सकता है। इससे लोन चुकाना आसान हो जाता है और आप अपने पैसों को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं।

ब्याज दर और दूसरे शुल्क देखें

अपने पुराने लोन को मिलाकर जब आप नया लोन लेने की सोच रहे हों, तो यह जरूर देखें कि कहीं उस पर ज्यादा ब्याज या कोई एक्स्ट्रा चार्ज तो नहीं हैं। नया लोन तभी फायदेमंद है जब उसकी ब्याज दर और बाकी चार्ज आपके पुराने लोन से कम हों। इसलिए अलग-अलग विकल्पों की तुलना करना जरूरी है।

लोन चुकाने की अवधि और योजना देखें

अगर आप लंबे समय के लिए लोन लेते हैं तो आपकी हर महीने की किस्त (ईएमआई) कम हो सकती है, लेकिन ऐसा करने से आपको कुल मिलाकर ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। इसलिए चुकाने की अवधि सोच-समझकर चुनें, ताकि आपकी जेब पर ज्यादा बोझ न पड़े।

खर्च करने की आदतों पर लगाम लगाएं

सभी मौजूदा कर्जों को मिलाकर जब आप एक नया लोन लेते हैं यानी डेट कंसोलिडेशन स्टैटेजी अपनाते हैं, तो ज़रूरी है कि आप फालतू खर्च से बचें और कोई नया कर्ज न लें। अगर आप खर्च पर कंट्रोल नहीं रखेंगे तो कर्ज कम होने के बजाय और बढ़ सकता है। इसलिए समझदारी से बजट बनाएं, ज़रूरत के मुताबिक ही खर्च करें, और समय पर किस्त चुकाएं। अगर किसी बात को लेकर भ्रम हो, तो अपने वित्तीय सलाहकार से बात करके अपनी स्थिति के हिसाब से सही सलाह जरूर लें। ऐसा करने से आपको अपनी वित्तीय हालत के हिसाब से डेट कंसोलिडेशन रणनीति आपनाने में मदद मिल सकती है।

अच्छा तरीका संभव

सभी कर्जों को मिलाकर एक लोन लेना (डेट कंसोलिडेशन) कई बार कर्ज संभालने का अच्छा तरीका हो सकता है, लेकिन इसे अपनाने से पहले ये देखना जरूरी है कि ये तरीका आपके लिए सही है या नहीं। इसका आपके पैसों पर क्या असर पड़ेगा, ये समझकर ही कोई फैसला लें। अगर आप सोच-समझकर सही फैसला लेंगे, तो कर्ज चुकाने में आसानी होगी और आपकी आर्थिक हालत भी लंबे समय तक मजबूत बनी रहेगी। पहले तो कोशिश यही करें की लोन न लेना पड़े।

डब्लूटीसी : अंक प्रणाली में बदलाव पर सहमत हो सकता है आईसीसी

एजेंसी ▶▶| लंदन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद अगले चक्र से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक प्रणाली में बड़े बदलावों पर सहमत हो सकता है जबकि सप्ताहांत में जिम्बाब्वे में बैठकों के दौरान टेस्ट क्रिकेट को दो स्तर में विभाजित करने के विवादास्पद प्रस्ताव को स्थगित करने की संभावना है। शनिवार को एक रिपोर्ट में यह कहा गया।

खेल की वैश्विक संचालन संस्था लंबे समय से जीत के अंतर के आधार पर बोनस अंकों की एक नई प्रणाली पर विचार कर रही है जैसी रग्बी यूनियन में उपयोग की जाती है। इसमें विरोधी टीम की ताकत के आधार पर जीत के लिए अंक दिए जाते हैं और विरोधी के मैदान पर जीत के लिए अतिरिक्त अंक मिलते हैं। यह बैठकों की श्रृंखला के दौरान चर्चा का एक बड़ा मुद्दा हो सकता है।

जीत के अंतर के आधार पर बोनस अंकों की नई प्रणाली पर विचार

मौजूदा अंक प्रणाली

मौजूदा डब्ल्यूटीसी प्रणाली समान संख्या में अंक प्रदान करती है जिसमें जीत के लिए 12, टाई के लिए छह और ड्रॉ के लिए चार अंक दिए जाते हैं जिससे असंतोष पैदा हुआ है कि क्रिकेट के 'बिग थ्री' भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को 'एक दूसरे के खिलाफ अधिक मैच खेलने के कारण नुकसान होता है।'

दक्षिण अफ्रीका की उपलब्धि से नाराजगी

रिपोर्ट में कहा गया है, 'इस साल के फाइनल में पहुंचने में दक्षिण अफ्रीका की उपलब्धि ने कुछ नाराजगी पैदा की क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया के साथ खेले बिना ऐसा किया। वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला जीतने, भारत के खिलाफ ड्रॉ और भारत में हार के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार फाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त अंक हासिल किए।'

ओवर गति जुर्माने पर चर्चा

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ओवर गति जुर्माने के मुद्दे पर भी चर्चा होगी। रिपोर्ट में कहा गया, 'मौजूदा सत्र में नौ में से छह टीम को धीमे खेल के लिए जुर्माने का सामना करना पड़ा है जिसमें इंग्लैंड को सबसे अधिक नुकसान हुआ। उन्होंने अपने अभियान में 22 अंक गंवाए और 41.5 के अंक प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर रहे। हालांकि इस अवधि के दौरान उनका जीत प्रतिशत 51.5 रहा जो फाइनल में पहुंचे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बाद तीसरा सर्वश्रेष्ठ है।'

टेस्ट दो स्तर में नहीं होगी विभाजित

रिपोर्ट में कहा गया है कि आईसीसी फिलहाल टेस्ट क्रिकेट को दो स्तर में विभाजित करने की योजना को रोक सकता है और एकल लीग डब्लूटीसी प्रारूप को जारी रख सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के दो स्तर के प्रस्ताव पर मतदान नहीं होगा।' इसमें कहा गया है कि आईसीसी को दो स्तरीय प्रणाली के खेल और वित्तीय प्रभावों को समझने के लिए और समय चाहिए और यह प्रस्ताव 2027-2029 डब्ल्यूटीसी चक्र से पहले एजेंडे में हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'अफगानिस्तान, आयरलैंड और जिम्बाब्वे को डब्ल्यूटीसी में जोड़कर छह टीम के दो डिविजन के विस्तार करने के बजाय 2027 तक चलने वाला अगला सत्र अपने मौजूदा नौ टीम के प्रारूप को बनाए रखेगा।'

खास खबर

रोहित और राहुल पर होगी निगाह

नई दिल्ली। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा रविवार को यहां मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले मैच में स्पिनरों की कड़ी चुनौती से पार पाकर आईपीएल में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास करेंगे। रोहित जहां रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं वहीं मुंबई की टीम को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो दिल्ली के कुशल बल्लेबाज के एल राहुल के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
दिल्ली	4	4	0	8
गुजरात	6	4	2	8
लखनऊ	6	4	2	8
कोलकाता	6	3	3	6
बेंगलोर	5	3	2	6
पंजाब	5	3	2	6
राजस्थान	5	2	3	4
हैदराबाद	6	2	4	4
मुंबई	5	1	4	2
चेन्नई	6	1	5	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
349 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
12 विकेट
चेन्नई

आईपीएल: लगातार चार जीत के बाद हारी टाइटंस की टीम

लखनऊ के नवाबों ने रोका गुजरात का विजयी रथ, सुपर जायंट्स की चौथी जीत

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

लखनऊ सुपरजायंट्स ने शनिवार को आईपीएल-2025 में गुजरात टाइटंस को छह विकेट से मात देकर उसके विजयी रथ को रोक दिया। यह लखनऊ की लगातार तीसरी और ओवरऑल चौथी जीत है। गुजरात जायंट्स छह विकेट पर 180 रन बना सका। लखनऊ ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 186 रन बनाकर जीत दर्ज की। जायंट्स के लिए निकोलस पूरन ने 61 रन और एडेन मारक्रम ने 58 रन की पारी खेली। टाइटन्स को इस तरह चार जीत के बाद हार का मुंह देखना पड़ा।

इससे पहले कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की। सुदर्शन (56 रन) ने सत्र का अपना चौथा अर्धशतक लगाया और गिल (60 रन) के साथ मिलकर बड़े स्कोर के लिए मंच तैयार किया। लेकिन घरेलू टीम के गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की और तीन विकेट चटकाकर स्कोरिंग गति पर ब्रेक लगा दिया। पहले विकेट के लिए सत्र की सर्वश्रेष्ठ साझेदारी के बाद मेहमान टीम आखिरी आठ ओवरों में सिर्फ 60 रन ही बना सकी।

पूरन-मार्करम का तूफान

पूरन ने आते ही तूफान ला दिया और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। दूसरी तरफ से मार्करम भी तेजी से रन बना रहे थे। मार्करम ने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। इसके बाद वह आठ रनों का इजाफा और कर सके फिर आउट हो गए। मार्करम ने 31 गेंदों पर नौ चौके और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाए। कृष्णा ने उन्हें गिल के हाथों कैच कराया। उनके जाने के बाद पूरन नहीं रुके और तेज खेलते रहे। 13वें ओवर की चौथी गेंद पर पूरन ने चौका मार पूरन ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अर्धशतक जमाने के बाद पूरन भी आउट हो गए।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का पूरन बो बिश्नोई	56	37	7	1
गिल का मारक्रम बो आवेश	60	38	6	1
बटलर का ठाकुर बो राठी	16	14	2	0
वाशिंगटन सुंदर बो बिश्नोई	02	03	0	0
रदरफोर्ड पगबाधा बो ठाकुर	22	19	3	0
शाहरूख खान नाबाद	11	06	0	1
तेवतिया का मारक्रम बो ठाकुर	00	01	0	0
राशिद खान नाबाद	04	02	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 20 ओवर में 180/6
गेंदबाजी : शार्दुल 4-0-34-2, आकाशदीप 3-0-33-0, राठी 4-0-30-1, आवेश 4-0-32-1, बिश्नोई 4-0-36-2, मारक्रम 1-0-15-0

लखनऊ	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का गिल बो कृष्णा	58	31	9	1
पंत का सुंदर बो कृष्णा	21	18	4	0
पूरन का शाहरूख बो राशिद	61	34	1	7
आयुष बडोनी नाबाद	28	20	2	1
डेविड मिलर बो सुंदर	07	11	0	0
अब्दुल समद नाबाद	02	03	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 19.3 ओवर में 186/4
गेंदबाजी : सिराज 4-0-50-0, अरशद 2-0-11-0, कृष्णा 4-0-26-2, राशिद 4-0-35-1, सुंदर 4-0-28-1, किशोर 1.3-0-35-0

पंत ओपनिंग में फेल

लखनऊ के स्टार ओपनर मिचेल मार्श इस मैच में नहीं खेल रहे थे। उनकी जगह कप्तान पंत ने मारकरम के साथ ओपनिंग का जिम्मा संभाला। हालांकि, पंत जगह में बदलाव के बाद भी बड़ा पारी नहीं खेल सके। वे 21 रन बनाकर आउट हुए। सातवें ओवर की दूसरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने उन्हें वॉशिंगटन सुंदर के हाथों कैच कराया।

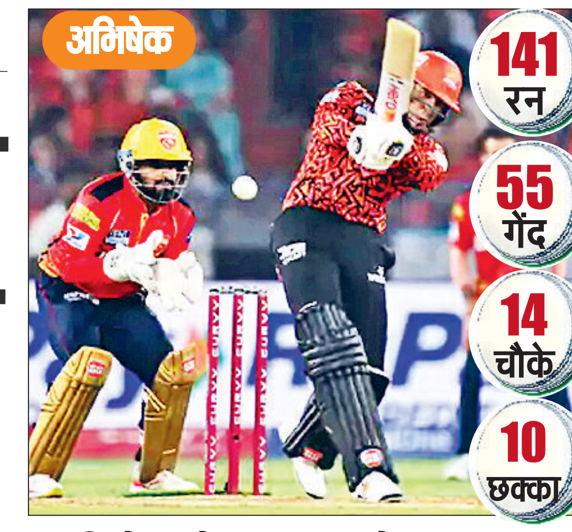

अभिषेक के तूफान में उड़ा पंजाब सनराइजर्स आठ विकेट से जीता

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के ताबड़तोड़ शतक और ट्रेविस हेड के साथ उनकी शतकीय साझेदारी से सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग के बड़े स्कोर वाले मैच में शनिवार को यहां पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर लगातार चार हार के क्रम को तोड़ा। पंजाब के 246 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने अभिषेक (141 रन, 55 गेंद, 14 चौके, 10 छक्के) के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी और हेड (66 रन, 37 गेंद, नौ चौके, तीन छक्के) के साथ उनकी पहले विकेट की 171 रन की साझेदारी से 18.3 ओवर में दो विकेट पर 247 रन बनाकर जीत दर्ज की। अभिषेक का यह शतक आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाजी का सर्वोच्च स्कोर है। पंजाब ने इससे पहले कप्तान श्रेयस अय्यर की 36 गेंद में छह छक्कों और इतने ही चौकों से 82 रन की पारी से छह विकेट पर 245 रन बनाए। अय्यर ने निहाल वढेरा (27) के साथ तीसरे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी भी की। प्रभसिमरन सिंह (42) और प्रियांश आर्य (36) ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 24 गेंद में 66 रन जोड़कर टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 34, 11 गेंद, चार छक्के, एक चौका) ने अंत में तेजतर्रार पारी खेलकर टीम का स्कोर 240 रन के पार पहुंचाया।

खबर संक्षेप

समझ होने के कारण स्पिनर को उतारा

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे और मोईन अली के कारण एक अतिरिक्त स्पिनर को मैदान में उतारने का निर्णय लिया गया। केकेआर का यह फैसला आखिर में महत्वपूर्ण साबित हुआ तथा उसके स्पिनरों सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और मोईन अली ने टीम की आठ विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। डिकॉक ने कहा कि मैच आगे बढ़ने के साथ विकेट बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गया था।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग की पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के

खेल में आत्मविश्वास की कमी है जो मौजूदा समय की जरूरत के मुताबिक नहीं खेल पा रही है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई की टीम को शुक्रवार को एकतरफा मैच में आठ विकेट से हराया। चेन्नई ने इस दौरान अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाने के बाद छह मैचों में लगातार पांचवीं हार का सामना किया।

एशियाई कप 2031 की दावेदारी का समर्थन

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 2031 एएफसी एशियाई कप की मेजबानी करने की भारत की इच्छा के लिए सरकार का पूरा समर्थन देते हुए शनिवार को कहा कि प्रमुख प्रतियोगिताओं की मेजबानी से देश का वैश्विक कद बढ़ेगा जिसका लक्ष्य 2036 ओलंपिक का आयोजन करना है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मोंटे कार्लो मास्टर्स

अल्कराज की संघर्षपूर्ण जीत गत चैंपियन सिटसिपास बाहर

एजेंसी ▶▶| मोनाको

कार्लोस अल्कराज ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन गत चैंपियन स्टेफानोस सिटसिपास हारकर बाहर हो गए।

दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्कराज को क्वार्टर फाइनल में आर्थर फिल्स की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। पहला सेट गंवाने के बाद वह दूसरे और तीसरे सेट में भी पीछे चल रहे थे लेकिन आखिर में ढाई घंटे तक चले मैच में 4-6, 7-5, 6-3 से जीत हासिल करने में सफल रहे।

अल्कराज पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका मुकाबला स्पेन के हमवतन खिलाड़ी और 2022 के उपविजेता एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा। डेविडोवोविच फोकिना ने एलेक्सी पोपिरिन को 6-3, 6-2 से हराया।

सिटसिपास का इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन रहा है लेकिन लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ अच्छी शुरुआत के बाद उनकी लय एकदम से गड़बड़ा गई। सिटसिपास 2021, 2022 और 2024 में मोंटे कार्लो चैंपियन रहे हैं और उनका मुसेटी के खिलाफ 5-0 का शानदार रिकॉर्ड था। उन्होंने शुक्रवार को पहला सेट 6-1 से जीता। मुसेटी ने हालांकि आखिरी दो सेट 6-3, 6-4 से जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई जहां उनका सामना एलेक्स डी मिनौर से होगा, जो ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-0, 6-0 से हराकर तीन साल में पहली बार किसी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

एमपी, मणिपुर, पंजाब सेमीफाइनल में पहुंचे

झांसी। मध्य प्रदेश, मणिपुर और पंजाब ने शनिवार को यहां 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई। दिन के पहले मैच में नियमित समय में मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को शूट आउट में 4-2 से हराया। दूसरे क्वार्टर फाइनल का नतीजा भी शूट आउट में निकला जिसमें मणिपुर ने शूट आउट में तमिलनाडु पर 4-1 से जीत दर्ज की। दोनों टीम के बीच नियमित समय में मुकाबला गोल रहित ड्रॉ रहा था। तीसरे मैच में पंजाब ने हरियाणा को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

फुटबॉल के विकास में अधिक टूर्नामेंटों के प्रभाव की प्रशंसा

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने शनिवार को एशियाई फुटबॉल परिसंघ कांग्रेस को दिए एक वीडियो संदेश में दुनिया भर में फुटबॉल के विकास में विस्तारित टूर्नामेंटों के प्रभाव की प्रशंसा की। इन्फेंटिनो इस वर्ष के क्लब विश्व कप के मेजबान अमेरिका से मलेशिया के कुआलालंपुर में एकत्रित एएफसी के 46 सदस्य संघों को संबोधित किया। इस क्लब विश्व कप का आयोजन जून और जुलाई में होगा जिसमें 32 टीमें भाग लेंगी। फीफा प्रमुख ने कहा, 'अलग-अलग महाद्वीपों की टीमों के खिलाफ खेलने का मौका ज्यादा नहीं मिलता है। हम लंबे समय से इस तरह का बदलाव करना चाहते थे।' क्लब विश्व कप में एशिया प्रतिनिधित्व चार टीम करेंगी। इसमें संयुक्त अरब अमीरात की अल-ऐन, सऊदी अरब की अल-हिलाल, दक्षिण कोरिया की उल्सान एचडी और जापान की उरावा रेड्स शामिल है। इन्फेंटिनो ने कहा, '1930 के बाद से अब तक हुए सभी फीफा विश्व कप में जितने खिलाड़ी शामिल हुए हैं, उससे कहीं ज़्यादा खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे।'

बैसोया ने जीता इंडोरामा वेंचर्स ओपन चैंपियनशिप

अहमदाबाद। दिल्ली के सचिन बैसोया ने शनिवार को यहां इंडोरामा वेंचर्स ओपन गोल्फ चैंपियनशिप में दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार अंडर 68 का कार्ड खेला और प्लेऑफ में पुणे के उदयन माने को पछाड़कर यादगार जीत दर्ज की। बैसोया (68-71-70-68) ने आखिरी दिन शानदार खेल दिखाया। वह तीसरे दौर के बाद शीर्ष पर काबिज माने से सात शॉट पीछे संयुक्त पांचवें पायदान पर थे। 34 माने आखिरी दौर में 75 का खराब कार्ड खेला जिससे उनका और बैसोया का कुल स्कोर एक समान 11 अंडर 277 हो गया। प्लेऑफ होल (पार-4 18वें) में 29 साल के बैसोया ने बेहतर प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। बैसोया को इस जीत से 30 लाख रुपए का चेक मिला, जिससे वह पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 11वें स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

आडवाणी ने डब्लूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में जीता रजत

नई दिल्ली। भारत के सबसे दिग्गज क्यू खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्लूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कार्लो में खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सौरभ त्यागी** पुत्र विनोद त्यागी निवासी बी–348, तृतीय तल, गली नं. 4, मजलिस पार्क, दिल्ली–110033 ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 224/13 धारा 186/353/34 भा.द.स., थाना मुखर्जी नगर, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सौरभ त्यागी** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सौरभ त्यागी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 224/13 धारा 186/353/34 भा.द.स., थाना मुखर्जी नगर, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **सौरभ त्यागी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **25.06.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री निहारिका कुमार शर्मा,
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (उत्तर),
कमरा नं. 117,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली,

DP/4533/NW/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **टेक्नो फैब्स (प्रोपराइटर)**, ए.आर. श्री दिलीप महेन्द्रू कार्यालयः बी–14, जिला गौतमबुद्ध नगर, सेक्टर–58, नोएडा–201301 (उत्तर प्रदेश) दूसरा पताः डी–70, सेक्टर–30, नोएडा– 201301 (उत्तर प्रदेश) ने सी.टी. सं. 8110/17 धारा 138 एन.आई एक्ट, थाना मंगोलपुरी, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **टेक्नो फैब्स (प्रोपराइटर)** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **टेक्नो फैब्स (प्रोपराइटर)** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि सी.टी. सं. 8110/17 धारा 138 एन.आई एक्ट, थाना मंगोलपुरी, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **टेक्नो फैब्स (प्रोपराइटर)** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **30.05.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसार सुश्री रितिका जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05, (उत्तर पश्चिम)
कोर्ट संख्या 105,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/4645/OD/2025

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रमांक / लो.क.वि./जोन-1/2025/25/20 भिलाई दिनांक 07/04/25

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत संक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु आनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	सिस्टम टेंडर क्र.	अनुमानित लागत लाख में	निविदा डाउनलोड की अंतिम तिथि	निविदा पहुंचने की तिथि
01	नगर पालिक निगम, भिलाई क्षेत्रांतर्गत प्रियदर्शनी परिसर पश्चिम में स्केटिंग ट्रैक निर्माण कार्य।	166740	194.885	28.04.2025	30.04.2025
02	वार्ड-03 मॉडल टाउन जगदम्बा टेंट हाउस से रॉबिन किराना एवं गायत्री डिपार्टमेंट के पास डामरीकरण कार्य।	166741	47.93	28.04.2025	30.04.2025
03	वार्ड-03 मॉडल टाउन में आंगनबाड़ी से सीएचपीएल अपार्टमेंट के पीछे तक नाले में रिटेनिंग वाल्व तथा सडक निर्माण कार्य।	166744	49.79	28.04.2025	30.04.2025
04	वार्ड-06 संजय नगर के नाले में रिटेनिंग वाल्व तथा सडक निर्माण कार्य।	166768	47.55	28.04.2025	30.04.2025

(नोट :- ई टेण्डर में ऑफलाईन शपथ पत्र एवं EMD प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदा अमान्य किया जावेगा/दर को नहीं खोला जावेगा।)
उपरोक्त निविदा निर्माण कार्यो सामान्य शर्ते, एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाईन जमा करें साथ ही धरोहर राशि स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक से स्वीकार किये जावेंगें। साथ ही यह जानकारी संचालनालय की वेबसाईट eproc.cgstate.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

जोन आयुक्त

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

भारत हमेशा डब्ल्यूटीओ फ्रेमवर्क में काम करेगा लेकिन सुधार जरूरी : मंत्री गोयल

ट्रंप के टैरिफ पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री का बड़ा बयान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विकासशील देशों की परिभाषा का दोबारा मूल्यांकन करने की जरूरत समझाई और ई-कॉमर्स नियमों, कृषि निर्णयों और मत्स्य पालन वार्ताओं पर स्पष्टता का आह्वान किया। उन्होंने 9वें ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट में कहा कि भारत हमेशा डब्ल्यूटीओ फ्रेमवर्क के भीतर काम करेगा। अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित हमारे द्विपक्षीय समझौते इसके दायरे में काम करते हैं।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार को नया रूप देने में खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विश्वसनीय भागीदारों के साथ भारत के लिए आगे के अवसरों पर प्रकाश डाला। भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बताते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत में अवसरों की भरमार है। अगले दो से ढाई दशकों में भारत 1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं के बल पर आठ गुना वृद्धि करेगा। इससे घरेलू मांग में भारी वृद्धि होगी और वैश्विक स्तर पर पहचाने जाने वाले पैमाने के लाभ मिलेंगे।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत में अवसरों की भरमार है। अगले दो से ढाई दशकों में भारत 1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं के बल पर आठ गुना वृद्धि करेगा। इससे घरेलू मांग में भारी वृद्धि होगी

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

वैश्विक स्तर पर पहचाने जाने वाले पैमाने के लाभ मिलेंगे

गोयल ने भारत के व्यापार संबंधों और चीन से एफडीआई पर अपनी बात रखी

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले दो वर्षों में ही कम से कम आठ उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आए हैं, जो देश के साथ मजबूत व्यापार संबंध बनाने में दुनिया की बढ़ती दिलचस्पी का संकेत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के मौजूदा टैरिफ संरक्षण उपाय मुख्य रूप से गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा, भारत उन देशों के साथ द्विपक्षीय साझेदारी करने के लिए अच्छी स्थिति में है जो पारस्परिकता, विश्वास और निष्पक्षता को महत्व देते हैं।

भारत पर कोई दबाव नहीं

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले दो वर्षों में ही कम से कम आठ उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आए हैं, जो देश के साथ मजबूत व्यापार संबंध बनाने में दुनिया की बढ़ती दिलचस्पी का संकेत है। भारत उन देशों के साथ द्विपक्षीय साझेदारी करने के लिए अच्छी स्थिति में है जो पारस्परिकता, विश्वास और निष्पक्षता को महत्व देते हैं। भारत के व्यापार निर्णयों पर बाहरी दबाव की चिंताओं को खारिज करते हुए गोयल ने कहा, भारत पर कोई दबाव नहीं है।

युवा भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए तैयार

भारत के व्यापार निर्णयों पर बाहरी दबाव की चिंताओं को खारिज करते हुए गोयल ने कहा, कोई दबाव नहीं है। भारत के पास ऐसे अवसर होना अपने आप में बहुत रोमांचक है। आज हमारे निर्यात हमारे सकल घरेलू उत्पाद का अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा हैं, लेकिन हमारा मजबूत घरेलू बाजार और महत्वाकांक्षी युवा भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। चीन को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत हमेशा अपने हितों को सबसे पहले रखेगा। अभी तक, चीन से बहुत कम एफडीआई आया है और ऐतिहासिक रूप से भी, चीनी निवेश न्यूनतम रहा है। हमारा प्रयास उन विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ इंटीग्रेशन पर केंद्रित है, जिनकी बिजनेस प्रैक्टिस सही मायने में बेहतर हैं।

भारत-अमेरिका की सेनाओं के बीच संपन्न हुआ टाइगर ट्रायंफ

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में जारी त्रि-सेवा टाइगर ट्रायंफ-25 युद्धाभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। जिसमें मुख्यतः प्रदेश के तट पर जटिल सैन्य अभियानों को दोनों देशों की सेनाओं ने बखूबी अंजाम दिया।

यह एक मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) जल-थल-स्थल अभ्यास है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि युद्धाभ्यास 1 से 11 अप्रैल तक आयोजित किया गया था और उसके जरिए दोनों देशों की सशस्त्र सेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास, कौशल और अंतर संचालन क्षमता साफ तौर पर प्रदर्शित हुई।

अभ्यास के दौरान दोनों प्रतिभागियों ने एक दूसरे की क्षमताओं, तकनीकों और प्रक्रियाओं को आपस में साझा किया। पहली बार टाइगर ट्रायंफ अभ्यास वर्ष 2019 में आयोजित किया गया था।

तंजानिया की पांच दिवसीय यात्रा पर नौसेनाध्यक्ष एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी

आज से होगी अफ्रीका महाद्वीप के देशों संग 'अकेयम' युद्धाभ्यास की शुरुआत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत समेत अफ्रीका महाद्वीप के कुल 9 देशों की नौसेनाओं के बीच रविवार से छह दिवसीय अकेयम (अफ्रीका-इंडिया की मेरीटाइम इंगेजमेंट ऑफ दार-एस-सलाम) संयुक्त युद्धाभ्यास की शुरुआत होगी। जिसमें शामिल होने के लिए नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी शनिवार को तंजानिया रवाना हो गए।

इस वर्ष अकेयम युद्धाभ्यास का पहला संस्करण है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि युद्धाभ्यास का संस्कृत भाषा में अर्थ एकता होता है और उसमें भारत, कोमोरोस, जिबूती, केन्या, मेडागास्कर, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स और दक्षिण-अफ्रीका की नौसेनाएं अपने जंगी बेड़े के साथ भाग लेंगी। अकेयम के सह-मेजबानों में भारत और तंजानिया दोनों देश शामिल हैं।

रक्षा राज्य मंत्री करेंगे शिरकत

अकेयम युद्धाभ्यास बंदरगाह और समुद्री जैसे दो चरणों में पूरा होगा। इसमें बंदरगाह चरण में आयोजित किए जाने वाले उद्घाटन और स्वागत समारोह में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और तंजानिया के रक्षा मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। भारतीय नौसेना की तरफ से युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए उसका जंगी डिस्ट्रॉयर 'आईएनएस चेन्नई' और लैंडिंग शिप टैंक 'केसरी' 10-11 अप्रैल को दार-एस-सलाम पहुंच गए थे। इसके अलावा बीते 5 अप्रैल को हिंद महासागर जहाज 'सागर' के रूप में कारवार से रवाना हुआ बल का अपतटीय गश्ती जहाज आईएनएस सुनयना भी इस युद्धाभ्यास में भागीदारी करेगा।

पीएम के महासागर विजन की पूर्ति

अकेयम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए विजन महासागर के जरिए ग्लोबल साउथ के साथ-साथ अफ्रीकी महाद्वीप के देशों के साथ समुद्री सुरक्षा से जुड़े खतरों जैसे समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने की गतिविधियों को लेकर निगरानी और सूचना साझा करने के संबंध में सहयोग को मजबूती प्रदान करना है। पीएम ने पिछले महीने अपनी मॉरीशस यात्रा में महासागर विजन की घोषणा की थी। जिससे आम क्षेत्रीय समुद्री चुनौतियों के लिए सहयोगात्मक समाधान विकसित हो सकेगा। इसके जरिए भारतीय नौसेना की साझेदार देशों की नौसेनाओं के बीच सहभागिता, संयुक्त कार्रवाई को बढ़ावा मिलेगा। अकेयम भारत, अफ्रीकी देशों के बीच सशक्त और मैत्रीपूर्ण संबंधों को भी प्रदर्शित करता है।

आईओआर में बढ़ेगी सामरिक भागीदारी

नौसेनाप्रमुख की तंजानिया यात्रा 12 से 16 अप्रैल तक की है। जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग और सामरिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाना है। साथ ही इससे हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में रक्षा भागीदारी को भी मजबूती मिलेगी। उधर, भारतीय जहाजों के युद्धाभ्यास में शामिल होने के लिए तंजानिया पहुंचने पर भारत के रक्षा अटॉसे (डीए) और लाइजन टीम द्वारा उनका स्वागत किया गया। आईएनएस चेन्नई पर औपचारिक गार्ड परेड हुई जिसमें तंजानिया के रक्षा बलों और नौसेना के बैंड ने एक स्वर में दोनों देशों का राष्ट्रगान बजाया। युद्धाभ्यास के बंदरगाह चरण में टेबल टॉप और कमांड पोस्ट अभ्यास शामिल हैं। जो समुद्री डकैती रोधी अभियानों तथा सूचना साझा करने पर केंद्रित होंगे। समुद्री चरण 16 से 18 अप्रैल तक चलेगा।

आतंकियों को दिया मुंहतोड़ जवाब, ऑपरेशन जारी

सेना का जेसीओ शहीद, सुरक्षाबलों ने जैश के तीन आतंकी मार गिराए

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-जिले के अखनूर में शनिवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा हुआ है। सेना ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

वहीं, शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने शुक्रवार देर रात तक 3 आतंकियों को मार गिराया। ऑपरेशन रात से चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल है। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में एलओसी पर आरएस पुरा सेक्टर पर बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। वहीं, 1 अप्रैल को एलओसी पर सेना के एनकाउंटर में 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा गया था। घटना पुंछ में एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी।

सेना ने शहीद जेसीओ को श्रद्धांजलि दी

व्हाइट नाइट कोर ने ट्वीट कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, व्हाइट नाइट कोर और सभी सैनिक सूबेदार कुलदीप चंद की सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। वे आतंकियों की घुसपैठ रोकने के लिए चलाए गए ऑपरेशन का नेतृत्व करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। वही जम्मू कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने भी शहीद को श्रद्धांजलि दी।

प्रीमियम फ़ीचर्स डिजि-एनालॉग स्पीडोमीटर LED गाइड लैम्प्स बूट लैम्प मोबाइल चार्जिंग पोर्ट | आकर्षक कीमत ₹72,799~

कम डाउन पेमेंट ₹7999^ | ऑन-रोड कीमत ₹83000## | TOLL FREE NO. 1800-266-0018 | INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Regd. Office: Hero MotoCorp Ltd., The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj - Phase -II, New Delhi - 110070, India. CIN: L35911DL1984PLC017354. It is our endeavour to improve our product. This could lead to changes in product specifications without notice. Accessories and features shown may not be a part of the standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. Available at select dealerships. On-road price of Destini Prime in Delhi and may change without any prior notice. ##On-road price includes ex-showroom price, insurance and registration charges. ~Ex-showroom price of Destini Prime in Delhi and may change without any prior notice. ^Finance scheme is at the sole discretion of financiers and subject to its respective terms and conditions. #T&C apply. Offer valid till 30th April 2025. Offer is for limited period or till stock lasts. For further information, contact nearest Hero MotoCorp authorised outlet (s) or visit website www.heromotocorp.com

Authorised Dealers: South Delhi: Lajpat Nagar: Sapphire Hero: Ph: 9289923175, Adchini (Main Mehrauli Road): Pashupati Hero, Ph: 9289922381, Pul Prahladpur Badarpur: Singla Hero, Ph: 9289922771, Okhla Phase II: A R C Hero, Ph: 9289922461, East Delhi: Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero: Ph: 9289922380, Pushtakartar Nagar: Aman Hero, Ph: 9289922735, Dilshad Garden: RK Hero, Ph: 9289923010, Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero, Ph: 9289923222, North Delhi: Azadpur: Shraman Automobiles: Ph: 9289923185, Rithala (Rohini): Metro Hero, Ph: 9289922597, Budh Vihar: Jmd Automotives, Ph: 7838685858, Central Delhi: Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero, Ph: 9289922382, Upper India Hero, Ph: 9717198198, West Delhi: Roshan Vihar (Najafgarh): Avni Hero, Ph: 9289922671, Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero, Ph: 9289922796, Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero, Ph: 9289922530, Tilak Nagar: Khanna Hero, Ph: 9289922383, Bali Nagar: Khanna Hero, Ph: 9289924309, Nawada: Khanna Hero, Ph: 9289924310, Faridabad: Sehgal Hero, Ph: 9289922419, Sehgal Hero, NIT, Ph: 7217627327, Gurugram: Globe Agencies, Sec-18, Noble Enclave, 9289233915, Himgiri Hero, 9289923046, Sharma Hero, Basai Road Sector 11, 9289923221, Autoneeds Hero, Ph: 9289922051, Jasodha Hero, Ph: 9289922495, Himgiri Hero (Wazirabad), Ph: 9289924247, Himgiri Hero (Railway Road): Ph: 9289924248, Sohna: Auto Links Hero, No.160/2 Delhi Road, Sohna, Ph: 9289924089, Noida: Dhansri Hero, H-206A, Sector 63, Ph: 9289923044, Uppal Hero, B 124, Sector-5, Ph: 9289922462, Singla Hero, C-70, Sector-58, Ph: 9289923059, Ghaziabad: Globe Hero, Meerut, Delhi Road, Ph: 9289922073, Aman Hero, Shiv Puri, Vijay Nagar, Ph: 9289232123, Sahibabad: Sahib Hero, Ph: 9289922486 Bulandshahr: Shri Durga Hero, Delhi Road, Ph: 9289922504, Krishna Hero, Raje Babu Road, Ph: 9289922410, Hapur: Globe Hero, Ph: 9289923209.